

## **Daily** सच के हक में... E PHON NEW

Amla Paul And Jagat Desai's...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

पीएम ने जताया दुख

पीडितों को २ लाख

पधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

कठिन समय में मेरी संवेदनाएं

शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

मैं प्रार्थना करता हूं कि जो घायल

हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हो

जाएं।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

मृतकों के परिजनों को दो-दो

लाख और घायलों को 50-50

हजार रुपये के मुआवजे की

लिखा, 'दिल्ली

अस्पताल में

घटना हृदय

विदारक है

अविश्वसनीय

घोषणा की है।

घोसी में बोले मोदी- इंडी गठबंधन की

साजिश से सतर्क करने आया हूं

GHOSI: प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के घोसी में जनसभा को

संबोधित करते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस ने हमेशा साजिश के तहत

पर्वाचल को पिछडा बनाए रखा। ऐसे लोगों को पर्वाचल बार-बार सजा

र्देगा, जिन्होंने इस क्षेत्र के साथ विश्वासघात किया है। इंडी गठबंधन के

लोग जिन्होंने आपके घरों में आग लगाई, आपकी जमीनों पर कब्जा किया

जो माफिया के लिए आंस बहाते हैं, ऐसे लोगों को पूर्वांचल में अब पैर नहीं

रखने देना है। प्रधानमंत्री मोदी ने आरक्षण का जिक्र कर कहा कि आज मैं

और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को याद करते हुए कहा कि सपा–कांग्रेस ने

चनाव पर दिनया की नजर है। उन्होंने मंगल पांडेय, महाराजा सहेलदेव

पूर्वांचल को माफिया का क्षेत्र बना दिया था। अभाव, गरीबी, लाचारी का

क्षेत्र बना दिया था दस साल से स्थिति बदल गई।

आग लगने की

Ranchi Monday, 27 May 2024 Year : 02 Issue : 128 Ranchi Edition Page : 12 Price : 3 www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सोना 6,755 चांदी 96.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

#### **BRIEF NEWS** राजकोट गेम जोन हादसे में संचालक

समेत दो गिरफ्तार RAJKOT: राजकोट गेम जोन अग्निकांड में राजकोट तहसील थाने में 6 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन पर आईपीसी की धारा 304, 308, 337, 338 और 114 के तहत

शिकायत दर्ज की गई है। एफआईआर में टीआरपी गेम जोन के मालिक युवराज सिंह सोलंकी, प्रकाश सोलंकी, धवल ठक्कर, आशोकसिंह जाडेजा. किरीटसिंह जाडेजा, राहुल राठौड़ के नाम शामिल हैं। क्राइम ब्रांच ने इनमें से गेम जोन मालिक युवराज सिंह सोलंकी समेत दो को गिरफ्तार कर लिया है। राजकोट के पुलिस आयक्त राज भार्गव ने बताया कि 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच की टीम अन्य की गिरफ्तारी के लिए कार्य कर रही

#### झारखंड की चार सीटों पर 65.39 प्रतिशत

#### हुआ मतदान

RANCHI: लोकसभा चुनाव के छठवें चरण में 25 मई को झारखंड के रांची, जमशेदपुर, धनबाद व गिरिडीह में हुए मतदान का प्रतिशत बढ़ कर 65.39 प्रतिशत हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा रविवार को जारी संशोधित आंकड़े के अनुसार मत प्रतिशत में संशोधन किया गया है। ताजा आंकड़े के अनुसार, रांची में 65.36 प्रतिशत, जमशेदपुर में 67.68, धनबाद में 62.06 और गिरिडीह में 67.23 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां बता दें कि शनिवार शाम को आयोग द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक, झारखंड के चारों शहरों को मिलाकर औसत 63.20 प्रतिशत मतदान हुआ था, जिसमें रांची 64.45, जमशेदपुर 67.18, धनबाद 60.45 और गिरिडीह में 67 11 प्रतिशत मतदान हुआ था।

#### मेघालय में हुआ भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास

SHILLONG: मेघालय के उमराई में विदेशी प्रशिक्षण नोड में आयोजित भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' का सातवां संस्करण रविवार को संपन्न हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच संयक्त रणनीतिक संचालन और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाना था। दोनों देशों के त्रि-सेवा प्रतिनिधिमंडलों ने समापन समारोह का अवलोकन किया। इसे अंतिम कानूनी अभ्यास के रूप में मान्यता दी गई है।

दिल्ली के बेबी केयर सेंटर में लगी आग : ऑक्सीजन सिलिंडर फटा, हर तरफ फैली लपट, पीएम ने की मुआवजे की घोषणा खिड़कियां तोड़कर निकाले गए बच्चे, सात की गई जान, जांच के आदेश

शाहदरा के विवेक विहार स्थित न्यू बोर्न बेबी केयर अस्पताल में शनिवार देर रात भीषण आग लग गई। इस हादसे में सात नवजात बच्चों की मौत हो गई है। पांच बच्चों का इलाज दूसरे अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल से 12 नवजात बच्चों का रेस्क्यू किया गया था। इनमें से छह बच्चों ने इलाज के दौरान दम तोड दिया। जबिक एक की पहले ही मौत हो

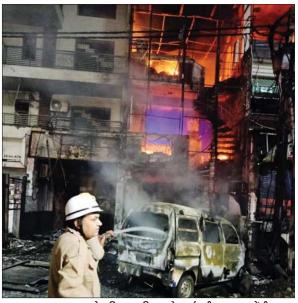
बताया जा रहा है कि ऑक्सीजन सिलिंडर फटने से अस्पताल में आग लगी थी।

बेबी केयर सेंटर में आग लगते ही मौके पर हडकंप मच गया। शोर-शराबे के बीच स्थानीय लोग मदद के लिए भागे। देखते ही देखते आग ने ऊपरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने पलिस और दमकल विभाग के साथ मिलकर इमारत के पीछे की ओर की खिडकियां तोडीं और किसी तरह वहां से नवजात

बच्चों को एक-एक कर निकाला। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने की कोशिश की और एक-एक कर बच्चों को रेस्क्यू करना शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि 12 नवजात बच्चों को इमारत से निकाला गया था। इनमें से छह की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि एक बच्चे को मृत निकाला गया था। पांच का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनमें से एक की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

शनिवार रात करीब 11:32 बजे दिल्ली के शाहदरा इलाके में आईआईटी ब्लॉक बी, विवेक विहार स्थित बेबी केयर सेंटर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। दमकल विभाग के मुताबिक, चाइल्ड केयर सेंटर में बच्चे और स्टाफ मौजूद था।

गैस रिफिलिंग के दौरान सिलिंडर में हुआ ब्लास्ट : जानकारी के मुताबिक, ऑक्सीजन सिलिंडर



घटनास्थल पर आग बुझाते अग्रिशमन विमाग के कर्मचारी

ब्लास्ट हो गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी इमारत में फंसे स्टाफ और नवजात बच्चों को बचान के लिए जुट गए।

रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर देर रात तक सभी का रेस्क्यू कर लिया गया। एक नवजात मृत मिला में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान छह नवजात बच्चों ने दम

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि भूतल समेत तीन मंजिला इमारत परी तरह से आग की लपटों में घिरी हुई थी। इमारत के बाहर खड़ी एक वैन भी पूरी तरह से जल चुकी थी। मौके पर

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके

सक्सेना ने सोशल मीडिया

सचिव से जांच कराने को कहा है। साथ ही पुलिस कमिश्नर को सभी

आवश्यक चीजें सुनिश्चित करने

का निर्देश दिया। शोक संतप्त

परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक

संवेदना। मैं सभी को राहत का

आश्वासन देता हूं और सुनिश्चित

करूंगा कि दोषियों को संजा

प्लेटफॉर्म एक्स

पर लिखा

'दिल्ली में

अस्पताल में

आग लगने की

दुखद घटनाओं

बच्चों के

हाहाकार के बीच दमकल कर्मी तरंत आग बझाने में जट गए। इस मामले में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने स्वास्थ्य सचिव दीपक कुमार और मुख्य बाद से ही डॉ. नवीन फरार है। सचिव नरेश कुमार को निर्देश दिए पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

अपने परिवार का

कुनबा बचाने के लिए

लड़ रही सपाः मोदी

GORAKHPUR : भाजपा के

वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ने रविवार को देवरिया और बांसगांव

सपा पर करारा हमला बोला।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सपा

अपने परिवार का कुनबा बचाने के

लिए चुनाव लड़ रही है। इन्हें केवल

परिवार की ही चिंता है। प्रधानमंत्री ने

कहा कि इंडी जमात वालों ने वोटबैंक

के लिए राम मंदिर को दुकरा दिया।

कहते हैं। इसलिए राम को गाली देने

मिलनी चाहिए। मोदी ने बांसगांव में आयोजिन जनसभा में कहा कि छते

चरण के मतदान ने इंडी गढबंधन के

छक्के छुड़ा दिए हैं, अब सातवें चरण

में इंडी वालों पर पूर्वांचल का प्रहार

होगा और पूर्वीचल का प्रहार जिस पर

हुआ, वो मैदान से बाहर जाकर गिरता हैं। इंडी जमात कह रही है, हम

आएंगे तो जम्मू–कश्मीर में फिर से

भारतीय नागरिकता देने वाले कानन

सीएए को रद्द करेंगे। यही तो भारत

विरोधी ताकतें भी चाहती हैं, फिर इंडी वाले यही क्यों चाहते हैं?

'रेमल' को ले बंगाल सहित कई

370 लगाएंगे, ये शरणार्थियों को

वालों को एक भी सीट पूर्वांचल में नहीं

सपा वाले राम मंदिर को अपवित्र

लोकसभा क्षेत्रों की संयुक्त जनसभा में

हैं। दिल्ली के विवेक विहार पुलिस स्टेशन ने इस मामले में अस्पताल मालिक डॉ. नवीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। घटना के

राहुल का मोदी

सरकार पर हमला,

#### एलजी ने सीएस को दोषियों को बख्शा दिए जांच के आदेश नहीं जाएगाः सीएम

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी नवजात बच्चों की मौत पर दुख जताते हुए पोस्ट की है। उन्होंने

लिखा कि बच्चों के अस्पताल में आग की ये घटना हदयविदारक

है। इस हादसे में जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोया उनके साथ हम सब खड़े हैं। घटनास्थल पर सरकार और प्रशासन के अधिकारी घायलों को इलाज मुहैया करवाने में लगे हुए हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और जो भी इस लापरवाही का जिम्मेदार होगा वो बख्शा नहीं जाएगा।

## लोकसमा चुनाव में पीएम का मिशन यूपी : झोंकी पूरी ताकत, मिर्जापुर में बोले-

## गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं योगी

PHOTON NEWS LUCKNOW : लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में आगामी एक जून को आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 57 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होना है। इसमें 904 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। सातवें चरण में उत्तर प्रदेश की 13, पंजाब की 13, पश्चिम बंगाल की 9, बिहार की 8, ओडिशा की 6, हिमाचल प्रदेश की 4, झारखंड की 3 व चंडीगढ की एक सीट शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी मिशन यूपी के तहत उत्तर प्रदेश में लगातार चुनावी सभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने उत्तर प्रदेश की अलग–अलग लोकसभा सीटों के लिए सभाएं कीं। इस दौरान एक तरफ जहां उन्होंने सपा और कांग्रेस को निशाने पर रखा। वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता और कार्यशैली की जमकर सराहना की। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के दौरान योगी के दिए गए बयान के तर्ज पर प्रधानमंत्री ने मिर्जापूर की सभा में कहा कि योगी अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं।

#### **AGENCY NEW DELHI:**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बरकछा कलां में गठबंधन की मिजापुर और राबर्ट्सगंज सीट पर लोकसभा प्रत्याशियों व दुद्धी सीट पर होने वाले उपचुनाव के प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। कहा कि यपी में योगी की सरकार मोदी के स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ा रही है। सपा सरकार में पहले जनता कांपती थी अब माफिया थर- थर कांपते हैं।

पीएम ने कहा याद करिए सपा का वो जंगल राज, बहन- बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। मां-बाप मजबर होकर बेटियों का स्कूल- कॉलेज छुड़वा देते थे। व्यापारी इसी खौफ में जीते थे कि कब कौन फिरौती मांग ले। कब किसका खेत चला जाए। सरकार की जमीन तक पर माफियाओं ने महल खड़े कर दिए थे। लेकिन जबसे योगी आए हैं, माहौल ही बदल गया, मौसम बदल गया। हमारे योगी तो अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं। अब



माफियाओं की मौज खत्म हुई है। उनके महलों की जगह गरीबों के लिए घर बन रहे हैं।

कहा कि इंडी गठबंधन वालों को देश अच्छी तरह जान गया है। ये लोग घोर सांप्रदायिक, जातिवादी, परिवारवादी हैं। कानून व्यवस्था और समाजवादी का 36 आंकड़ा है। आतंकवादियों को छोड़ देते थे। जो पुलिस अफसर आना कानी करता था उसे सस्पेंड कर देते थे। मिजार्पुर को बदनाम कर दिया था। पूर्वांचल को माफियाओं का सुरक्षित ठिकाना बना दिया था। जीवन हो या जमीन कब छिन जाए कोई नहीं जानता था।

वोट बैंक के लिए इंडी गठबंधन वाले कोई भी हद पार कर सकते हैं

पीएम ने आगे कहा कि अपने वोट बैंक के लिए इंडी गठबंधन वाले कोई भी हद पार कर सकते हैं। उनके निशाने पर देश का संविधान भी है। दलित, पिछड़ों आदिवासी का हक लूटना चाहते हैं। पीएम ने आगे कहा कि इनके इरादे कितने

खतरनाक है इससे जुड़ा नया खुलासा कर रहा हूं। 2012 उत्तरप्रदेश के विधान सभा चनाव के समय जनवरी महीने में सपा ने घोषणा पत्र जारी किया था, उसमें कहा कि जैसे दलितों, पिछडों को आरक्षण मिला है उसी प्रकार मुसलमानों को आरक्षण दिया

आरक्षण देने के लिए सपा ने संविधान बदलने की कही बात सपा ने आरक्षण देने के लिए संविधान तक बदलने की बात कही। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा ने फिर घोषणापत्र जारी किया। इसमें फिर से आरक्षण का ऐलान किया। सपा ने घोषणा की थी कि पुलिस और पीएसी में भी 15 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों को दिया जाएगा। किस तरह एससीएसटी, पिछड़ों का हक छीनने में लगे हैं। ये लोग संविधान बदल देना चाहते हैं। आगे कहा कि मैं भी अति पिछड़े समाज से यहां पहुंचा हूं। इसलिए उनके दर्द को समझता हुं।

## कहा-हिमाचल की हुई अनदेखी



SHIMLA : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। राहुल ने प्रधानमंत्री पर सीधा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले एक दशक में 22 से 25 उद्योगपितयों के 16 लाख करोड रुपये का कर्ज माफ किया है, लेकिन आपदा प्रभावित हिमाचल प्रदेश को कोई आर्थिक मदद नहीं की।

शिमला लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के समर्थन में नाहन में रविवार को आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आपदा ने हिमाचल में भारी तबाही मचाई। 22 हजार परिवार प्रभावित हुए। हमारी कांग्रेस सरकार ने मोदी सरकार से 9 हजार करोड़ रुपये मांगे, लेकिन उन्होंने यह राशि नहीं दी। राहल ने आरोप लगाया कि आपदा के बाद नरेन्द्र मोदी ने पूरा दम लगाकर हिमाचल की सरकार को अस्थिर करने की कोशश की।

#### लोकसभा चुनाव के दौरान दिए एक साक्षात्कार में गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा दावा

## देश में लागू होगी समान नागरिक संहिता, चुनाव एक साथ

#### **AGENCY NEW DELHI:**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार के अगले कार्यकाल में ही देशभर में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। शाह ने कहा कि अगर भाजपा की सत्ता में वापसी होती है तो सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद यूसीसी को लाया जाएगा। एक इंटरव्यू के दौरान अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार का अगला कार्यकाल कई मायनों में अहम होगा क्योंकि इसी दौरान एक देश-एक चुनाव को भी लागु किया जाएगा। शाह ने कहा कि अब समय आ गया है, जब देशभर में एक साथ चुनाव हों।

#### शाह बोले- यूसीसी लागू करना हमारी जिम्मेदारी

शाह ने कहा 'समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है,



जिसे हमारे संविधान निमार्ता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यहां तक कि उस

#### समय भी कानूनी विद्वानों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, आंबेडकर जी ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए।'

शाह ने कहा 'समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है, जिसे हमारे संविधान निमार्ता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है।

यहां तक कि उस समय भी कानूनी विशेषज्ञों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, अंबेडकर जी ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए।'

#### 'एक देश एक चुनाव' भी अगले कार्यकाल से ही लागु करने की तैयारी

एक देश एक चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर अमित शाह ने कहा 'पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद समिति का गढन किया था। मैं भी उसका सदस्य था। यह रिपोर्ट जमा कर दी गई है और अब समय भी आ गया है, जब देश में चुनाव एक साथ कराए जाएं।' उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में ही इसे लागू करने की कोशिश की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा एक साथ चुनाव कराने से चुनाव की लागत भी कुम होगी। इन आम चुनाव में मतदाता भीषण गर्मी से परेशान हैं और इसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ा है। ऐसे में क्या चुनाव गर्मी के बजाय सर्दियों के मौसम में कराए जा सकते हैं? इसके जवाब में शाह ने कहा कि हम इस पर विचार कर सकते हैं। ऐसा हो सकता है। अभी स्कूली छात्रों की छुट्टियां चल रही हैं, जिसके चलते काफी परेशानी होती है।

## 'हमारे एजेंडे में 1950 से ही है'

गृह मंत्री ने कहा कि 'भाजपा ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करके एक प्रयोग किया है क्योंकि यह राज्यों और केंद्र दोनों का विषय है। समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे में साल 1950 से ही है और हाल ही में भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में इसे लागू भी कर दिया गया है।' अमित शाह ने कहा 'मुझे लगता है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार होगा। उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए कानून की भी सामाजिक और कानूनी जांच भी होनी चाहिए और धार्मिक नेताओं से भी सलाह ली जानी चाहिए।' उन्होंने कहा 'मेरा मतलब है कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस होनी

चाहिए और अगर कुछ भी बदलाव की जरूरत महसूस होती है तो उत्तराखंड सरकार को वह बदलाव करना चाहिए। यह मामला कोर्ट में भी जरूर जाएगा और न्यायपालिका भी इस पर अपना विचार देगी। इसके बाद राज्य विधानसभाओं और संसद को भी इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और कानून को लागू करना चाहिए। यही वजह है कि हमने अपने संकल्प पत्र में भी लिखा है कि भाजपा पूरे देश में समान नागिरक संहिता लागू करेगी।' क्या देश में अगले पांच वर्षों में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी? इसके जवाब में अमित शाह ने कहा 'यह अगले कार्यकाल में हो सकता है।

## राज्यों में अलर्ट, हुई समीक्षा बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न हुआ

चक्रवात 'रेमल' साइक्लोन रविवार आधी रात से लैंडफाल कर रहा है। इसे लेकर बंगाल में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। कोलकाता एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। राज्य के तटीय इलाकों में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 12 टीमों को तैनात किया गया है। नौसेना व भारतीय तटरक्षक बल भी अलर्ट पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाईलेवल मीटिंग की है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, चक्रवात इस समय बंगाल की खाड़ी से 270 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व दिशा में है। इसके रविवार आधी रात को बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित सागर द्वीप और बांग्लादेश के खेपूपाड़ा के बीच के तटवर्ती इलाकों से होकर गुजरने का

#### झारखंड में रहेगा चक्रवात का असर

RANCHI: बंगाल की खाडी से उठे गंभीर चक्रवात ह्यरेमलह्न का झारखंड में आज भी आंशिक असर रहेगा। इसकी वजह से राज्य भर में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। राज्य के पूर्वी भाग व निकटवर्ती मध्य भाग विशेषकर कोल्हान व संथाल प्रमंडल क्षेत्र में गर्जन व तेज आंधी ( अधिकतम गति : 40-50 किमी प्रति घंटे) की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा भी संभावित है। राज्य के शेष भाग में गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, राजधानी रांची और निकटवर्ती क्षेत्र में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां गर्जन व तेज (अधिकतम गति : 30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है।

पुवार्नुमान है। इसके प्रभाव से बंगाल के विभिन्न जिलों में अति भारी बारिश की आशंका है।

### **BRIEF NEWS**

नक्सिलयों ने पिता-पुत्र को उतारा मौत के घाट CHATRA: जिले के कुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत घोर नक्सल प्रभावित हिंदियाकला गांव में हथियारबंद नक्सिलयों ने शनिवार की रात घेराबंदी कर पिता-पुत्र को मौत के घाट उतार दिया। इस दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जाता है कि एक माह पूर्व 15 अप्रैल को पिता-पुत्र ने हथियार के साथ एक नक्सली को पुलिस के हवाले किया था। इस प्रतिशोध में नक्सलियों ने घटना को अंजाम दिया है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सचना मिलने पर भारी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर रवाना कर दिया गया है। मृतक पिता-पुत्र विलुप्त प्राय बिरहोर परिवार के बताए जा रहे हैं। इस बाबत एसडीपीओ ने बताया कि पिता-पुत्र के हत्या की सूचना ग्रामीणों से मिली है। पुलिस वारदात

हजारीबाग में फंदे पर झलता मिला छात्र का शव HAZARIBAGH: जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत जेब्रा कालोनी में एक छात्र का शव फंदे से झुलता मिला। छात्र सचिन कुमार (18) गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत केंद्रुआगढ़ा गांव के निवासी प्रकाश वर्मा का बड़ा पुत्र था। वह हजारीबाग में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने मृत छात्र के मोबाइल को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही कमरे को भी निगरानी में ले लिया है। पुलिस ने

की जांच-पड़ताल कर रही है।

#### मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दुमका में बूथ अध्यक्षों के साथ की बैठक

बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने

के बाद ही सचिन की मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

DUMKA : जिले के रानेश्वर प्रखंड के रानेश्वर स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को रानेश्वर मंडल के नौ पंचायत अध्यक्षों एवं 50 बूथ अध्यक्षों की विशेष बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह सांसद बिष्णु दत्त शर्मा उपस्थित थे। बिष्णु दत्त ने बूथ अध्यक्षों को बूथ जीतने की रणनीति बताते हुए कहाँ कि बूथ अध्यक्ष ही संगठन का असली चाणक्य है। उन्हीं की बदौलत संगठन प्रदेश से लेकर केंद्र में सरकार बनाते हैं। उन्होंने हर बथ में 10 प्रतिशत वोट बढाने का निर्देश दिया। शर्मा ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि केंद्र में हम तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। इस बार हम हर हाल में 400 सीटें पार करेंगे। बैठक को जिप सदस्य बिमान सिंह, महामंत्री कार्तिक घोष ने सम्बोधित किया। बैठक में कार्यकर्ता नब घोष, प्रदीप पातर, मनोज मंडल, बाब पत्रा, बच्चन बागति, सिबधन बागति, सुमन घोष,

#### समिन घोष आदि मौजूद थे। शादी का झांसा देकर युवती का किया यौन शोषण, प्राथमिकी दर्ज

RAMGARH: रामगढ़ महिला थाना के बाहर जिस 18 वर्षीय युवती ने खुदकुशी करने की कोशिश की थी उसकी वजह उसका प्रेमी था। उसका प्रेमी गुलाबी महतो कारीमारो कुजू का रहने वाला है। उसने उस युवती के साथ शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया था। एक साल तक संबंध रखने के बाद अचानक उसने अपनी प्रेमिका को धोखा दिया और कह दिया कि वह उससे शादी नहीं कर सकता है। अपने प्रेमी के द्वारा दिए गए धोखे को युवती बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने सल्फास खाकर अपनी जान देने की कोशिश की। इस मामले में रामगढ़ महिला थाना में गुलाबी महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

सरना धर्म का मूल उद्देश्य मानव कल्याण : मधु बारला KHUNTI : तोरपा के खजूरदाग मनमनी गांव में रविवार को सरना धर्म सोतोः समिति का 11वां शाखा स्थापना दिवस सह सरना धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में केंदुआ मुंडा, जयपाल मुंडा एवं टेपइ कच्छप की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिङ्बोंगा की पूजा कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर धर्मगुरु मधु बारला मुंडा ने कहा कि सिङबोंगा की स्तुति से हमारी आत्मा में भक्ति व श्रद्धा बढ़ती है, साथ ही समाज में प्रेम व भाईचारा की भावना पनपती है। इससे लोभ, लालच व अहंकार जैसी बुराइयां दूर होती हैं और जीवन में सुख, शांति और खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि भगवान के सामने सब बराबर हैं. जिससे सबको समान कृपा मिलती है। इसके लिए हमें सदा धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए। मानव कल्याण सरना धर्म का मुल उद्देश्य है।

## गिरिडीह के उसरी फॉल में डूब कर दो छात्रों की चली गई जान

नहाते समय दोनों चले गए थे गहरे पानी में और फिर नहीं आ सके बाहर ट्रक ने स्कूटी सवार को कुचला, मौके पर ही मौत



गिरिडीह में गंगापुर स्थित उसरी फॉल। • फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS GIRIDIH:** जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगापुर स्थित उसरी फॉल में नहाने के दौरान रविवार को देवघर के दो यवकों की डबने से मौत हो गई। मतकों की पहचान पवन कुमार और दीपक कुमार के रूप में की गई है।

घटना के बारे में बताया गया कि पवन और दीपक दोनों नहाने के लिए फॉल में उतरे थे। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए

और बाहर नहीं आ सके। इसके बाद मौके पर मौजूद अन्य युवकों ने हंगामा किया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पाकर मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों व गोताखोरों की मदद से दोनों यवकों को झरने से बाहर निकाला और सदर अस्पताल

### PHOTON NEWS PALAMU:

मेदिनीनगर शहर के अतिव्यस्तम इलाकों में से एक डीसी बंगला के सामने कचहरी शहीद चौक पर एक ट्रक (सीजी 30 ई 2735) ने पीछे से एक स्कूटी (जे एच 03 एम 4442) सवार को कुचल दिया। इस घटना में स्कृटी सवार की मौत हो गई। घटना के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए जाम भी लगा, लेकिन बाद में पुलिस द्वारा डेड बॉडी उठा लेने पर यातायात समान्य में हो गया। मृतक की पहचान रेडमा के छेछानी टोला निवासी मिथिलेश तिवारी (70) के रूप में हुई है। मिथिलेश तिवारी झामुमो नेता दीपक तिवारी के रिश्तेदार थे। एमआरएमसीएच में पोस्टमार्टम करा कर डेड बॉडी परिजनों को सौंप दिया गया है।



घटनास्थल पर जुटे लोग। • फोटोन न्यूज

सुबह करीब सात बजे मिथिलेश तिवारी अपनी स्कृटी से रेडमा ओवरब्रिज से नीचे उतरे थे और डीसी बंगला के सामने कचहरी-शहीद चौक से होकर निकल रहे थे कि पीछे से आ रहे एक टक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सिर के हिस्से में ट्रक का चक्का चढ़ गया। इससे मौके पर ही मिथलेश तिवारी की मौत हो गई। शुरूआत में उनकी पहचान नहीं हुई थी, लेकिन बाद में रेडमा के कुछ लोगों

के मौके पर पहुंचने पर शव की पहचान की गई।

सूचना मिलने पर पूर्व डिप्टी मेयर मंगल सिंह, झाममो नेता दीपक तिवारी, शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार, ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद समेत अन्य मौके पर पहुंचे। घटना पर दुख व्यक्त किया। पुलिस ने मौके से डेड बॉडी को कब्जे में लिया और फिर पोस्टमार्टम

## लोस का चुनाव भाजपा बनाम त्रस्त जनता : कल्पना सोरेन



लोगों को संबोधित करतीं कल्पना सोरेन। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GODDA: झाममो नेता कल्पना सोरेन ने कहा कि लोकसभा चनाव एनडीए बनाम आईएनडीआईए नहीं,

बल्कि भाजपा बनाम त्रस्त जनता है। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने पिछड़ों के लिए 27 प्रतिशत के आरक्षण को विधानसभा से पारित कराया लेकिन यह राजभवन में जाकर रूक जाता है। क्योंकि, बीजेपी वाले इसे झारखंड में लागू नहीं करना चाहते।

कल्पना रविवार को गोड्डा से कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप यादव के पक्ष में आयोजित जनसभा में बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने इस क्षेत्र में 15 साल एक व्यक्ति को दिया है। अब समय आ गया है कि आपके लिए हमेशा आवाज उठाने वाले को चुनें।

विधानसभा में गुंजती है। अब इनकी आवाज आप लोगों के आशीर्वाद से संसद में गंजेगी।

कल्पना ने कहा कि हिंदुस्तान में इंडी गठबंधन की लहर चल रही है। आपका वोट ही हेमंत सोरेन को जेल से निकलेगी। चार जुन के बाद जब इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी तब हेमंत दादा आपके साथ होंगे। झारखंड में तीन चरण का चुनाव हो चुका है। इसमें जनता ने हमें आश्वस्त कर दिया है कि इंडी गठबंधन के सारे प्रत्याशी जीत रहे हैं। एक जन को तीन लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव होना है। वहां भी गठबंधन के प्रत्याशियों को मजबूत कराना है। इंडी गठबंधन को दिल्ली पहुंचने से कोई ताकत नहीं रोक सकती है। साथ ही कहा कि दिल्ली का तख्त

## 'इंडिया' गृटबंधन का खेल बिगाड़ सकते हैं लोबिन हेम्ब्रम, भाजपा को लाभ संभव

पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत

राजमहल लोस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले से दिलचस्प हुई लड़ाई

PHOTON NEWS DUMKA:

राजमहल लोकसभा सीट पर 2024 का चुनाव बड़ा ही दिलचस्प होने वाला है। क्षेत्रीय पार्टी से लेकर केंद्र की पार्टी के नेताओं की नजर राजमहल सीट पर टिकी हुई है। यहां शुरू से ही झामुमो और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर रही है लेकिन इस बार निर्दलीय प्रत्याशी लोबिन हेम्ब्रम ने पेंच फंसा दिया है। वे इंडी गठबंधन को मात देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लिहाजा, इस बार भाजपा के लिए कमल खिलाने का एक सुनहरा है। इस सीट पर एक जन को मतदान होगा। लोबिन हेम्ब्रम चुनावी मैदान में यह साफ कहते आ रहे हैं कि वह इंडी के प्रत्याशी विजय कुमार हांसदा को मात देंगे। प्रत्येक चुनावी सभा में झामुमो के प्रति आक्रोश भी देखा जा रहा है। लोबिन के चुनाव प्रचार में उनके पीछे चलने



ताला मरांडी (भाजपा) लोबिन हेम्ब्रम (निर्दलीय) वाला हुजूम किसी पार्टी के भीड़ से

कम नहीं रहा है। ऐसे में कहा जा रहा है कि चुनावी मैदान में लोबिन हेम्ब्रम इंडी के प्रत्याशी को प्रभावित जरूर करेंगे और इसका डर भी इंडी गठबंधन को सता रहा है।

चर्चा यह भी है कि लोबिन हेम्ब्रम के चुनावी मैदान में उतरने से भाजपा को जीत का सुनहरा अवसर मिल गया है। इस बार यदि भाजपा राजमहल सीट निकाल नहीं पाती है तो शायद ही ऐसा कोई चुनाव होगा जिसमें भाजपा का कमल खिल

विजय हांसदा (झामुमो) लोग मोदी को देखकर मतदान करेंगे। उनके क्षेत्र के प्रत्याशी ताला मरांडी महज एक चेहरा है। राजमहल लोकसभा क्षेत्र पूरे साहेबगंज, पाकुड़ जबिक दुमका और गोड्डा जिले के एक-एक प्रखंड को कवर करता है। यह क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। इस लोकसभा सीट के अन्तर्गत छह विधानसभा सीटें (राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाडा, पाकड महेशपर) आते हैं। इसमें बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा और महेशपुर अनुसूचित

## झारखंड में सब दो नंबरी, मैं बहू नंबर वन : सीता

### हर जनसभा में दुमका की भाजपा प्रत्याशी के निशाने पर देवर-देवरानी

PHOTON NEWS JAMTARA: झारखंड में जेल भरो आंदोलन

चल रहा है। यहां की दो नंबरी भ्रष्टाचारी होटवार जेल से सत्ता चला रहे हैं। अब अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को चुनाव में उतारकर सीएम की कुर्सी हथियाना चाहते हैं। यह दो नंबरी सरकार और दो नंबरी बहु नहीं चलेगी, मैं हूं दिसोम गुरु शिबू सोरेन के बड़े बेटे दुर्गा सोरेन की पत्नी और उनकी असली वारिस, बहू नंबर। अब तक प्रदेश की जनता इन दो नंबरी बेटों, दो नंबरी काम करने वालों और दो नंबरी बहु को देख रही है, अब बह नंबर वन की बारी है। मुझे अपने क्षेत्र की जनता पर विश्वास है और यहां की जनता ही इंसाफ करेगी। बताइए आप लोगों को दो नंबरी लोग पसंद हैं कि बह नंबर वन। अब दो नंबर वालों से



लोगों से रूबरू होतीं भाजपा नेत्री सीता सोरेन। • फोटोन न्यज

जामताड़ा के यज्ञ मैदान में यह जनसभा एनडीए के आजस गठबंधन की थी और सभा को संबोधित कर रही भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन के निशाने पर थे उनके अपने ही दोनों देवर-देवरानी। दुमका के चुनावी रण की तारीखें ज्यों-ज्यों नजदीक आ रही है,

पक्ष-विपक्ष के नेताओं के बीच की जुबानी जंग भी तेज होती जा रही है। सोरेन परिवार से भाजपा में शामिल होकर दमका से भाजपा की प्रत्याशी बनी सीता सोरेन की हर सभा में उनके निशाने पर दोनों देवर और देवरानी हैं।

सौदागर बन गए हैं जल, जंगल, जमीन की बात करने वाले सीता सोरेन ने कहा कि आज जल, जंगल

और जमीन की बात करने वाले वास्तव में सौदागर बन गए हैं। ऐसा लगता है कि चुनावी रण की अग्नि परीक्षा देने उतरीं सीता के शब्द अग्नि बाण से अपने पुराने रिश्तों की डोर जला देने पर आतुर थे। कहा आज भ्रष्टाचार कर आज हेमंत बाबू जेल में हैं तो पत्नी को गांडेय से उपचुनाव में उतार दिया। वह भी अपनी जीती हुई सीट पर। लगता है, चम्पाई सोरेन पर भी कुछ दिनों का ही भरोसा रह गया है।

अपनी बीबी को चुनाव जिताकर सीएम की कर्सी हथियाना चाहते हैं। जन सभाओं में रोकर और विलाप करने से इस झारखंड का कलंक नहीं मिटने वाला। कहती है सिर झुकेगा नहीं, इन्होंने तो पूरे देश में झारखंड के साढे तीन अब खद ही जेल में हैं तो करोड लोगों का सिर झका दिया।

# चार बाइक लेकर फरार हो गए चोर

**PHOTON NEWS KHUNTI:** 

चोरों के एक गिरोह ने खंटी थाना से महज कुछ ही दूरी पर शनिवार रात खूंटी मेन रोड की चार दुकानों में सेंधमारी कर क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। चोर साहू तालाब के सामने स्थित ए टू जेड नामक पुराने बाइक शोरूम का शटर उखाड़.कर शोरूम से चार महंगे केटीएम बाइक चरा ले गए। साथ ही नेताजी चौक स्थित अनप स्वीटस से नगद लगभग सात हजार रुपये सहित कोल्ड ड्रिंक्स की कुछ बोतलें भी अपने साथ लेते गए। चोरों ने अनूप स्वीट्स हाउस के बगल में स्थित शहर की सबसे प्रमुख ज्वेलरी दुकान कस्तूरी



ज्वैलर्स और उससे सटे जतन ज्वेलर्स नामक दुकानों में भी सेंधमारी कर चोरी का प्रयास किया, लेकिन इसमें वे सफल नहीं हुए।

शनिवार देर रात हुई इन

बाइक दुकान का टूटा शटर। 🛭 फोटोन वे दुकान खोलने आए थे। बाद में इसकी सूचना खूंटी थाना की

ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल में जुट गई। घटनाओं की जानकारी रविवार जानकारी के अनुसार सबसे पहले चोरों ने ए टू जेड नामक सुबह दुकानदारों को तब हुई, जब

भागने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गई बाइक बताया गया कि बाइक चोरी कर भागने के दौरान एक बाइक कर्रा रोड में रेवा गांव के समीप सड़क किनारे लगे पीलर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना की तेज

आवाज सुनकर आसपास के लोगों की नींद खुल गई और जब लोग घरों से बाहर आने लगे, तो दुर्घटनाग्रस्त बाइक को वहीं छोडकर चोर से फरार हो गए। चोरों द्वारा मौके पर छोड़े गए उक्त बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है। बताया गया कि तड़के लगभग तीन बजे हुई इस दुर्घटना में बाइक चला रहा एक चोर गंभीर रूप से घायल भी हुआ है, जिसे उसके साथी अपने साथ बाइक में बैठाकर किसी अस्पताल में ले गए।

पुराने बाइक शोरूम में चोरी की घटना को अंजाम दिया। यहां पर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते चोर शोरूम के शटर को उखाड़. कर शोरूम में प्रवेश किए और शोरूम में बिक्री के लिए रखी चार महंगी केटीएम बाइक को निकाल

#### अवैध माइका खदान में वन विभाग की छापेमारी

GIRIDIH : अवैध माइका खनन के खिलाफ वन विभाग की टीम ने शनिवार को गांवा वन प्रक्षेत्र में छापेमारी कर 45 पीस जिलेटिन, 01 डेटोनेटर समेत कई सामग्री बरामद की है। हालांकि, इस कार्य में संलिप्त सभी लोग भागने में सफल रहे। बताया गया कि जिले के गावां वन विभाग के रेंजर अनील कुमार को गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग अवैध रूप से माईका का उत्खनन कर रहे हैं। इसके बाद एक स्पेशल टीम बनाकर धरवे जंगल में छापेमारी अभियान चलाया गया। जैसे ही वन विभाग की टीम जंगल के पहाड़ी पर पहुंची अवैध उत्खनन करने वाले भाग निकले। खनन स्थल से छापेमारी करने गये कर्मियों और पदाधिकारियों ने 45 पीस जिलेटिन, 01 डेटोनेटर, 04 क्विंटल माईका, 03 पीस हथौड़ी, सपटा पाईप, 120 फीट सबल के अलावा बिजली का तार व त्रिपाल आदि बरामद किया।

### कोयला कारोबारी की हत्या करने पहुचे अमन साहू गिरोह के चार बदमाशों को पुलिस ने किया अरेस्ट



गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देते पुलिस अधिकारी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS BOKARO: छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोयला कारोबारी की हत्या करने पहुंचे लॉरेंस बिश्नोई और अमन साह गैंग के चार शूटर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। गिरफ्तार आरोपितों में झारखंड के बोकारो जिले के चास थाना क्षेत्र निवासी रोहित स्वर्णकार, राजस्थान के पाली जिला के सियारी थाना क्षेत्र के सारन निवासी मुकेश कुमार, देवेन्द्र सिंह और पप्पू सिंह उर्फ पप्पू का नाम

बोकारो पुलिस के अनुसार छत्तीसगढ़ के अलावा झारखण्ड में भी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना थी। गिरफ्तार शूटर किसी कारोबारी को जान से मारने की सुपारी मिली थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि योजना के मृताबिक अमन साहू गैंग को संचालित करने वाले मयंक सिंह ने बोकारो निवासी रोहित स्वर्णकार को इंदौर के सेंधवा से गैंग से जुड़े लोगों के माध्यम से एक पिस्टल और एक मैग्जीन उपलब्ध कराया।

मयंक सिंह ने पप्पू सिंह को वारदात को अंजाम देने के लिये एक बाइक राइडर की व्यवस्था करने के लिए कहा। इसके बाद मुकेश कुमार भाट और देवेन्द्र सिंह को वारदात के वक्त बाइक राइड़िंग के लिये रायपुर रवाना किया गया। रोहित स्वर्णकार इंदौर के सेंधवा से पिस्टल लेकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर ट्रेन के माध्यम से रायपुर पहुंचा। मुकेश

और देवेन्द्र बस के माध्यम से रायपर पहुंचे। रायपुर पुलिस के जवान इन्हें चिह्नित करने के लिए सादे लिबास में शहर के संभावित स्थलों पर तैनात किये गये। करीब 72 घंटे के गोपनीय ऑपरेशन में रोहित स्वर्णकार को एक पिस्टल और एक मैगजीन के साथ पकड़ा गया। इसकी निशानदेही पर अन्य आरोपित को पकड़ा गया।

आरोपितों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि पूरी योजना को मयंक सिंह के कहने पर पप्पू सिंह के साथ मिलकर बनायी गई थी। शूटर और राईडर को एक-दूसरे से अपनी पहचान छिपाने तथा किसी तकनीकी संपर्क में न रहने और अपने-अपने माध्यमों से एप के माध्यम से नेट कॉलिंग से ही संपर्क में रहने की हिदायत थी। पुलिस से बचने के लिये मयंक ने रोहित को 29-29 कोड यूज करने और पप्पू ने मुकेश को राम-राम और जय माता दी कोड यूज करने निर्देशित किया गया था। टॉरगेट रायपुर पहुंचने पर ही उपर से बताया जाता। वर्तमान में अमन साहू के गैंग को मयंक सिंह मलेशिया में बैठकर ऑपरेट कर रहा है। पकड़े गये शुटर्स अमन साह और लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर टार्गेट को अंजाम देते थे। रोहित स्वर्णकार पर बोकारो के चास और पेटरवार थाना में तीन मामले दर्ज है। मुकेश कुमार, पप्पू सिंह और देवेन्द्र सिंह के भी आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी पुलिस को मिली है।

### तोरपा रेफरल अस्पताल का हाल बेहाल, मरीज परेशान, सिविल सर्जन ने मरीजों का किया इलाज

## अस्पताल में पहुंचे मरीज, मगर डॉक्टर नदारद

**PHOTON NEWS KHUNTI:** 

वैसे तो ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विभिन्न सरकारी अस्पतालों में पदस्थापित डॉक्टर ही सरकार की योजना को पलीता लगाने में लग गए हैं। इसका खिमयाजा गांव के गरीब लोगों को भुगतना पडता है।

सरकारी डॉक्टरों की लापरवाही की बानगी रविवार को तोरपा के रेफरल अस्पताल में देखने को मिली, जहां अस्पताल के सभी डॉक्टर नदारद थे। बता दें कि इस अस्पताल में चार महिला डॉक्टर सहित कुल दस चिकित्सक पदास्थापित हैं, लेकिन समय पर एक भी डॉक्टर का



मरीज का इलाज करते सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी। • फोटोन न्यूज

नहीं होता। रविवार को सुबह लगभग दस बजे निचुतपुर गांव निवासी सुनील टोपनो नामक एक मरीज अस्पताल में पहुंचा। गड्डे में गिर जाने से उसका एक पैर

टूट गया था। उसके स्वजन उसे लेकर रेफरल अस्पताल तोरपा पहुंचे, पर वहां कोई डॉक्टर नहीं था। कुछ ही देर में तीन-चार रोगी और अस्पताल पहुंचे और डॉक्टर

### सिविल सर्जन ने जारी किया शोकॉज पांच चिकित्सकों का काटा वेतन

इमरजेंसी ड्यूटी से गायब रहने वाले रेफरल अस्पाल के पांच चिकित्सकों का वेतन सिविल सर्जन ने काट दिया। अनुपस्थित पाए गए जिन चिकित्सकों का वेतन काटा गया है, उनमें डॉ दीप्ति नूतन टोपनो, डॉ चयन सिन्हा, डॉ अपूर्वा घोष और डॉ अंकिता और डॉ अभय मर्रोंडी शामिल हैं। इन सभी चिकित्सकीं को सिविल सर्जन ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सिविल सर्जन डॉ. मांझी ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि इमरजेंसी में हर दिन कम से कम दो डॉक्टरों की ड्यूटी लगायें, ताकि मरीजों को कोई परेशानी न हो। सिविल सर्जन डॉ. मांझी ने कहा कि कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

का इंतजार करते रहे। बताया जाता है कि शनिवार

की रात डॉक्टर अनिकेत की ड्यूटी थी। सुबह दस बजे से पहले ही डॉ अनिकेत रांची निकल गए। सुबह से डॉ दीप्ति नूतन टोपनो की ड्यूटी थी, लेकिन

डॉ दीप्ति अस्पताल आईं ही नहीं। बाद में इसकी सूचना खुंटी के सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी को दी गई। जानकारी मिलते ही सिविल सर्जन रेफरल अस्पताल पहुंचे और मरीजों का इलाज

**O** BRIEF NEWS मारासिली पहाड़ पर सर्पदंश से लाल गिरी बाबा की मौत



RANCHI: शहर के नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत मारासिली पहाड़ पर रहने वाले लाल गिरी बाबा की सांप के काटने से मौत हो गई। घटना रविवार सुबह की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पलामू जिले के रहने वाले लाल गिरी बाबा नामकुम स्थित मारासिली पहाड़ी पर 15 वर्षों से अधिक समय से रहते थे। उनके प्रयास से पहाडी पर शिव मंदिर और हनुमान मंदिर का भव्य निर्माण भी कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक आज सुबह सूचना मिली कि बाबा को किसी जहरीले कोबरा ने काट लिया है। ग्रामीण पहाड़ की ओर भागे तो देखा कि बाबा खुद पहाडी से नीचे उतरने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उतरते समय वह बेहोश हो गए। उन्हें काटने वाला कोबरा भी वहीं मौजद था। स्थानीय ग्रामीणों ने उसे पकड़कर कैद कर लिया। बेहोशी की हालत में बाबा को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने बताया कि सांप के काटने से लाल गिरी बाबा की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल जांच-

#### पड़ताल की जा रही है। हावडा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस का 10 जून से बदल जाएगा समय

RANCHI: रेलवे ने यात्रियों की सविधा के लिए ट्रेन संख्या 20897 हावड़ा-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की समय सारणी में परिवर्तन किया है। 10 जून से यह ट्रेन बदले हुए टाइम टेबल से चलेगी, जिसके लिए रेलवे ने शेड्यूल भी जारी कर दिया है। शेड्यूल के अनुसार हावड़ा प्रस्थान 14:35 बजे, खड़गपुर आगमन 16:08 बजे प्रस्थान 16:10 बजे, टाटानगर आगमन 17:45 बजे प्रस्थान 17:50 बजे, चांडिल आगमन 18:40 बजे प्रस्थान 18:41 बजे, पुरुलिया आगमन 19:23 बजे प्रस्थान 19:25 बजे, कोटशिला आगमन 20:04 बजे प्रस्थान 20:05 बजे, मूरी आगमन 20:25 बजे प्रस्थान 20:27 बजे एवं रांची आगमन 22:00 बजे होगा।

#### बरियातू स्थित वी मार्ट में तैनात गार्ड की मौत मुआवजे की मांग

RANCHI: सदर थाना क्षेत्र के बडगाई के श्यामा रेसीडेंसी स्थित वी मार्ट में तैनात गार्ड की रविवार को मौत हो गई। इसके बाद मृतक के परिजन मुआवजे की मांग कर रहे हैं। दरअसल, शनिवार को ड्यूटी में तैनात गार्ड की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रिम्स में इलाज के दौरान गार्ड की मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों

#### से बात कर रही हैं। कैंसर से जूझ रहे पत्रकार को अमेरिका में मिलेगा

अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार RANCHI: फेफड़े के कैंसर के क्षेत्र में काम करने वाली दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी) ने वरिष्ठ पत्रकार और लंग कैंसर के अंतिम स्टेज के मरीज रवि प्रकाश को इस साल के पेशेंट एडवोकेट एजुकेशनल अवार्ड के लिए चुना है। मूल रूप से बिहार के मोतिहारी पूर्वी चंपारण के रहने वाले रवि अभी रांची में अशोकनगर में किराए के मकान में रहते हैं। वे वर्ष 2007 से रांची में पत्रकारिता कर रहे हैं। रवि प्रकाश को यह पुरस्कार सितंबर में अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन डिएगो शहर में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन लंग कैंसर (डब्लूसीएलसी) के दौरान सात सितंबर को दिया जाएगा। यह पुरस्कार लंग कैंसर के क्षेत्र में मरीजों के मुद्दों को उठाने वाले शख्स को हर साल दिया जाता है।

## बच्चों के लिए 'खेलो झारखंड' को मिला और व्यापक फलक

## 32 खेल स्पर्धाओं और बैंड प्रतियोगिताओं को किया गया शामिल

**PHOTON NEWS RANCHI:** स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और राज्य शिक्षा परियोजना के तत्वावाधान में इस वर्ष खेलो झारखंड प्रतियोगिता में अंडर 11-14-17-19 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं को विभिन्न खेल स्पर्धाओं में शामिल होने का मौका मिलेगा। सभी सरकारी विद्यालयों (मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, आदर्श विद्यालय, नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय, एकलव्य आवासीय विद्यालय सहित) तथा सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थी इन प्रतियोगिताओं में

राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि 20 जन से विद्यालय स्तर पर



## इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता

खेलो झारखंड २०२४–२५ के तहत इस वर्ष राज्यस्तरीय बैंड प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें कक्षा 8-१२ तक के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। प्रत्येक बैंड दल में न्यूनतम 25 और अधिकतम 33 सदस्य भाग लें सकेंगे। बैंड प्रतियोगिता का आयोजन जिला एवं राज्यस्तर पर होगा। इस वर्ष जिलों के बीच इंटर डिस्ट्रिक्ट

शुरू हो जाएगा। विद्यालय स्तर पर विजयी खिलाडियों को प्रखंड. जिला फिर राज्यस्तर पर खेल इस वर्ष खेलो झारखंड २०२४–२५ की वशु, पांच से आठ अक्टूबर तक वॉलीबॉल, शुरू होंगी। यह प्रतियोगिताएं पांच नवंबर तक फुटबॉल, 10 से 13 सितंबर तक खो-खो, 19 से 21 सितंबर तक क्रिकेट और रेसलिंग, 24 से 27 सितंबर तक कबड्डी, 30 सितंबर से दो अक्टूबर तक हॉकी और

प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस वर्ष 11 आयु वर्ग तक के बच्चो के लिए स्केटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए जिला और राज्यस्तर पर बैंड प्रतियोगिता का आयोजन भी

खेलो झारखंड 2024-25 अंतर्गत अंडर 14-17-19 आयु वर्ग तक के विद्यार्थियों के लिए एथलेटिक्स, आर्चरी, फुटबॉल,

15 से 16 अक्टूबर तक आर्चरी, योगा और चेस, २४ से २७ अक्टूबर तक एथलेटिक्स, चार और पांच नवंबर को राज्यस्तरीय बैंड प्रतियोगिता होगी। 18 और 19 अक्टूबर को ताइक्वांडो, जुडो, बैडमिंटन, साइकिलिंग, बास्केटबॉल, टेबलटेनिस, 20 अक्टूबर को गटका, हैंडबॉल,

हॉकी, योगासन, चेस, कराटे, ताइक्वांडो, जुडो, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, मलखम्ब, जिमनास्टिक्स, हैंडबॉल, स्विमिंग, बास्केटबॉल, शूटिंग, स्केटिंग, स्क्वाश, टेबल टेनिस, टेनिस, फेंसिंग, (बालिका) प्रतियोगिता का आयोजन होगा। अंडर 17-19 बालक, बालिका वर्ग के विद्यार्थियों के लिए क्रिकेट, रेसलिंग, वुशु, गटका, वेटलिफ्टिंग

### झारखंड में आज भी रहेगा

उठे गंभीर चक्रवात ह्यरेमलह्न का झारखंड में आज भी आंशिक असर रहेगा। इसकी वजह से राज्य भर में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। राज्य के पूर्वी भाग व निकटवर्ती मध्य भाग विशेषकर कोल्हान व संथाल प्रमंडल क्षेत्र में गर्जन व तेज आंधी (अधिकतम गति : 40-50 किमी प्रति घंटे) की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा भी संभावित है। राज्य के शेष भाग में गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। निकटवर्ती क्षेत्र में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां गर्जन व तेज हवा (अधिकतम गति: 30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ हल्के दर्जे की वर्षा होने की

#### वेटलिफ्टिंग, स्केटिंग, स्क्वाश, फेंसिंग, स्पीक टकराव प्रतियोगिता होगी। २० और 21 अक्टूबर को कराटे, 21 अक्टूबर को बॉक्सिंग, टेनिस, नेटबॉल, मलखम्ब, जिमनास्टिक्स, शूटिंग, स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इन प्रतियोगिताओ में 47,508 खिलाड़ी

आयु वर्ग 14-17-19 के प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं के आय प्रमाण पत्रों की विस्तृत जांच की जायेगी। इसमें त्रटि पाए जाने पर संबंधित विद्यालय प्रधानाध्यापक एवं शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। की अभिभावक की सहमति को आधार बनाकर अग्रेतर कार्रवाई

# दो सितंबर से शुरू होंगी राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं

शिवम कुमार हजाम उर्फ शिवा, दीपक मुण्डा उर्फ जगरू और शनिचरवा मुण्डा उर्फ चारो शामिल हैं। पुलिस को इनके पास से अफीम और नकदी बरामद हुआ है। रांची पुलिस ने रविवार को बताया कि एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को जानकारी मिली थी कि नामकम थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जामचुंआ के पास कुछ लोग अफीम की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जरेया रोड के किनारे दो व्यक्तियों को काले रंग की सीबी जेड बाइक के साथ

## अफीम के गैराकानूनी धंधे में लिप्त तीन आरोपी धराए



गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देती पुलिस। • फोटोन न्यूज

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

पुलिस ने अफीम कारोबार में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में

मुण्डा के पास से 100 ग्राम अफीम, 35 हजार रुपये एवं मोबाईल बरामद हुआ। साथ ही दीपक मुण्डा के पास से 100 ग्राम अफीम और 55 हजार रुपये बरामद हुआ। आरोपितों ने पुलिस को बताया कि ग्राम जरेया के अरुण कुमार हजाम एवं शिव कुमार हजाम को उन्होंने 500 ग्राम अफीम बेचा है, जिसके एवज में उसने 90 हजार रुपये दिए। पलिस ने जब अरुण कुमार हजाम एवं शिवम कुमार हजाम के घर पर छापेमारी की तो एक व्यक्ति जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा लेकिन दसरा व्यक्ति शिवम कमार हजाम उर्फ शिवा को पकड़ लिया गया। शिवम कुमार के घर की तलाशी लेने पर 500 ग्राम अफीम, वजन करने वाला एक डिजिटल मशीन और एक

## सीसीएल कोयला खदान में मजदूरों से मारपीट, काम बंद करने की धँमकी

**PHOTON NEWS RANCHI:** 

रांची के खलारी में स्थित सीसीएल एनके एरिया की विश्व संपोषित केडीएच परियोजना के कोयला खदान में काम कर रहे मजदूरों के साथ ग्रामीणों ने शनिवार रात जमकर मारपीट की है। घटना में चार कर्मचारी घायल हुए हैं, जिन्हें डकरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने मजदूरों से कहा है कि वे काम बंद कर दें।

कोयला खदान के घायल कर्मियों ने बताया कि हमला करने वालों की संख्या 10 के आसपास थी। वे सभी लोग जामुनदोहर बस्ती के रहने वाले हैं। उन्हीं लोगों ने उनके साथ मारपीट की। ग्रामीणों ने खदान में



अस्पताल में इलाजरत घायल मजदूर। 🛭 फोटोन न्यूज वे काम बंद कर दें। यदि काम

बंद नहीं किया तो उसका परिणाम उन्हें भुगतना होगा। सीसीएल प्रबंधन के पीओ

अनील कमार सिंह ने रविवार को बताया कि पलिस से बात करके दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने

कहा कि हमलोग मारपीट करने वालों की पहचान करने में लगे अभियुक्त बनाया जा सके। श्रमिक संगठन के लोगों ने घटना के विरोध में रात से ही पूरे परियोजना का काम बंद करा

## बर्ड फ्लू से निपटने के लिए रिम्स ने की तैयारी, एंटीवायरल दवाएं रखी तैयार

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की राजधानी में पृष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। इससे निपटने के लिए रिम्स ने तैयारी कर ली है। हॉस्पिटल में सभी निवारक उपायों के अलावा पर्याप्त संख्या में एंटीवायरल दवाएं भी तैयार रखी गई है। इस संबंधमें रिम्स निदेशक प्रो.

डॉ. राजकुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अपनी ओर से तैयारी रखें। एवियन इन्फ्लूएंजा के किसी भी संदिग्ध मामले को कंट्रोल करने के लिए आइसोलेशन वार्ड, बिस्तर चिह्नित किए गए हैं। साथ ही माइक्रोबायोलॉजी विभाग में जांच की समुचित व्यवस्था की गई है। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ.



पहले होटवार और फिर मरोहाबादी इलाके में बर्ड फ्ल की

करने के निर्देश दिए हैं, जिससे

किसी भी आपात स्थिति से निपटा

उड़ा दी है। डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने तत्काल रामकृष्ण मिशन आश्रम में सभी मुर्गियों और अंडों को नष्ट करने का आदेश दिया है। एक महीने के अंदर दो इलाकों में बर्ड फ्ल की पष्टि से लोग भी डरे हुए है। इस वजह से कहीं भी बर्ड फ्ल के केस मिलने पर स्वास्थ्य

## के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

**PHOTON NEWS RANCHI:** भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण

प्रभाकर ने चुनाव आयोग से विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने झामुमो के प्रचार में स्पीकर के शामिल होने को आचार संहिता का उल्लंघन बताया है। प्रभाकर ने रविवार को कहा कि नाला में शनिवार को इंडिया गठबंधन की चुनावी सभा हुई थी, जिसमें स्पीकर रवींद्र नाथ महतो भी शामिल हुए थे। उन्होंने इस सभा में दुमका से झामुमो उम्मीदवार नलिन सोरेन के पक्ष में समर्थन मांगा था। प्रवीण प्रभाकर ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताया। साथ ही प्रभाकर ने कहा कि स्पीकर ह्यजेल का ताला टूटेगा, हेमंत



प्रवीण प्रभाकर की फाइल फोटो।

सोरेन छुटेगाह्न जैसा भाषण चुनावी सभा में दे रहे। स्पीकर सिर्फ अपना चुनाव प्रचार कर सकते हैं लेकिन स्पीकर खुलेआम मयार्दा की सीमा लांघ रहे। झामुमो प्रत्याशी के लिए जनसंपर्क, सभाएं कर रहे और सोशल मीडिया में भी पोस्ट कर रहे हैं।

## भाजपा ने चुनाव आयोग से स्पीकर 10वीं-12वीं में फेल छात्रों की क्लास में 75 झारखंड में छटे चरण में 65.40 फीसद उपस्थिति की तैयार होगी रिपोर्ट

**PHOTON NEWS RANCHI:** प्रावधानों के मताबिक 10वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की अपने स्कूल में 75 प्रतिशत उपस्थिति जरूरी है। अब झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की नजर उन स्टूडेंट्स पर है जो 10वीं-12वीं की परीक्षा में हाल के दिनों में जारी रिजल्ट में अनुत्तीर्ण हैं और जिनकी अपने क्लास में उपस्थिति 75 प्रतिशत से भी कम रही है। इसकी रिपोर्ट तैयार करायी जाएगी।

इस संबंध में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों और अन्य को पत्र भी भेजा है। इसके जरिए निदेशक आदित्य रंजन ने कहा है



कि स्कूलों में 75 प्रतिशत उपस्थिति और लगातार 30 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले स्टुडेंट्स का नामांकन रद्द करने संबंधी दिशा-निर्देश पहले से निर्गत है। इसके आलोक में सीएम आदर्श स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 10वीं और 12वीं क्लास के वैसे स्टूडेंट्स जो अनुत्तीर्ण हो गये, उनकी स्कूलों

में क्या उपस्थिति रही, उससे संबंधित जांच रिपोर्ट तैयार की

निदेशक ने कहा है कि इसके पिछले सत्र की भी उपस्थिति संबंधी रिपोर्ट तैयार हो। साथ ही ऐसे सभी स्कूल जिनमें 10 प्रतिशत से अधिक स्टूडेंट्स अनुत्तीर्ण हुए हैं, उनकी रिपोर्ट भी तैयार कर जल्द से जल्द परियोजना कार्यालय को भेजा जाए। इस रिपोर्ट को तैयार करते समय जिला, स्कूल का नाम, कक्षा, संकाय, बोर्ड परीक्षा में शामिल स्टूडेंट्स की संख्या, उत्तीर्ण और अनुत्तीर्ण स्टूडेंट्स की संख्या और अन्य जानकारियां (क्लास, रोल नंबर, उपस्थिति व

अन्य) दर्ज होनी चाहिए।

## प्रतिशत मतदान : के. रवि कुमार

#### **PHOTON NEWS RANCHI:** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि

कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव के छठे चरण में राज्य में मतदान प्रतिशत 65.40 रहा। मतदान शांतिपूर्ण रहा। मतगणना के दिन पोस्टल बैलेट की गिनती के बाद इस आंकड़े में थोड़ी बढोतरी होगी। उन्होंने बताया कि सभी ईवीएम स्क्रूटनी के बाद स्ट्रांग रूम में सील किये जा चुके हैं। स्ट्रांगरूम त्रिस्तरीय सुरक्षा में सीसीटीवी की निगरानी में है।

के. रवि कुमार रविवार को निर्वाचन सदन धुर्वा में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जमशेदपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सर्वाधिक 67.68 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का



जानकारी देते के. रवि कुमार।

प्रयोग किया। यहां परुष मतदाताओं ने 67.87 और महिला मतदाताओं ने 67.49 फीसदी मतदान किया है। इस तरह महिलाओं से पुरुष मतदाताओं ने 0.38 फीसदी अधिक मतदान किया। इसी तरह रांची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 65.36 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

कभी जमीन तो कभी निर्माण को लेकर अनियमितता, अब हैंडओवर के चक्रव्यूह में फंसा लाइट हाउस प्रोजेक्ट

## लाभुकों के लिए सपना बनकर रह गया आशियाना

**PHOTON NEWS RANCHI:** 

ड्रीम प्रोजेक्ट लाइट हाउस में कभी जमीन को लेकर तो कभी निर्माण को लेकर अनियमितता की बात सामने आई। अब लाइट हाउस पूरी तरह से बनकर तैयार है। लाभुकों से एग्रीमेंट भी हो चुका है लेकिन हैंडओवर की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पा रही है। इसका खामियाजा लाइट हाउस में घर लेने वाले लोग भुगत रहे हैं। इतना ही नहीं पैसे चुकाने के बावजूद लाभुक किराए के घरों में रहने को मजबूर हैं। ढाई महीने बीतने के बाद भी इसे लेकर कोई पहल नहीं हुई है।

इस मामले में लाइट हाउस प्रोजेक्ट सोसायटी के अध्यक्ष सुधीर तिवारी ने कहा कि आजतक लाभुकों को बिल्डिंग



हैंडओवर ही नहीं हुआ है लेकिन पूरी बिल्डिंग की हालत ही खराब है। दीवारों में शिपेज हो रही है। कहीं पर बाथरूम किचन की फिटिंग नहीं है। काम में भी गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया

हमलोगों ने की है। कुल मिलाकर इसमें लाभुक फंस गए हैं। पैसे देने के बाद भी उनको घर नहीं मिल पा रहा है। रांची के धुर्वा इलाके में हाउस प्रोजेक्ट का

#### सस्ती दरों पर बनाए गए हैं 1008 घर लाइट हाउस प्रोजेक्ट (एलएचपी)

के तहत गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए किफायती दरों पर 1,008 घर बनाए गए हैं, जिसमें प्रति फ्लैट कार्पेट एरिया लगभग 315 वर्ग फुट है। यह परियोजना 134 करोड़ रुपये की लागत से 7.5 एकड़ भूमि पर तैयार की गई है। धुर्वा में नवनिर्मित लाइट हाउस की क्वालिटी जांच करने का

शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक जनवरी, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया था। इसके बाद नगर प्रशासन निदेशालय के डायरेक्टर आदित्य कुमार आनंद ने 10 लाभार्थियों को

आदेश नगर विकास विभाग ने नगर निगम को दिया है, जिसके लिए पत्र लिख कर जरूरी कार्रवाई करने को कहा है। नगर विकास विभाग को शिकायत मिली थी। इसके बाद निर्माण में गड़बड़ी के जांच करने का निर्णय लिया गया है। यह फ्लैट लाभुकों को 6.79 लाख रुपये में फ्लैट आवंटित किये गए हैं।

टोकन वितरण के रूप में घरों की चाबियां सौंपी। साथ ही कहा था कि आवास इकाइयों के सभी लाभुकों को चरणबद्ध तरीके से अप्रैल तक आवास उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

### मिल्लत इस्लामिया के मसीहा का नाम था रईसी : तहजिबुल हसन

PHOTON NEWS RANCHI: रविवार को इस्लामिक रिपब्लिक

ऑफ ईरान के राष्ट्रपति मौलाना सैयद इब्राहिम रईसी, ईरान के विदेश मंत्री समेत ईरान के सभी शहीदों की याद में मस्जिद जाफरिया में एक शोक सभा हुई। अध्यक्षता ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना अल्हाज सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने की। संचालन शायर सैयद नेहाल हुसैन सरियावी ने किया। सभी वक्ताओं ने इब्राहिम रईसी के कार्यों को याद किया।

मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इब्राहिम रईसी मिल्लत इस्लामिया के मसीहा का नाम था। रईसी को मार कर दुश्मन जीता नहीं है। अब कई रईसी पैदा होंगे। जिस वक्त पूरी दुनिया में कुरान पर हमला हो रहा



राष्ट्र संघ में कुरान को लहराते हुए कहा इस कुरान की हिफाजत की जिम्मेदारी अल्लाह ने ली है। इसे कोई मिटा नहीं सकता। कार्यक्रम के मुख्यातिथि अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि इरान के सदर इब्राहिम रईसी पूरे आलम ए इस्लाम के पीलर थे। हम उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर ने कहा की इब्राहिम रईसी पूरे उम्मत ए मुस्लिमा को एक चटाई पर लाने का काम किया। आज जरूरत है उलेमा की लीडर शिप को मानने की। वहीं मौलाना यासीन कासमी ने कहा की रईसी साहब आलम ए इस्लाम के अल्मब्रदार थे।

समाचार सार

रायरंगप्र नपा के च्नाव समन्वयक बने प्रशात ROURKELA: बीज् जनता दल के राज्य सचिव प्रशांत सेठी को अंतिम

चरण के चुनाव के लिए मयूरभंज जिले के रायरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र के

रायरंगपुर नगर पालिका का चुनाव समन्वयक नियुक्त किया गया है। कांटाबांजी के तुरीकेला ब्लॉक के

चुनाव समन्वयक के रूप में मुख्यमंत्री की सेवा करने के बाद, अनुगोल नगर पालिका के चुनाव

समन्वयक के रूप में पदभार संभाला। कुशल

#### शहरनामा



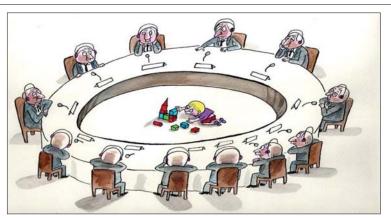


तेल की धार देखो..

वैसे तो चाटुकारों की जमात हर जगह दिख जाती है, लेकिन राजनीति में इसकी गुंजाइश ज्यादा दिखती है। ऐसे ही एक चाटकार ने चुनावी सभा के दौरान सबसे बड़े आका से अपने नेता की चापलुसी कर दी। कहा-अभी उनकी कमी खल रही है। आका ने पूछ दिया, क्यों दिवंगत हो गए हैं क्या। अरे, अच्छे ओहदे पर हैं। तुम ऐसी बात क्यों कर रहे हो। बेचारा चाटकार झेंप गया। उसके आसपास वालों ने सुन लिया था, लेकिन चाटुकार इस बात से गौरवान्वित महसूस कर रहा है कि उसने सबसे बड़े आका तक अपनी चाटुकारिता का स्तर तो दिखा दिया।

#### ताड से गिरे खजूर में अटके

अपने यहां एक युवा तुर्क हैं। उन्होंने राजनीति में ऐसी छलांग लगाई कि ताड़ पर तो चढ़ गए, लेकिन वहां छांव नहीं देखा तो कद गए। कदे तो ऐसे खजर के पेड में अटक गए कि उन्हें फल चखने को तो नहीं मिला. बदन में चारों ओर से कांटे ही चुभने लगे। जब खुजलाहट ज्यादा बढ़ गई तो लगे



सबकी पोल खोल दी, लेकिन यहां भी उन्हें नुकसान हो गया। अब उन्हें याद नहीं आ रहा है कि किस आदमी ने उन्हें चने की झाड़ पर चढ़ा दिया था। कभी-कभी ज्यादा तेजी भी घातक हो जाती है।

#### चाचा विधायक हैं हमारे

एक कॉमेडी सीरीज आपने भी देखी या सुनी होगी ह्यचाचा विधायक हैं हमारेह्न। यह प्रतीक है, उन लोगों के लिए, जो अपने किसी रिश्तेदार के ऊंचे पद पर बैठे होने का दंभ रखते हैं। उनके नाम को सरेआम बेचते रहते हैं। इस तरह के कैरेक्टर अपने पड़ोस में ही रहते हैं, जो बड़े पदधारी के नजदीकी रिश्तेदार हैं और काम कराने के नाम पर चंदा उगाही करते हैं। इससे पहले भी इस तरह के एक कैरेक्टर थे, जिनका अंत बहुत दर्दनाक हुआ। चंदा लेने वाले का तो सिर्फ माल गया, पदधारी लाल कोठी की हवा खा रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि

उनसे सबक लेकर नए वाले चाचा जल्दी सधर जाएंगे।

#### हथिया-हथिया शोर कईले...

यह तो बिहार-यूपी का सर्वाधिक लोकप्रिय विवाह गीत है, लेकिन इसका उदाहरण कई मौकों-घटनाओं पर दिया जाता है। इस बार भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। महापर्व की तैयारी इसी तर्ज पर की गई थी, लेकिन परिणाम इसी गीत के निहितार्थ जैसा हुआ। वहीं, पास-पड़ोस के क्षेत्र में बिना शोरगुल के सचमुच हाथी जैसा स्कोर खड़ा हो गया। दुसरी ओर, जिन्होंने खूब उछलकृद मचाई थी, वे अब सामृहिक समीक्षा करने की सोच रहे हैं कि आखिर चक कहां रह गई। पिच पर इतनी प्रैक्टिस की थी, तो फिर स्कोर कम कैसे हो गया। बहरहाल, सच्चाई शायद वे जानना चाहते हैं कि नहीं, पता नहीं। जानते हैं, लेकिन बताना चाहते हैं कि नहीं, यह भी

जेईई एडवांस : दो पालियों में हुई परीक्षा

## छात्रों को गणित ने उलझाया फिजिक्स ने किया परेशान

**PHOTON NEWS JSR:** जेईई एडवांस की परीक्षा रविवार को मानगो स्थित आयन डिजिटल और घाटशिला रोड पर ईदलबेड़ा स्थित आरवीएस इंजीनियरिंग कालेज में हुई। पहली पाली सुबह 9 से 12 तथा दूसरी पाली 2.30 से 5.30 बजे तक थी। पहली पाली में पेपर वन एवं टू के तहत फिजिक्स, केमेस्ट्री व मैथ्स की

परीक्षा थी। परीक्षा केंद्र में

विद्यार्थियों को दो घंटा पहले प्रवेश

इस परीक्षा में शहर से 1500 विद्यार्थी शामिल हुए। दोनों पेपर मिलाकर कुल 360 अंकों की परीक्षा थी। एक-एक विषय में 17 प्रश्नों का उत्तर देना था तथा एक-एक विषय के लिए 60 अंक निर्धारित थे। परीक्षा देकर बाहर निकले विद्यार्थियों ने बताया कि इस गणित के प्रश्न उलझाऊ रहे, तो फिजिक्स ने भी परेशान किया। केमेस्ट्री पिछले बार की तरह इस बार भी आसान रही। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के विशेषज्ञ नारायणा



बाहर निकलते परीक्षार्थी • फोटोन न्यूज

कोचिंग संस्थान के नेशनल एकेडिमक हेड प्रो. श्याम भूषण ने कहा कि पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष के प्रश्न रहे। जेईई एडवांस की ओर से जारी निर्देश के अनसार जो विद्यार्थी 35 प्रतिशत अधिक अंक लाएंगे, उन्हें रैकिंग प्रदान की जाएगी। इस आधार पर उन्हें आइआइटी में

#### संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले प्रशांत सेठी पर दल ने एक बार फिर भरोसा जताया है। इसी तरह, बीरमित्रपर निर्वाचन क्षेत्र के सह-पर्यवेक्षक मनोज सेनापति को सरस्काना निर्वाचन क्षेत्र के जशीपुर क्षेत्र चुनाव समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है। ओडिशा मैट्रिक परीक्षा के नतीजे घोषित

एजुकेशन (बीएसई) ओडिशा ने मैट्रिक परीक्षा के नतीजे घोषित किए। नतीजों

(आरसीसीआई)

2023-24 की 61वीं

आम बैठक रविवार

को चैंबर के परिसर

में आयोजित की गई। आरसीसीआई चुनाव

2 जून को होने जा रहे हैं, इसलिए यह



में पास हुए है। रिजल्ट अच्छा रहा है। इस साल की परीक्षाओं मे लड़िकयों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया।

#### बीजेडी के यशीपुर के सह पर्यवेक्षक बने मनोज

BIRMITRAPUR: बीज जनता दल ने सह-पर्यवेक्षक मनोज को अंतिम दौर के चुनाव में सरस्काना और यशीपुर

राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स की हुई आमसभा ROURKELA: राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

बैठक सभी पूर्व अध्यक्षों और सदस्यों की उपलब्धता पर चर्चा करने के

लिए आयोजित की गई थी। इस 61वीं आम बैठक में राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष सुनील कयाल, उपाध्यक्ष गुरुमीत

सिंह, उपाध्यक्ष नरेश आर्य,साधारण संपादक प्रभात टिब्रेवाल, वित्त सचिव संतोष अग्रवाल, प्रशासन और पीआर सचिव शुभमन कपूर

मंचाशिन थे। आम बैठक में स्वागत भाषण अध्यक्ष सुनील कायल ने दिए

और वित्तीय सचिन संतोष अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्यय विवरण के साथ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में पूर्व अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, पीसी नायक समेत कई पूर्व अध्यक्ष और सदस्यों ने बैठक में अपनी उपलब्धता पर चर्चा की। राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्टी में 1140 से अधिक सदस्य हैं और 2 जन को अध्यक्ष, वित्त सचिव, बैंकिंग कराधान और कानून सचिव, नागरिक सुविधाएं सचिव और कार्यकारी सदस्यों के तीन पदों के लिए चुनाव होंगे। दो उपाध्यक्ष पद, साधारण संपादक पद और 14 अन्य विभागों के सचिव पद पर निर्दवंत को चनने का फैसला लगभग तय हो चका है। 11 सदस्यीय चुनाव समिति द्वारा चुनाव कराया जायेंगे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष

निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है। विरमित्रपुर निर्वाचन क्षेत्र के सह-पर्यवेक्षक मनोज सेनापित को सरस्काना निर्वाचन क्षेत्र और जशीपुर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव समन्वयक के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। वह क्षेत्र में बीजू जनता दल के बेहतर प्रदर्शन के लिए अपने प्रयास जारी रखने को लेकर काफी आशान्वित हैं।



### मतदान के बाद मिटाई थकान, राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने किए अपने-अपने दलों के जीत के दावे

## बिद्युत ने ग्राम देवता, समीर ने प्रभु जगन्नाथ को पूजा

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा का चुनाव शनिवार को मतदान के साथ संपन्न हो गया, जिसके बाद दूसरे दिन रविवार को सभी ने चुनाव की थकान मिटाई। राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता ने पूरे दिन आराम किया। वहीं, शाम को चौक–चौराहों, पार्टी कार्यालयों और अड्डों पर मतदान के आंकड़ों पर चर्चा की। एनडीए व इंडिया गठबंधन के नेताओं, कार्यकताओं व समर्थकों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया, तो किस क्षेत्र में किसके पक्ष में कितना मतदान हुआ, हिसाब लगाया। आम मतदाताओं और राजनीति में रुचि रखने वाले शहरवासियों ने भी एक–दूसरे से चुनाव का हाल जानने का प्रयास किया। सबकी जुबां पर एक ही बात थी, कौन जीत रहा है। सभी जीत–हार के अपने–अपने गणित बता रहे हैं। उधर, प्रशासनिक पदाधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक ने रविवार को आराम किया। इससे पहले जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल, वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत, उपविकास आयुक्त मनीष कुमार, एसडीओ धालभूम पारुल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी देर रात तक जमशेदपुर को–ऑपरेटिव कॉलेज में डटे रहे। यहां इन्होंने अपनी निगरानी में पूरे जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से आए ईवीएम व वीवीपैट स्ट्रांग रूम में जमा कराया। अब एक बार फिर सोमवार को कार्यालय खुलने के साथ चुनावी चर्चा जोर पकड़ेगी, जो चार जून को मतर्गणना के दिन चरम पर पहुंच जाएगी। तब तक सभी इसी में व्यस्त रहेंगे कि देश भर में एनडीए और इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें आएंगी। कौन सरकार बनाएगा।

## अपने पैतृक गांव पहुंचे | जमशेदपुर में मतदान | सुबह देर से उठे समीर बिद्युत, लोगों से मिले



• प्रसाद चढाकर राज्य की

• चुनाव में सहयोग के लिए

लोगों का जताया आभार,

साथ मौजूद रहे ग्रामीण

इस दौरान पजारी परिमल महतो.

समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

बहुत कुछ करना है।

सुख-समृद्धि के लिए मांगा

पूजा-अर्चना करते बिद्युत महतो 🏻 फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा सीट पर मतदान के दूसरे दिन रविवार को सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी बिद्युत बरण महतो ने अपने परिवार के साथ दिन

बिद्युत महतो ने आदित्यपुर क्षेत्र अंतर्गत अपने पैतृक गांव कृष्णापुर में ग्राम पूजा की। ग्राम पूजा में उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया एवं झारखंडवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। बिद्युत महतो ने भीषण गर्मी के बावजूद चुनाव में लगे समर्थकों एवं मतदाताओं के आशीर्वाद व समर्थन के लिए सभी के प्रति आभार जताते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। कहा कि



रविवार को ईवीएम जमा करने पहुंचे मतदान कर्मी • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को हुए मतदान का प्रतिशत बढ़ कर 67.68 प्रतिशत हो गया। इससे पहले जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से शनिवार शाम 7 बजे जो आंकड़ा जारी किया गया था, वह 66.79 प्रतिशत था।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के जिस तरह का जन समर्थन उन्हें मिला है, वह इसके लिए हमेशा औसत मतदान 67.68 प्रतिशत में जमशेदपुर के लोगों के प्रति विधानसभावार देखें तो बहरागोडा में 78.39, घाटशिला में 73.96, आभारी रहेंगे। उन्हें शहर के लिए जमशेदपुर पूर्वी में 58.56, जमशेदपुर पश्चिमी में 57.14, भाई गौतम महतो, स्थानीय निवासी जुगसलाई 70.80 और पोटका बिमल चंद्र महतो, शिशिर महतो 73.37 प्रतिशत मतदान हुआ। रविवार सुबह लौटी 15 क्लस्टर की ईवीएम : जमशेदपुर लोकसभा चनाव संपन्न होने के बाद रविवार संबह चाकलिया व गुड़ाबांदा प्रखंड के सुदूर क्षेत्र से 15 बूथ के मतदान कर्मी आए। उन्होंने जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम में ईवीएम व वीवीपैट जमा कराया। एक वोट पड़ने पर ग्राम प्रधान व बीएलओ को शोकॉज : जमशेदपुर लोकसभा चुनाव में धालभूमगढ़ का एक बुथ ऐसा रहा, जहां सिर्फ एक वोट पड़ा था। इसके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई का

# बढ़कर हुआ ६७.६८% किया योग-व्यायाम



अपने समर्थकों से बातचीत करते समीर मोहंती • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : लोकसभा चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद रविवार को इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर महंती ने भी जमकर थकान मिटाई। जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में बने ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करने के बाद चाकुलिया के बेंद स्थित अपने घर लौटे थे। रविवार को सबह देर से उठे. तो योग-व्यायाम आदि करने के बाद काफी देर तक आराम किया। फिर बेंद स्थित पहाड़ी पर पर बने जगन्नाथ मंदिर गए, जहां पूजा-अर्चना की। वहां से लौटने पर घर में झाममो कार्यकताओं के साथ मतगणना पर विस्तृत चर्चा की। आराम करने के बाद शाम को जमशेदपर आ गए।

- देर शाम शहर लौटे, लोगों से की मुलाकात, सहयोगी दलों के लोगों से मिले
- 🗕 चुनाव में सहयोग के लिए लोगों का जताया आभार, साथ रहे समर्थक

इस दौरान समीर मोहंती के समर्थक उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने चुनाव में सहयोग के लिए सभी लोगों का आभार जताया। अपने कार्यकर्ताओं से अलग-अलग बूथों पर हुए मतदान के बारे में जानकारी ली। सहयोगी दलों के लोग भी मिलने के लिए आए थे। मतगणना को लेकर चर्चा हुई।

#### गुरुमीत सिंह ने किया। एसबीआई के सहायक मुख्य प्रबंधक का तबादला

ROURKELA: भारतीय स्टेट बैंक, राउरकेला राउत रॉय का तबादला भुवनेश्वर कर दिया गया है। सरोज राउतरॉय एक जिम्मेदार अधिकारी और बहुत ही शांत, सौम्य और सरल व्यक्ति थे। इसी तरह, भले ही वह पेशे से एक बैंकर थे, फिर भी वह एक सामाजिक कार्यकर्ता, परोपकारी और बह-प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। ग्राहकों की संतुष्टि को अपने मुख्य लक्ष्य के रूप



में रखते हुए, उन्होंने दो वर्षों तक बैंक में अथक परिश्रम किया है। बैंक के अंदर और बाहर सभी कर्मचारियों और ग्राहकों को सर्वोत्तम व्यवहार. मधुर संबंधों और सबसे बढ़कर भाईचारे के साथ बांधने के उनके प्रयासों ने सभी के दिलों में उनके लिए प्यार पैदा किया है। तबादला होने पर बैंक कर्मियों और अन्य लोगों ने भावभीनी विदाई दी। राउतरॉय ने कहा कि वे राउरकेला प्रवास और शहर के भाईचारे को हमेशा याद रखेंगे।

#### जमशेदपुर ब्लड सेंटर में 65 यूनिट रक्तदान

JAMSHEDPUR : सामाजिक संस्था मित्र हेल्दी ह्यूमैनिटी द्वारा रविवार

को धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लंड सेंटर में शिविर लगाया, जिसमें 65 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर में 10 लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। एक महिला सुमन झा



ने भी रक्तदान किया। इस मौके पर जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, जमशेदपुर ब्लड सेंटर के जीएम संजय चौधरी, आदि ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। शिविर को सफल बनाने में संस्था के सचिव स्मिता कुमारी, कोषाध्यक्ष निखिल सिन्हा, देवेंद्र सिंह, संतोष चौबे वैभव, स्वास्तिक पाठक, आदर्श वर्मा, युवराज प्रसाद आदि

#### अनियंत्रित कार के धक्के से तीन बाइक क्षतिग्रस्त

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में रविवार को

सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। बताया जाता है कि कार हल्दीपोखर से हाता की ओर आ रही थी।



इसी बीच एनएच-220 पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई। इस घटना में हाता चांपीडीह साई मंदिर के नजदीक सड़क के किनारे खड़ी तीन बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद कार सवार हाता चौक होकर जादुगोड़ा मार्ग पर भाग रहा था। स्थानीय लोगों द्वारा पोटका थाना की पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पोटका थाना की पुलिस ने हाता स्थित प्रेमनगर के पास कार को पकड़ लिया। कार में तीन व्यक्ति सवार थे, जो नशे की हालत में थे। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

### परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में ९ जून को जमशेदपुर में भव्य आयोजन की तैयारी

## गोपाल मैदान में जुटेंगे 50 हजार लोग, होंगे साहित्यिक कार्यक्रम

#### **PHOTON NEWS JSR:**

श्री भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति द्वारा बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में 9 जून को परशुराम जयंती मनाई जाएगी। इसके लिए विभिन्न क्षेत्र में बैठक चल

इसी कड़ी में रविवार को जुगसलाई के देव भवन में तैयारी बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता अंतराष्ट्रीय विप्र फाउंडेशन के केंद्रीय सदस्य सांवरलाल शर्मा ने की, जबिक बतौर मुख्य अतिथि पूर्व डीएसपी कमल किशोर उपस्थित थे।

बताया गया कि कार्यक्रम की संपूर्ण सहभागिता और व्यवस्था ब्राह्मण परिवार अपने अंशदान से करेंगे। इसमें 50,000 लोगों के स्वागत और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। संध्या 3 बजे से रात्रि



जुगसलाई में बैठक के दौरान मौजूद ब्राह्मण समाज के लोग 🏻 फोटोन न्यूज

9 बजे तक कार्यक्रम चलेगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि संगठन ही आज किसी भी समाज का मूल बिन चुका है। अतः हम ब्राह्मण भी स्वयं को इस सोच से अलग नहीं कर सकते। बैठक को कौशल

किशोर शर्मा, विनोद उपाध्याय, कवलेश्वर पांडेय, परमात्मा मिश्रा, विमलेश उपाध्याय, हरेंद्र मिश्रा, मन्ना चौबे, अमल दुबे, नकुल तिवारी, ओमप्रकाश उपाध्याय, कामेश्वर पांडेय, श्रीनिवास तिवारी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डीडी त्रिपाठी व धन्यवाद ज्ञापन

## परसुडीह में नजरुल जयंती पर गीत-संगीत की हुई प्रस्तुति

JAMSHEDPUR : परसुडीह स्थित अनुरानन संगीत शिक्षा केंद्र द्वारा विद्रोही कवि काजी नजरुल इस्लाम की 125वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में छात्रों एवं कलाकारों द्वारा उन्हीं के लिखे गीत एवं कविताओं की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की अध्यापिका विदुषी नुपुर गोस्वामी के वक्तव्य एवं नजरुल गीति गायन से हुई। शहर के प्रतिष्ठित रवींद्र संगीत गायक राजेंद्र राज ने नजरुल गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकार अनिता बासु एवं विदिशा नंदी ने भी गीत प्रस्तुत किया। अनुरानन के विद्यार्थियों में सुमित मुखर्जी, विभाष राणा, सौमी दास शर्मा, अपूर्वा घोष, शशि जोशी सात्रा, रूपम मंडल, अंकित पांजा, श्रेयसी दास, सानी घोष,

रविशंकर तिवारी ने किया, जबकि

बैठक में वेद उपाध्याय, मनोज

उपाध्याय, अप्पू तिवारी, अजय

पांडेय, विपिन झा, बड़ेलाल दुबे,

की मनमोहक प्रस्तुति दी। तबले पर प्रणव चक्रवर्ती ने संगत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वंशीधर गोस्वामी ने किया। संजय पांडेय, श्रीकृष्ण भारद्वाज,

पांडेय, युवा मोर्चा से रविकांत पांडेय, सुधाकर दुबे, रंजन पांडेय, आनंदी ओझा, राजा ओझा, अजय ओझा, उत्तम मिश्रा,0 रविकांत शास्त्री, मोनू तिवारी मलखान दुबे, मुन्ना तिवारी, मुन्ना आदि उपस्थित रहे।

सौरभ राय आदि ने नजरुल गीत, कविताएं एवं नृत्य

त्याग का

मार्ग किंदन

त्याग का मार्ग वस्तुतः कठिन प्रतीत होता है। किंतु इसे सरल

से सरल प्रक्रिया द्वारा कैसे

अपनाया जाए कैसे अपने

जीवन में उतारा जाए, कैसे

अपने जीवन को स्वावलंबी

बनाया जाए तथा कैसे अपने

जीवन को पराश्रित होने से

बचाया जाए इसकी शिक्षा

दशलक्षण पर्व के इन्हीं दस

दिनों में सीखने मिलती है।

सहजता से जीवन जीने की

कला ही धर्म है। और यह पर्व

हमें यही कला सिखलाता है।

## बदले की भावना से स्वयं का नुकसान

जब कभी भी आप अपने क्रोध का करीब से निरीक्षण करेंगे तो पाएंगे कि इसके मूल में आपके आत्मसम्मान या अभिमान में लगी ठेस, सपनों का टूटना या कोई ऐसा ही कारण रहा होगा, जिससे आप हतप्रभ रह गए होंगे।



हालांकि ये कारण ऐसे हैं, जिनसे बिना क्रोध किए भी आसानी से निबटा जा सकता है। फिर आप क्रोध क्यों करते हैं? हम सभी के पास कुछ न कुछ ऐसा है, जिसे हम एक-दूसरे को जाने बिना भी दे सकते हैं। यह कुछ आखिर है क्या, जिसे किसी अपरिचित को भी दिया जा सकता है। क्या नुकसान की आशंका में इससे कोई तनाव उत्पन्न नहीं होगा? आपको आश्चर्य होगा, लेकिन यह सच है कि इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि आपके अंतरतम में पहले से मौजूद तनाव भी कहीं तिरोहित हो जाएगा। आज हर कोई गुस्से से पागल हुआ जा रहा है। बचे-बूढ़े भी इससे अछूते नहीं हैं।

दरअसल, ऋोध एक ऐसी समस्या है, जिसकी तुलना शैतान से की गई है। इसका संबंध सिर्फ बुरी भावनाओं या मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता से भी है। हॉरेस के अनुसार क्रोध क्षणिक पागलपन है, जबकि थॉमस प्रयूलर इसे समुद्र में उठा तूफान मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि क्रोध के दुष्परिणामों से डरकर हम इसका दमन शुरू कर दें। क्रोध का दमन अक्सर गंभीर परिणामों को जन्म देता है, जिससे क्रोध करने वाला तो प्रभावित होता ही है, कई निर्दोष भी प्रभावित हो जाते हैं। हम अचानक ही एक दिन में क्रोध करना नहीं छोड़ सकते। क्रोध पर नियंत्रण एक क्रमिक प्रक्रिया है। क्रोध पर नजर रखते हुए इसकी तीव्रता को धीरे-धीरे ही कम किया जा सकता है। अरस्तु के अनुसार क्रोध कोई भी कर सकता है। यह बहुत आसान है, लेकिन सही समय, सही कारण, सही व्यक्ति व सही दिशा में इसका प्रक्षेपण आसान नहीं है।

### निंदा से बचें

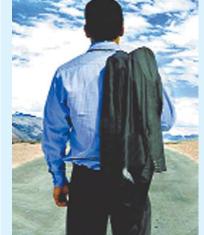
क्रोध से दूर रहने की पहली शर्त यह है कि आप निर्दोष व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की निंदा से बचें। फिर भी यदि आपको गुस्सा आता है तो इसका प्रदर्शन सतही ही रखें। मन में बदले की भावना न रखें। इसके लिए अपनी उन भावनाओं और कारणों को महत्व न दें, जो आपको क्रोध की अग्नि में जलने को मजबूर कर दें। ये भावनाएं या कारण ऐसे हैं, जिनसे क्रोध के बगैर भी आसानी से निबटा जा सकता है। फिर आप क्रोध क्यों करते हैं? क्रोध पर नियंत्रण करना आप आसानी से सीख सकते हैं और अभ्यास के द्वारा इसमें महारत भी हासिल कर सकते हैं। यदि आप जीवन में अपराध व हिंसा से मुक्त रहने की कोशिश करें तो इस संसार में काफी कुछ बदला जा सकता है। हम और यादा रचनात्मक हो सकते हैं। इसके लिए क्रोध करना जरूरी नहीं हैं। यदि कुछ जरूरी है तो वह है अपनी मानवीय भावनाओं को सिर्फ उजागर करना।

# जानिए रुद्राक्ष के

ग्यारहमुखी रुद्राक्ष को साक्षात रुद्र माना जाता है। यह 11 रुद्रों एवं भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार संकटमोचन महावीर बजरंगबली का प्रतीक है। इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सांसारिक ऐश्वर्य और संतान सुख प्राप्त होता है और उसकी सारी ऊपरी बाधाएं दूर होती हैं। तेरहमुखी रुद्राक्ष साक्षात इंद्र का स्वरूप है। यह कार्तिकेय के समान समस्त प्रकार के ऐश्वर्य देता है और कामनाओं की पूर्ति करता है। इसे धारण करने से व्यक्ति सभी प्रकार की धातुओं एवं रसायनों की सिद्धि का ज्ञाता हो जाता है। प्राचीन वैदों के अनुसार अनुसार कामदेव को भी तेरहमुखी रुद्राक्ष का देवता माना गया है। पंद्रहमुखी रुद्राक्ष को भगवान पशुपतिनाथ का स्वरूप माना गया है। यह धारक के आर्थिक एवं आध्यात्मिक स्तर को उढाकर उसे सुख, संपदा,

मान– सम्मान–प्रतिष्ठा एवं शांति प्रदान करता है। पंद्रहमुखी रूद्राक्ष विशेष रूप से नजर दोष और भूत बाधा से मुक्ति प्राप्ति के लिए धारण किया जाता है।

बीसमुखी रुद्राक्ष को जनार्दन स्वरूप कहा गया है। इसे धारण करने से भूत, पिशाच आदि का भय नहीं रहता। बीसमुखी रुद्राक्ष धारण करने से वरूर ग्रहों का अशुभ प्रभाव भी नहीं पड़ता है। इसे पहनने वाले को सर्पादि विषधारी प्राणियों का भी भय नहीं होता है।



## सबसे आसान रास्ता

एक बार एक डाकू एक संत के पास आया और बोला, महाराज! मैं अपने जीवन से परेशान हो गया हूं। जाने कितनों को मैंने लूटकर दुःखी किया है, उनके घरों को तबाह किया है। मुझे कोई रास्ता बताइए, जिससे मैं इस बुराई से बच सकूं।

संत ने बड़े प्रेम से कहा, बुराई करना छोड़ दो, उससे बच जाओगे। डाँकू ने कहा, अच्छी बात है। मैं कोशिश करूंगा। डाकू चला गया। कुछ दिनों के बाद वह फिर लौटकर आयां और संत से बोला, मैंने बुराई को छोड़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन छोड नहीं पाया। अपनी आदत से मैं लाचार हूं। मुझे कोई दूसरा उपाय

संत ने थोड़ी देर सोचा, फिर बोले, अच्छा, ऐसा करो कि तुम्हारे मन में जो भी बात उठे, उसे कर डालो, लेकिन प्रतिदिन उसे दूसरे लोगों से कह दो। संत की बात सुनकर डाकू को बहुत खुशी हुई। उसने सोचा कि इतने बड़े संत ने जो मन में आए, सो कर डालने की आज्ञा दे दी है। अब वह बेधड़क डाका डालेगा और दूसरों से कह देगा। यह बहुत ही आसान है। वह उनके चरण छूकर लौट गया। कुछ दिनों के बाद वह फिर संत के पास आया और बोला, महाराज! आपने मुझे जो उपाय बताया था, उसे मैंने बहुत आसान समझा था, लेकिन वह निकला बड़ा कठिन। बुरा काम करना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक मुश्किल है दूसरों के सामने अपनी बुराइयों को कहना। फिर थोड़ा टहरकर वह बोला, दोनों में से अब मैंने आसान रास्ता चुना है। डाका डालना ही छोड दिया है।

# शुद्ध आत्माओं का

संसार में जितने भी धर्म हैं सभी चरित्र का पाट पढ़ाते तो हैं किंतु चरित्र की सूक्ष्मता का उतनी गंभीरता से विचार नहीं करते जितना जैन दर्शन में किया जाता है। जैन धर्म चरित्र प्रधान धर्म है। जिसमें चरित्र की ही पूज्यता है, मान्यता है। चरित्र बिना ज्ञान कागज के फूल के समान खुशबू रहित है। यही कारण है कि जैन धर्म के मूल मंत्र णमोकार मंत्र में भी किसी व्यक्ति विशेष को नमस्कार न कर उन सभी भव्य आत्माओं को नमस्कार किया है जिन्होंने अपने चरित्र की उत्कृष्टता, पवित्रता एवं उवलता के कारण परमात्मा तत्व की प्राप्ति की है अथवा वर्तमान में जो भी इस मार्ग को अपनाकर चरित्र शुद्धि के मार्ग में अग्रसर हैं, वे ही पूज्य हैं।

### आत्म तत्व की शक्ति

जैन दर्शन के अनुसार प्रत्येक प्राणी की अपनी स्वतंत्र सत्ता है, चाहे वह मनुष्य हो, देव नारकी अथवा पशु ही क्यों न हो। आत्मतत्व की शक्ति की अपेक्षा से सभी जीव समान है। चरित्र शुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होना प्रत्येक जीव का प्रथम कर्तव्य है। चरित्र शुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होकर ही यह जीव परमात्मा पद, सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकता है। अपनी चारित्रिक अशुद्धियों के कारण ही यह जीव इस संसार की चौरासी लाख योनियों में निरंतर भटक रहा है। चरित्र शुद्धि जैन धर्मावलंबियों की धर्म साधना का मूल उद्देश्य होता है तथा जैनियों के जितने भी पर्व होते हैं उसमें चरित्र प्रधान होते है।

#### धर्म के लक्षण

सत्य, संयम, तप, त्याग, ब्रह्मचर्य आदि जो है वे सब धर्म के लक्षण हैं। हमारी आत्मा के निज स्वभाव है। मूलतः अपनी स्वाभाविक अवस्था में आत्मा इन्हीं में रमण करती है। जिस प्रकार खुशबू को फूल से अलग नहीं किया जा सकता उसी प्रकार इन गुणों को भी आत्मा से अलग नहीं किया जा सकता।

### आत्मा के विकारी भाव

क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष, मद-मत्सर, ईर्घ्या आदि के भाव हमारी आत्मा के विकारी भाव है जिन्हें हमें जानना है तथा इनका दृढ़तापूर्वक शमन करना है, दमन करना है। अपनी आत्मा को अपने चरित्र को उवल, पवित्र तथा

### चरित्र की शुद्धता

चरित्र शुद्धि के इस महापर्व पर श्री वीर प्रभु से यही मंगल प्रार्थना करता हूं कि प्रत्येक मनुष्य के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, वात्सल्य, भाईचारे के भाव जागृत हो, क्षमा दया के भाव हो, हम स्वयं सदा सुखी रहें और औरों को निरंतर सुखी रखने का प्रयास करें। उनके मंगल की भावना भाएं, विश्व बंधुत्व की भावना से सदा ओत-प्रोत रहें, सुखी रहें। सब जीव जगत की भावनाओं के साथ मंगल विराम लेता हूं।

## मनन करें

### चरित्र ही मनुष्य के जीवन की अनमोल थाती है। चरित्रविहिन मनुष्य पशु तुल्य होता है।

उत्कृष्ट बनाना है। इन्हीं भावनाओं को भाने के लिए चरित्र में लाने के लिए यह दशलक्षण महापर्व मनाया जाता है। इन दस दिनों में धर्म के स्वरूप के माध्यम से प्रत्येक श्रावक स्वयं अपनी आत्मा का अवलोकन करता है। अपनी सारी बुराइयों का चिंतन करता है तथा उन्हें दूर करने में प्रयासरत होता है, भावना भाता है, तद्नुरूप संयम तथा त्याग का मार्ग अपनाता है। अपने गुरुजनों से धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा



बुराइयां क्या हैं, क्यों हैं, किस कारण से हैं. उनका स्वरूप कैसा है तथा वे कैसे-कैसे रूप बदलकर हमारे सामने उपस्थित होतीं हैं यह जानना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। तभी वह इन बुराइयों से बचकर सत्मार्ग अपना सकता है। बुराइयों को त्यागना अच्छाइयों को अपनाना ही इस महापर्व की सार्थ क ता





हमें आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज्ञान संतों की संगति में ही मिलता है। सत्संग हमारे कोरे और मलिन हृदयों को ज्ञानवान और पवित्र बनाने का ही एक मार्ग है। इनसे हमें कतराना नहीं चाहिए। संत ही हमारे पथ के दीपक होते हैं।

एक बार संत नामदेव जी के सत्संग में गृहस्थ शामनाथ अपने पुत्र तात्या को लेकर आए। शामनाथ पक्के धार्मिक और सत्संगी थे, जबिक उनका पुत्र धर्म-कर्म और साधु-संतों की संगत से भी दूर भागता था। संत नामदेव को शीश नवाते हुए शामनाथ ने कहा, महाराज, यह मेरा पुत्र तात्या है। सारा दिन कामचोरी और आवारागर्दी में व्यतीत करता है। सत्संग के नाम से भी बिदकता है। कृपया इसका मार्गदर्शन कीजिए। शायद आपके समझाने से इसे कुछ ज्ञान हो जाए। शाम हो चली थी। नामदेव दोनों को मंदिर के पीछे लंबी-चौड़ी दालान में ले गए। वहां एक कोने में एक लालटेन जल रही थी, मगर संत उन दोनों को लालटेन से दूर दूसरे अंधेरे कोने में ले गए तो तात्या बोल उठा, महाराज, यहां अंधेरे में क्यों बैठते हैं। वहां लालटेन के पास चलिए ना। वहां हमें लालटेन का उचित प्रकाश भी मिलेगा। हम एक-दूसरे को देख तो सकेंगे। यह सुनकर नामदेव जी मुस्कराए और बोले, पुत्र, तुम्हारे पिता भी तुम्हें दिन्-रात यही समझाने में लगे रहते हैं। हमें प्रकाश तो लालटेन के पास जाने से ही मिलता है। मगर हम अंधकार में ही हाथ-पैर मारते रह जाते हैं। ठीक इसी प्रकार हमें आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज्ञान भी संतों की संगति में ही मिलता है। सत्संग हमारे कोरे और मिलन हृदयों को ज्ञानवान और पवित्र बनाने का ही एक मार्ग है। इनसे हमें कतराना नहीं चाहिए। संत ही हमारे पथ के दीपक होते हैं। सटीक व सहज भाव से दिए गए ज्ञान ने तात्या की आत्मा को भी प्रकाशवान कर दिया।

### हमारा जीवन भगवान की अद्भुत सृष्टि है। परमात्मा ने हमारे जीवन

को कर्मभूमि

के रूप में

विकसित

किया है।

हमारे जीवन की सफलता–असफलता कर्म पर ही निर्भर करती है। हमारे जीवन की जीवनी शक्ति हमारे विचारों से ही प्रभावित होती है। भगवान किसी को बुरा या अच्छा नहीं बनाता है न ही जन्मकाल में अच्छे-बुरे की पहचान करना संभव है। मनुष्य केवल अपने प्रारब्ध को लेकर आता है, लेकिन आगे चलकर वह जिन विचारों, वातावरण व परिवेश में पलता है, उसमें

> माता-पिता का प्रभाव संस्कारी माता-पिता के घरों में पलने वाले बच्चों पर माता-पिता सीधा प्रभाव पड़ता है, लेकिन जो गलत संस्कार में पलते हैं, उनका जीवन दुष्प्रभावित होने लगता है, अतः हमें बचपन से ही अच्छे संस्कारों, विचारों व कार्यों बीज

वैसा ही गुण निर्मित होने लगता

वैसा ही हो जाएगा।

#### चाहिए। सुबह का समय बड़ा महत्वपूर्ण होता है। अतः प्रातःकाल आंखें मूंदकर यह प्रार्थना करो कि, हे परमात्मा! तुम मुझमें शक्ति भरो, मस्तिष्क, मुंह, ग्रीवा, लीवर, किंडनी, हृदय आदि को शक्तिवान बनाओ। मेरी

#### पंच तत्व शरीर को स्वस्थ रखें

पंच तत्व (पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल व आकाश) मेरे शरीर को स्वस्थ रखें। यदि तुम जीवन के प्रति उत्तम विचार रखोगे तो तुम्हारा जीवन उत्तम बनेगा और यदि नकारात्मक भाव रखोगे तो नकारात्मक हो जाएगा। शरीर की जीवनी शक्ति नकारात्मक हो जाएगी।

#### शरीर विचारों से प्रभावित

हमारा शरीर अपने विचारों से ही प्रभावित होता है। जो लोग जीवन को आंनद के रूप में, ऐश्वर्य व सफलता के रूप में, संगीत के रूप में स्वीकार करते हैं, उनका जीवन आनंदमय हो जाता है। हालांकि ऐसे लोग भी हैं जो जीवन को निराशा, असफलता व विपत्ति के रूप में स्वीकारते हैं, उनका जीवन आंसू बनकर बह जाता है। प्रश्न यह है कि हम अपने जीवन को आंनद के रूप में स्वीकारते हैं या दु:ख के सागर के रूप में, जीवन को इससे कुछ लेना-देना नहीं है कि वह जीवन में दुःख लेकर आए या सुख लेकर। जीवन तो सीधा जीवन है, आप उसे जिस पात्र में रखेंगे, उसका स्वरूप वैसा ही हो जाएगा। जैसे गंगाजल को घड़े में रखेंगे तो वह घड़े का और लोटे में रखेंगे तो लोटे का रूप धर लेगा। इसी प्रकार आप जीवन को जिस पात्र में रखेंगे उसका स्वरूप

#### संपूर्ण जीवन के स्वामी

जीवन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कैसा पात्र हैं। हम एक संपूर्ण जीवन के स्वामी हैं। यदि हमारे जीवन में कोई विकृति है, कोई विकार है तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि अब मेरा विकार नष्ट हो रहा है, दुर्गन्ध नष्ट हो रही है। मेरे जीवन में सद्गुण उदित हो रहा है। मैं स्वस्थ हो रहा हूं। मेरी इन्द्रियां स्वस्थ हो रही है। मेरी ऊर्जा शक्ति बढ़ रही है। ऐसे विचारों को प्रतिदिन प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना चाहिए और यह संकल्प लेना चाहिए कि मैं क्रियाशील रहूंगा। आलस्य का त्याग करूंगा। नशे का सेवन नहीं करूंगा। लोगों से मुस्कुराकर बात करूंगा। क्रोध पर विजय प्राप्त करूंगा। मन की सारी बुरी भावनाओं का त्याग कर दूंगा। अच्छे विचारों से प्रेरित होकर सुबह से शाम तक अपने काम को पूर्ण करूंगा। ऐसे विचारों के उदय होने से हमारे जीवन में आनंद के फूल खिलने लगेंगे।



## जागरूक मतदाता की पहचान, उंगली पे हो स्याही के निशान



विनोद कुमार सिंह

जागरूक मतदाता की पहचान,उंगली पे हो स्याही के निशान आपने जो अपने उंगली पर लगवाई स्याही के निशान,प्रजातंत्र की है यह प्राण । आज हम आप के समक्ष भारत चुनाव आयोग द्वारा ंमतदान केंद्र में मतदाताओं को वोट डालने से पूर्व मतदाताओं के बाये हाथ की एक उंगली पर स्याही का निशान जाता है।

गली पर लगवाई चमत्कारी स्याही के निशान, प्रजातंत्र की है यह प्राण

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव को राष्ट्रीय महापर्व के रूप मनाया जाता है इन दिनों लोक सभा साधारण चुनाव 24 के छठे चरण के पूरे होने के बाद अन्तिम सातवें चरण में पहुँच गया है।आजकल आप को एक फोटो दिख रहा है।चाहे आम आदमी हो या खास, राष्ट्रपति हो या उपराष्ट्र पति मंत्री हो या संतरी,जवान -बुर्जग, अमीर हो या गरीब, सभी लोग लोकतंत्र के महायज्ञ की कुण्डली में अपनी मतदान की आहुति डाल दिया है।जिसका सबसे बडा प्रमाण उनके बाये हाथ के तर्जनी उंगली पर लगी स्याही के निशान है जिससे इन दिनों सभी लोग अपनी फोटो खीच कर शोसल मीडिया पर तेजी से शेयर कर यह बताने की कोशिस कर रहा है कि प्रजातंत्र के महापर्व अर्थात चुनाव में उन्हे अपना वोट दे दिया है,आपने भी अपना मतदान कर दिया होगा या सातवे चरण

जागरूक मतदाता की पहचान, उंगली पे हो स्याही के निशान आपने जो अपने उंगली पर लगवाई स्याही के निशान,प्रजातंत्र की है यह प्राण । आज हम आप के समक्ष भारत चुनाव आयोग द्वारा मतदान केंद्र में मतदाताओं को वोट डालने से पूर्व मतदाताओं के बाये हाथ की एक उंगली पर स्याही का निशान जाता है।मै उसी स्याही के बारे में बताने जा रहे है। आप के उंगुली पर जो स्याही निशान लगाई गई है,वह कोई साधारण स्याही नहीं है,बिल्क चमत्कारी स्याही है।इस स्याही का निशान केवल भारत में ही नहीं लगाया जाता बल्कि दुनिया के कई अनेक देशों के चुनाव में इसी स्याही का निशान लगाया जाता है विश्व के कई देशों भारत से ही निर्यात की जाती है।आपको बता दे कि आपकी तर्जनी उंगली पर स्याही लगाने का सीधा अर्थ होता है कि आपने अपना वोट डाल दिया है। यह स्याही ऐसी होती है कि उसका निशान मिटाया नहीं जा सकता है। प्रारम्भ में स्याही बैगली रंग की दिखती है, जो कुछ समय साथ ही यह काली पड़ जाती है। इसे इंडेलिबल इंक के नाम से जाना जाता है।आपके मन में सवाल उठना स्वाभाविक



है कि आखरिकार यह स्याही बनती कहाँ है।तो मै आप को स्पष्ट कर दुँ कि तेलंगाना के हैदराबाद की रायुड़ लेबोरेटरी व कर्नाटक के मैसूर के मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड कंपनी में इसका उत्पादन किया जाता है।मैसर पेंटस और वार्निश लिमिटेड में बनी स्याही का इस्तेमाल भारत का चुनाव आयोग करता है जबकि रायुडू लेबोरेटरी में बनी स्याही दुनिया के दूसरे देशों में भेजी जाती है।दुनिया के करीब 90 देशों में इस स्याही का इस्तेमाल होता है इसमें से 30 देशों में स्याही की आपूर्ति मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड कंपनी भी करती है। शुरू आती दिनों में इस स्याही को छोटी बोतलों में भरकर निर्यात किया जाता था रायुडू लेबोरेटरी के सीईओ शशांक रायुड़ के मुताबिक आधुनिकतम तकनीकों के चलते 2014 के बाद से इस अमिट स्याही से बने मार्कर का निर्यात किया जा रहा है।चुनाव के दौरान बैंगनी रंग की इस स्याही को बाएं हाथ की तर्जनी पर लगाया जाता है।चुनावी स्याही में 10 से18 प्रतिशत मात्रा सिल्वर नाइट्रेट केमिकल की होती है।जब चुनाव अधिकारी इसे उंगली पर लगाता है तो यह हमारे शरीर में मौजूद नमक के साथ प्रतिक्रिया कर के सिल्वर क्लोराइड बनाता है।चूंकि सिल्वर क्लोराइड पानी में घुलता नहीं है तो यह हमारी त्वचा से जुड़ा रह जाता है।उंगली पर लगने के सेकेंड भर बाद ही यह अपना निशान बना लेता है और 40 सेकेंड में पूरी तरह सूख भी जाता है।खास बात यह है कि पानी के संपर्क में आने के बाद इसका रंग काला हो जाता है।आप चाहे जितना भी साबुन,पाउडर या तेल रगड़ लें,ये छुटेगा नहीं इसका निशान कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से मिटाया नहीं जा सकता।चुनाव आयोग के मुताबिक 2014 के आम चुनाव के दौरान 21 लाख बॉटल स्याही का ऑर्डर दिया गया था,जो 2019 के आम चुनावों में बढ़कर 26 लाख तक पहुंच गया था।इसका इस्तेमाल

1960 के दशक से हो रहा है। चुनाव आयोग की ओर से मार्च 2015 में जारी हुए एक आदेश के मुताबिक स्याही बाएं हाथ की तर्जनी उंगली के नाखून के आखरी सिरे से प्रथम जोड़ के नीचे तक ब्रश से लगाई जाएगी। जिस ब्रश से यह स्याही लगाई जाती है,उसका निर्माण भी मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड ही करता है।लोकसभा साधरण चुनाव 24 के छठे चरण में एक भारतीय नागरिक होने के नाते मैने भी प्रजातंत्र के महायज्ञ में आहुति के रूप अपना दक्षिणी दिल्ली स्थित एक मतदान केन्द्र में अपना मतदान करने स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ।वही पोलिंग बूथ के मतदान अधिकारी जो ईवीएम कंट्रोल यूनिट के प्रभारी होते हैं, उनका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि कंट्रोल बैलेट का बटन दबाने से पहले मतदाता (मुझे)मेरे बायें हाथ की तर्जनी उंगली पर स्याही का निशान पूरी तरह से लगाई गयी।जो आप के उंगली लगाई हो,जब आप अपना मतदान करेंगे तो लगाई जायेगी।एक सवाल यह भी उठता है कि अगर किसी मतदाता के हाथ पर पिछले चुनाव की स्याही का निशान लगा हो तो स्याही कहां लगाई जाएगी इस सवाल का जवाब चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को मार्च 2021 में लिखे एक पत्र में दिया है।आयोग ने इस पत्र में लिखा है, बाएं हाथ की तर्जनी पर अगर पिछले चुनाव की स्याही लगी हो और उसके निशान दिख रहे हों तो स्याही बाएं हाथ की तर्जनी की जगह मध्यमा या बीच की उंगली में लगाई जाएगी।चुनाव आयोग का कहना है कि अगर स्याही मध्यमा पर भी लगी हो तो अनामिका उंगली में लगाई जाएगी इसके लिए जरूरी है कि वर्तमान चुनाव और पूर्व चुनाव के बीच का अंतर दो महीने से अधिक का न हो।अब आप जरूर समझ गये होंगे।भारतीय लोकतंत्र के इस महापर्व के सातवें व अन्तिम चरण1जुन व 4जुन 24 को ईवीएम मशीन में डाले गए मत के नतीजें घोषित किये जायेंगें। जिनका सभी भारतीयों के संग देश व विदेशी राजनीतिक पंडितयों को इंतजार है ,क्योंकि विजयी हुए प्रतिनिधि ही विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र के मन्दिर संसद भवन में 5वर्षों के लिए अपने क्षेत्र व देश के भविष्य लिए अंहम भूमिका अदा करेंगें।

## संपादकीय

### अकेले महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

अमेरिका की प्रजनन दर में 2023 के दौरान 2प्र. की गिरावट दर्ज की गयी है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की ताजा रपट के अनुसार आस्ट्रेलिया में भी समान पैटर्न नजर आ रहा है। कह रहे हैं कि कोविड-19 महामारी के चरम के वक्त प्रजजन दर में अस्थाई वृद्धि देखी गयी थी। जिसे छोड़ कर अमेरिकी प्रजनन दर लगातार गिर रही है। इससे कम प्रजनन दर के मामले में जापान, दक्षिण कोरिया व इटली हैं। अमेरिका व आस्ट्रेलिया में इस वक्त प्रजनन दर 1.6 है। जबिक दक्षिण कोरिया में 0.68 रह गयी है। इन देशों में जितने बच्चे जन्म रहे हैं, उससे ज्यादा मौतें हो रही हैं। असल सवाल महिलाओं के कम बच्चे पैदा करने पर जा अटकता है। यूं भी आस्ट्रेलियाई महिलाएं दुनिया में सबसे शिक्षित हैं। पढ़ाई को काफी वक्त देने के बाद वे करियर बनाने में ज़ुट जाती हैं। बच्चे पालना महंगा तथा समय लेने वाली जिम्मेदारी हैं। महिलाएं ही नहीं पुरुष भी स्थाई नौकरी व आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। अमीर देश ही नहीं, दुनिया भर के 204 देशों और क्षेत्रों में से 155 यानी 76प्र. में 2050 तक प्रजनन दर जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर से नीचे पहुंच जाएगी। जनसंख्या को स्थिर बनाये रखने के लिए प्रति महिला 2.1 प्रजनन दर की आवश्यकता है। चूंकि अपने यहां इस वक्त उर्वर यानी 18-35 की उम्र वालों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक तकरीबन साठ करोड़ बतायी जा रही है। विश्लेषकों का अनुमान है कि जनसंख्या 2064 में लगभ 9.7 अरब पहुंच सकती है। मगर 2100 में यह सिकुड़ कर 8.8 अरब पर थम सकती है। प्रजनन दर में आने वाली गिरावट के लिए अकेले महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह सच है कि बच्चों के लालन-पालन में लगने वाले समय, ऊर्जा व धन को लेकर मानदंड बलदते जा रहे हैं। दूसरे देर से युवावस्था की ढलाने में हो रही शादियां व प्रजनन क्षमता में होने वाली गिरावट/दिक्कतों की अनदेखी नहीं की जा सकती। बदलती जीवन-चर्या, आर्थिक दबाव, करियर की बढ़ती मांगे, प्रतिस्पर्धा आदि ने युवाओं का जेहनी सुकृन छीना है। बच्चों की देखभाल की उचित व्यवस्था का अभाव भी युवाओं को परिवार बढ़ाने से विमुख करता है। यह जटिल समस्या नहीं है, इसे लाइफ स्टाइल से जोड कर देखा जाना चाहिए और इसे सुधारने के प्रति सभी को आगे



#### धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

## जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने



श के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान. दिल्ली. कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले महर-ख़ुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है. आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनको कथनो और करनो को असमानता हो बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे

वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है।

वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दशार्ते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं।

भारत के गावों में रहनेवाले करीब 20 करोड़ परिवारी के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या

बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय

जल के संरक्षण में मदद मिले? सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्रा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जगली को उजाड़ा गया, उसका खोमयाजा हमें और आने वाली पीढियों को भुगतना पडेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है।

हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दशार्या गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, 'अभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैं।

## चुनाव के अंतिम चरण में मुजरा करती राजनीति



कसभा चुनाव के लिए मतदान का अंतिम चरण १ जून को समाप्त होगा,इससे पहले राजनीति में मुजरा बाकी रह गया था ,लेकिन पाटिलीपुत्र में माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी वो भी करा ही दिया। मोदी जी के मुजरा उल्लेख के बाद समूचा विपक्ष मुजरा करता नजर आ रहा है। मुझे लगता है की मोदी जी ने जिस तरिके से मुजरा शब्द का इस्तेमाल किया है उसे लेकर बिदकने की जरूरत नहीं है ,क्योनी मोदी जी खुद मुजरा का वास्तविक अर्थ शायद नहीं जानते । उन्होंने मुजरा का इस्तेमाल तंज

के रूप में किया है। प्रधानमंत्री ने पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में एक रैली में कहा कि- ह्याह्यबिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है. मैं इसकी धरती पर यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की ह्यइंडिया गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दुंगा. वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को ख़ुश करने के लिए मुजरा कर सकते हैं.जाहिर है की मोदी जी को मुजरा करना या तो आता नहीं है या फिर वे इसे रोज करते हैं लेकिन जानते नहीं हैं।

मेरी दृष्टि में मुजरा कोई असंसदीय शब्द नहीं है

,लेकिन इसमें सामानवाद की बू जरूर आती ह। चूंकि मुजरा प्रथा मुगलकालीन है और बाद में सभी जातियों कि सामंतों ने इसे इस्तेमाल किया इसलिए इसे आप सामंती तो कह सकते हैं किन्तु असंसदीय नहीं। दरअसल मुजरा संस्कृति हुजूर से निकल क्र जब कोठों में प्रतिष्ठित हो गयी तो लोग इससे बचने लगे। मै चूंइक आजादी कि पहले की एक बड़ी रियासत रहे ग्वालियर में रहता हूँ इसलिए मुजरे कि बारे में बाखूबी जानता हो। हमारे यहां सिंधिया कि महल में आज भी मुजरा किया जाता है। छोटे बड़ों को मुजरा करते ही है। मैंने इसी महल में स्वर्गीय अर्जुन सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तक को मुजरा करते देखा

कहते हैं की जब आप किसी कि हुज़ुर [दरबार या अदालत ] में जायेंगे तो आपको झुककर नमस्कार तो करना ही होता है। यही मुजरा है। मुजरा आदर प्रकट करने का तरीका भर है कोटों पार तवायफों द्वारा किया जाने वाला मुजरा भी करीबन-करीबन इसी सभ्यता का सांस्कृतिक स्वरूप ह। वैश्याएं बैठकर मुजरा करतीं हैं ,बाद में इसमें हिन्दुस्तानी नृत्यशैली कि अनेक अंग शामिल कर लिए गए। मुरा सलीका है और इसे सीखने कि लिए पुराने जमाने में वैश्याएं बाकायदा एक ट्यूटर की भूमिका में होतीं थी । सामंतों कि बच्चों को मुजरा करने का अंदाज इन्हीं वैश्यों से सीखना पड़ता थी । मुजरा ईश्वर कि साथ ही आपके मौजूदा मालिक [स्वामी] को भी प्रसन्न करने की एक विधा है ।

मोदी जी को आपत्ति मुजरा करने पर नहीं है। उनकी आपित इस पर है की ये मुजरा अव्वल कांग्रेस क्यों करती है और मुसलमानों कि लिए क्यों करती है ? मुजरा विनम्रता की निशानी है। खुश करने का तौर-तरीका है । मोदी जी बहुसंख्यकों कि सामने मुजरा करते हैं ,लेकिन उन्हें पता नहीं होता की वे जो कर रहे हैं वो मुजरा है। आरक्षण कि मुद्दे पर मोदी जी बहके हुए हैं और इसीलिए बार-बार कहते हैं की वे मर जायेंगे लेकिन पिछडों कि आरक्षण पर किसी को डाका नहीं डालने देंगे। मोदी जी हर चीज पर अपना एकाधिकार चाहते है। मुजरे पर भी उन्हें एकाधिकार चाहिए। मोदी जी बीते एक दशक से बहुसंख्यक हिन्दुओं कि सामने मुजरा कर रहे हैं लेकिन किसी ने कभी उज्र नहीं किया। कांग्रेस ने तो बिलकुल नहीं। एक हकीकत ये भी है की राजनीति कि अलावा किसी और धंधे में मुजरा करने की न तो जरूरत पड़ती है और न मुजरे की कोई परम्परा है। चाय बेचने में तो कोई किसी का मुजरा नहीं करता। पैसा फैंको और चाय पियो । सियासत में तो बिना मुजरा करे न आपको संगठन में कोई पद मिलेगा और न टिकिट। जीत गए तो मंत्रिपद पाने कि लिए मुजरा करना पडेगा ही। मुझे याद है कि एक जमाने में जब रानी महल में राजमाता संप्रभु थीं और जनसंघ का जमाना था तब जनसंघ कि तमाम नेता महल में राजमाता विजयराजे सिंधिया के सामने पूरी श्रद्धा से मुजरा करते थे। भाजपा कि तमाम छोटे-बड़े नेताओं ने भी मुजरा करते देखे जा सकते

मुझे नहीं पता की मोदी जी ने अपने मुसलमान विरोधी रवैये की वजह से अपनी युवावस्था में मुगलेआजम फिल्म देखी या नहीं देखी। यदि देखी होती तो वे मुजरे को अपने व्यंग्य के लिए इस्तेमाल नहीं करते। मोदी जी की टिप्पणी से आहत विपक्ष ने तो अपने गुस्से का मुजाहिरा कर दिया लेकिन मुजरा करने वाली वेश्याएं खामोश हैं। वैश्याएं मतदान करने जाती हैं या नहीं मुझे नहीं पता। लेकिन यदि जातीं होंगी तो वे चुनाव के बाद इसका संज्ञान अवश्य लेंगीं। मुजरा साष्टांग दंडवत से ज्यादा अच्छा तरीका है। दंडवत प्रणाम करने के लिए लकुटी की भांति भूमि पर लेटकर अपने छहों अंगों को जमीन से मिलना पड़ता है। मोदी जी को मुजरा करना नहीं आता लेकिन दंडवत प्रणाम करना आता है । वे मुजरा करते नहीं बल्कि कराते है। वे चाहते हैं कि कांग्रेस और समुचा विपक्ष अल्पसंखयकों का मुजरा

करना छोड़ उनके सामने मुजरा करे।

वर्ष 2024 के आम चुनाव में सियासत ने सब कुछ तो करवा डाला ? पहले एक के बाद एक नया हौवा खड़ा किया गया और जब इन हौवों से भी मतदाता का मिजाज नहीं बदला तो वे मुजरे पर आ गए। 4 जून की तारीख वो तारीख है जो बताएगी की मुजरा कौन कर रहा है और कौन देख रहा है ? मुजरे में नृत्य,संगीत ,अंग संचालन का बड़ा महत्व है। मुजरा वैश्याएं करें या नेता करें । कोई फर्क नहीं पड़ता ,लेकिन फर्क तो तब पड़ता है जब मुजरा करने के बाद कोई खुश होता है या नहीं। जिन लोगों ने मोदी जी के हुजूर में मुजरा नहीं किया उन्हें चुनाव से पहले ही ब्लैकलिस्ट कर दिया गया और जिन्होंने किया उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।मोदी जी के इजलास में मुजरा करने से बचने की कोशिश करने वालों को क्या-क्या नहीं भुगतना पड़ा।

मुजरा करने की आगे भी ये रिवायत आगे भी जारी रहने वाली है। वोट के लिए साष्टांग दंडवत प्रणाम करने से अच्छा तो मुजरा है। झुको लेकिन आधे झुको। पूरा झुकना तो गुलामी का प्रतीक है पिछले दो महीने से बड़े से बड़े तुर्रम खान जनता के इजलास में मुजरा ही तो कर रहे थे। अभी एक जून तक ये परम्परा जारी रहेगा । मुजरा करने पर न तो किसी को तड़ीपार जाना पड़ता है और न ही संसद से बाहर किया जा सकता। मुजरा करने वाले का कभी कोई नुक्सान नहीं होता । बेहतर है कि देश कि नेताओं में मुजरत्व बचा रहे। ताली बजाने या थाली बजाने से बेहतर है की आप मुजरा करें। मै मुजरा शब्द कि इस्तेमाल कि लिए माननीय प्रधानमंत्री की निंदा नहीं करता। लेकिन उनकी सराहना भी नहीं करना चाहता,क्योंकि वे इस हबड का इस्तेमाल किये बिना भी अपनीबात कह सकते थे। मोदी जी ने मुजरा शब्द का इस्तेमाल गुस्से में किया है ,जो उचित नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

## Global headwinds bring India, US closer

RUSSIAN President Vladimir Putin's recent visit to China underlines the depth of the gradually developing close relationship between Moscow and Beijing. This embrace has geopolitical ramifications both at the regional and global levels. From the Indian perspective, in view of the ongoing Chinese expansionism in the Himalayas, any Russian support to this adventurism would be detrimental to India's security interests. Against this backdrop, there is a need to examine the possible trajectory of Indo-US defence cooperation after the elections in both countries. As far as the Indian elections are concerned, the indications are that the present dispensation is likely to retain power. In such an eventuality, it would be fair to assume that the current stance of New Delhi on India-US ties would continue, leading to a steady growth in the relationship.In the US elections — polling is due in November — it is too early to hazard a guess as to whether Joe Biden or Donald Trump will win, especially amid the latter's legal troubles. In case of a Biden victory, the current set of US policies is likely to be followed through in relations with India. However, if Trump wins, some changes can be expected. The quid-pro-quo approach vis-à-vis European members of NATO that Trump followed during his presidency could well be adopted by him while dealing with India.

Irrespective of who becomes the US President, the competitiveness between an aggressive and expansionist China and the US is likely to grow, accentuating the geopolitical divide at the global level.n the regional sphere, the Indian growth story and Chinese aggressiveness have resulted in a confrontational situation, which has defied resolution despite 21 rounds of military-level talks. At the political level, too, no headway

appears to have been made. India is the only nation in the region which has physically resisted Chinese attempts at grabbing territory along the Line of Actual Control (LAC). In the Ladakh sector, China has steadfastly refused to withdraw from several areas it occupied, resulting in an eyeball-to-eyeball deployment. Further, Sino-Pakistan collusion has raised the possibility of a two-front threat to India in the sensitive J&K region. The commonality of perceived threats is a driver of closer Indo-US ties. It has taken the US considerable time to grudgingly accept the Indian stance of 'strategic autonomy' in view of the coinciding national interests. The grant of Tier-1 status to India in 2018, the signing of four key foundational agreements (the Communications Interoperability and Security Memorandum of Agreement, the Logistics Exchange Memorandum of Agreement, the General Security of Military Information Agreement and the Basic Exchange and Cooperation Agreement) and the commencement of the 2+2 dialogue between Quad partners is indicative of the growing Indo-US convergence. Over the past 25 years, China's defence budget has officially been 3-4 times larger than that of India. Unofficially, its budget could roughly be one-and-a-half times the official figures. This has created a huge military capability gap between the two, which is partially offset by excellent and superior fighting ability of our soldiers. So, India has to tread carefully while dealing with the Chinese. Thus, in the Quad deliberations, India has steered clear of security issues in view of the Chinese sensitivities. This aspect has been well understood by India's Quad partners. Defence trade between the US and India has increased substantially in the past 15 years. In 2020, the US Congress authorised \$25 billion worth of defence sales to India up to 2025-26. New Delhi is keen on joint research and production with transfer of technology (TOT) in defence equipment. However, an agreement on this issue is yet to materialise. It needs to be appreciated that technologically, the US is far ahead of India in advanced defence weaponry. Hence, any agreement in this field will entail the US sharing high-end technology details with

## Uttarakhand beset by Char Dham Yatra chaos, forest fires

The hill state is facing the double whammy of environmental disasters and climate change.

THE Uttarakhand Government led by Chief Minister Pushkar Singh Dhami is responsible for plunging the state into one disaster after another. The most recent example is the gross mishandling of the highprofile Char Dham Yatra, considered a big moneyspinner. It was inaugurated on May 10, and within its first 14 days has left over 45 pilgrims dead and many injured.In 2023, the yatra resulted in the death of over 200 pilgrims due to high-altitude sickness, landslides, etc. The administration had a good six months to prepare for the 2024 event since the doors of the four shrines were closed in early November. They could have used this time to introduce basic

safety measures such as widening the pathways leading up to the shrines, ensuring basic health facilities and preparing a roadmap for the smooth flow of traffic.Instead, on the first day itself at the Yamunotri shrine, with a carrying capacity of around 4,500 people, there were about 45,000 tourists awaiting their turn on a narrow, unsafe pathway, holding on for dear life to a rickety bamboo railing where one false step would have seen them plunging down a deep crevice. The traffic jam to get to Yamunotri was 45 km long and yatris complained that they had to wait 10-12 hours for darshan. The picture was no different in Kedarnath, which on the first day saw a crowd of nearly 80,000 yatris making their way up to the shrine,

only to be met by heavy snow and rain; hotels were charging astronomical amounts, which the majority could ill afford. The story in Badrinath was equally chaotic. Pilgrims braved the cold to stand in long queues from 2 am, and when the temple door's finally opened, priority was given to VIP darshan. This so incensed the yatris that they broke into protests and anti-government sloganeering. With social media flooded with videos of serpentine queues and angry devotees, the state government threatened to take legal action against those spreading fake news or videos to defame the yatra.Local residents have taken to social media, demanding that the administration regulate the flow

violence that has worsened since the October 7 attack by

Hamas and the subsequent Israeli counter-assaults.

of pilgrims and vehicles entering Uttarakhand as the present revenue-driven model was creating fresh environmental challenges. Garbage disposal has emerged as one of the biggest challenges since most of this waste ends up polluting the rivers that originate from the higher Himalayas.

The yatra was preceded by forest fires, which burnt down vast tracts of deciduous and oak forests. Forest fires had started simmering across the state in November 2023. Lack of winter rain and the dry summer spell have seen them spread to practically every forest-covered district from Pauri Garhwal to



the Kedarnath and Badrinath valleys to the Kumaon hills, including Nainital, Bhowali and Haldwani, across Bhimtal and Sattal right up to Munsiyari, which lies on the Nepal border. The fire-induced haze was so thick that it led to the cancellation of flights to the Naini-Saini airport in Pithoragarh.

ccording to satellite pictures, and confirmed by the Forest Survey of India, 40 per cent of Uttarakhand's once-dense forests have been burnt to cinders and yet we have a state government informing the Supreme Court that only 0.1 per cent of the forest cover has been affected. It was only when these fires reached Nainital that the Indian Air Force was asked to step in and assist in putting out these fires. Dhami and Forest Minister Subodh Unival returned to the state after election campaigning in Telangana and Karnataka when senior bureaucrats received a rap on their knuckles from the Supreme Court.

These fires have dried up thousands of springs, which are the only source of drinking water for the local people and have converted this once-beautiful state into a veritable gas chamber, which is impacting the health of its people. The young and elderly are complaining of irritation in the eyes and are being admitted to hospital because they are facing difficulty in breathing.ut the most shocking part of this saga is that the entire burden of controlling these

fires has fallen on the shoulders of the understaffed and ill-equipped foresters, who are working 10 to 12 hours at a stretch, armed with little more than garden rakes and tree branches to control these fires that are racing across the mountain slopes, devouring everything in their path.In a clear violation of an apex court order, the state government managed to secure permission from the Environment Ministry to do mining in its rivers as well as earn enormous profits from the sale of dug-up minerals, sands and stones. The rivers are drying up due to deforestation, excessive mining and pollution. During the summer months, they are

little more than glorified nullahs. But the mining pits dug in these rivers are so deep that several people have drowned in them.

n February last year, the CM went to New Delhi to meet Environment Minister Bhupendra Yadav in order to get permission to continue mining in four rivers (Kosi, Gaula, Sarda and Nandaur) for 10 years. After his meeting with Yadav, he wrote on social media: "Under the leadership of the doubleengine government, we are always working towards the development and prosperity of the region."

Unfortunately, Uttarakhand is facing the double whammy of climate change and unprecedented environmental disasters.

### Two-state advocacy

Three European countries recognise Palestine



Hopefully, it will inspire other Western countries to follow suit and step up international pressure for a ceasefire and meaningful negotiations. Salman Rushdie has also pitched into the already muddied

India has maintained a consistent policy, advocating for direct negotiations to establish a sovereign, independent Palestine coexisting peacefully with Israel. It has reiterated its long-standing support for a two-state solution, though Prime Minister Modi's tweet condemning the initial Hamas attack was interpreted by some observers as a shift in

feanwhile, the International Criminal Court has issued arrest warrants against the Israeli PM and Defence Minister and three Hamas leaders for alleged war crimes. With the International Court of Justice hearing South Africa's appeal to

stop Israel's attacks in Rafah, the global clamour for accountability and justice is growing

### The rise of gold and the fall of dollar

The fetish for gold will vanish if the global community were to fully grasp the shocking level of environmental degradation caused by gold mining.

THE trend of rising gold prices in the last few months does not reflect the usual market fluctuations of supply and demand conditions for this 'precious' metal. But it signifies not only the uncertain global economic conditions but also, even more importantly, the changing geo-political world order afflicted by conflicts. The spot gold prices hit a record of \$2,431.29 per ounce on April 12. The rise in gold prices has become linked to three other global changes: the rise in demand for gold reserves by Central banks, the Russia-Ukraine war and the declining reserves of dollar in the foreign currency reserves by Central banks.

When Russia invaded Ukraine over two years ago, the USled NATO military bloc did not want to participate in a direct military confrontation with Russia because of the potentially dangerous implications for Europe, and most importantly, for Germany, the largest European economy that was critically dependent on Russian gas supplies for its energy needs. This strategy of avoidance of direct military intervention by the US is also the product of the military and political failures of past US interventions in Iraq and Afghanistan. The Biden administration, in consultation with its key European allies, decided to use the economic weapon of sanctions to cripple Russia economically and, through that, militarily. The US froze Russia's dollar reserves in the hope that — since dollar was the most accepted foreign currency in global trade — Russia will be isolated economically and that this isolation would create adverse domestic economic conditions in Russia and possible domestic unrest, forcing Putin to halt Russian aggression and eventually to surrender to a ceasefire acceptable to the US.

American economic and security strategists could not have imagined that weaponising the dollar would backfire. This weaponisation of currency alerted the policy strategists in all countries that had tense relations of one kind or another with the US that they could one day be subjected to dollar sanctions. This fear led the Central banks of several important countries to go on a gold-



buying spree and reduce dependence on dollar reserves in their foreign currency reserves. The World Gold Council's latest report, published in April, points out that in the first quarter of 2024, the demand by Central banks to buy gold reached record highs. Four countries that were especially noted to have led the high demand were: China, India, Turkey and Kazakhstan. No official announcement from any of these countries would suggest that they are buying gold because of their concerns about possible dollar sanctions in future, but it is obvious that substantial gold reserves in an uncertain world ensure not only safety but also a sound investment. Given the very tense relations between the US and China especially because of their clashing strategic interests in Taiwan, the Dragon has been the most aggressive buyer

of gold of late. China's Central bank (The People's Bank

of China) was the largest official sector buyer of gold in 2023. According to the World Gold Council, China's net purchases of gold were 7.23 million ounces, or 224.9 metric tonnes, the highest ever purchase in a single year since at least 1977. China's continuous 18-month goldbuying spree led to the accumulation of its gold reserves equal to 72.8 million ounces of gold by the end of April. Its value is equal to a staggering \$167.96 billion. That it's the demand by Central banks to increase their gold holdings — which has been the prime mover behind gold price rise — is also demonstrated by the fact that the demand for gold for jewellery during this period had decreased as a result of high prices.

The increasing demand for gold reserves by Central banks was accompanied by a decrease in dollar reserves. The dollar had an overwhelming dominance in global

currency reserves for several decades after the Second World War. The dollar was considered the safest currency to hold. Even till the 1990s, the share of dollar in official foreign exchange reserves was 70 per cent, according to the International Monetary Fund data. This has now come down to 58 per cent of the global reserves. The attempt by US strategists to weaponise the dollar through sanctions against Russia has certainly created difficulties for some Russian citizens at home or abroad in their foreign exchange transactions, but it has failed to subdue the Russian state, which has managed to bypass these sanctions. The India-Russia trade in rupees and roubles for the purchase of oil by India from Russia along with some aspects of Russia-China and Russia-Iran trades are some examples of bypassing the dollar. The global confidence in the dollar has been eroded, which, in turn, has diminished one key aspect of America's source of power in the global political economy. Though the dollar remains a strong currency, global trust in it as a reserve currency has suffered a decline. The narratives of de-dollarisation or the alternative BRICS currency floated by President Lula of Brazil - and supported enthusiastically by Russia, silently by China and hesitantly by India — along with the trend of increasing gold reserves are reflections of the declining importance of dollar as a global reserve currency and America as the most dominant global economic power.

Such epochal changes do not take place suddenly. There may even be reversals or — if Trump returns to power in the US — an acceleration of decline in America's influence because of his blinkered vision of American isolationism couched as American nationalism.

It is not difficult to imagine that if there were to be peace in the world, gold would lose the importance it has acquired in the commodified world we live in because, as Karl Marx theorised, gold had no use value, it only had exchange value. The fetish for gold will vanish if the global community were to fully grasp the shocking level of environmental degradation caused by gold mining.

#### AUM of smaller towns rises to Rs 10L cr in Apr

MUMBAI: The massive inflows into mutual funds, which have grown over 37% in April to cross the Rs 57 trillion (Rs 57 lakh cr) mark, have also spawned an unsung hero — the B30 cities, which are those small cities and towns beyond the top 30 — whose collective AUM has surpassed the Rs 10-trillion-mark for the first time in April, gaining 44%.

The assets under management (AUM) of the 45-player mutual fund industry have seen an annual growth of 37% and a monthly growth of 3.6% in April, to Rs 57.3 trillion. In FY24, the industry clipped at over 37 % to scale past Rs 55.01 trillion mark. The total assets of B30 cities, the next 30 growth drivers beyond the top 30 (T30) cities, rose 3.43% to Rs 10.16 trillion, to cross the 10 trillion for the first time, in April 2024 from Rs 9.83 trillion in the past month, as per an analysis by Icra Ratings.On an annulaised basis, this was a full 44 percent growth over April 2023, while the total assets of T30 centres grew 36%. Of the total AUM as much as 41% still come from Maharashtra and Delhi is a pale 8.4%, and 28 which are collectively known as the T30 cities saw total assets rising 3.69% month-on-month to Rs 46.85 trillion in April from Rs 45.18 trillion in

### How RBI's record Rs 2.1 lakh crore dividend payout to government may help improve India's credit rating

**NEW DELHI**: The record Rs 2.1 lakh crore dividend that the government will receive from the Reserve Bank of India (RBI) is a positive development, as it is nearly double the amount budgeted from all financial institutions combined. Several factors could have contributed to the record profit, including the significant increase in interest rates in the United States, where the RBI invests a substantial portion of its \$644 billion foreign exchange reserves (Rs 54 lakh crore), says says a TOI analysis by Mayur Shetty.

Additionally, the RBI has been actively buying and selling dollars this year compared to the previous year, as foreign institutional investors (FIIs) have been selling equities. Furthermore, the RBI's money market operations have played a role in its earnings. To combat inflation, the RBI has maintained liquidity in a deficit mode, providing opportunities to lend to banks.

RBI serves as both a regulatory body and a monetary authority, responsible for managing the money supply and overseeing foreign exchange markets. To stabilize the rupee against speculative inflows, RBI accumulates foreign currency reserves.

Also Read | Explained: How RBI managed to give the highest ever Rs 2.1 lakh crore dividend payout to governmentDuring challenging times, such as the global financial crisis or the pandemic, central banks expanded their balance sheets through quantitative easing, which involves injecting money into the economy by purchasing bonds from banks.

As a result, RBI earns profits from interest on domestic and foreign bonds, as well as from market operations. In its forex operations, RBI sells dollars it purchased during times of surplus when there is a scarcity, making a substantial profit as these sales are at prevailing market prices. However, generating profits is not the primary goal for RBI. The surpluses are a byproduct of RBI working towards its objectives of maintaining financial and market stability. It is often observed that RBI generates more profits during difficult times because it is during crises that the central bank's intervention in forex and money markets intensifies. Profit cannot be an objective for the central bank in its market operations, as RBI is the biggest insider in the market. While the RBI can create money, the dividends it pays to the government come from its actual earnings. A significant portion of these earnings is derived from higher interest income on foreign securities and profits from selling foreign exchange. This record surplus could aid India in improving its credit rating, the TOI analysis says.

### FPIs offloaded over Rs 22,000 crore Indian stocks so far in May, pace lately slowed

NEW DELHI. The selling spree in Indian stock markets by foreign portfolio investors (FPIs) turned aggressive in May, standing now at Rs 22,046 crore with a few more days still to go as the month ends.

The consistent offloading of money from Indian stocks is partly attributable to a strong US dollar, sticky inflation, particularly in the food segment, and poll outcome-related anxieties. However, in the past few sessions, they seemed to have slowed down on selling, expecting a strong performance in the indices. Both Nifty and Sensex also touched all-time highs this week, accumulating huge sums of money for investors.A week ago, the total selling, cumulatively, was around Rs 28,000 crore, data from National Securities Depository Limited (NSDL) showed."The bumper dividend payout of Rs 2.11 lakh crore from RBI to the central government for the fiscal year would have caused FPI to reconsider its strategy and temporarily halt selling," said Vipul Bhowar, Director, Listed Investments, Waterfield Advisors."The long-term outlook for foreign portfolio investment (FPI) flows into Indian debt is positive due to India's inclusion in global bond indices. However, near-term flows are being impacted by global macroeconomic uncertainty and volatility. The trend will reverse once the interest rate outlook becomes clearer," added Bhowar.According to VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, "The FII selling which began as a trickle in April turned into a flood in May."Going forward, as clarity emerges on the election front, FIIs are likely to buy in India since they cannot afford to miss the post-election results rally. Actually, the rally may begin even before the election results," he added. In April too, FPIs were net sellers in Indian stocks, as the ongoing geopolitical crisis in the Middle East then likely pushed investors to take money off their portfolios. FPIs, who continued to remain net buyers for the third month until till mid-April, have cumulatively sold stocks worth Rs 8,671 crore by the end of the month.

## Hits and misses of aviation sector in 10 yrs

NEW DELHI. When Prime Minister 10% CAGR in 10 years Narendra Modi-led NDA came to power India's aviation industry has witnessed a in 2014, domestic aviation industry was reeling under severe pressure following the grounding of Kingfisher Airlines. Huge losses, piling debts, employee protests and promoter Vijay Mallya fleeing to the United Kingdom made all the wrong headlines for the sector.

Against the backdrop, another private airline - Spicejet - was facing turbulence as its new promoter - media baron Kalanidhi Maran - realised why many billionaires avoid owning an airline. In less than a year since the new government came into power, SpiceJet was sold back to Ajay Singh.Fast forward to 2024 and the sector is yet out of the woods. In the last 5 years, two major airlines - Jet Airways and Go First - succumbed to financial woes while many smaller players vanished in the covid 19 pandemic. The big change for the industry, however, has been the privatisation of Air India and the emergence of two strong players. Having made combined orders of more than 1100 planes, the Tata Group-led Air India and Înterglobe Aviation (IndiGo) have set ambitions to define the world's fastest-

compounded annual growth rate (CAGR) of 10% in domestic passenger traffic in the last 10 years i.e. between FY2014 and FY2024. This growth was supported by a growing economy, improvement in infrastructure and connectivity to regional centres. The number of operational airports doubled from 74 in 2014 to 148 in April 2023.

Kinjal Shah, Vice President & Co-Group Head - Corporate Ratings at ICRA Limited, said that this growth has to be looked at in two parts – pre-pandemic, that is, between FY2014 and FY2020, the domestic air passenger traffic reported a CAGR of 15%, while the growth was impacted since FY21 as the restrictions associated with the pandemic stalled passenger movement during FY21 and FY22. The recovery in passenger traffic was significant with a CAGR of 35% between FY22 and FY24. "However, over the same period, the growth in capacity, as denoted by available seat kilometers or ASKMs grew at a CAGR of 8% and has lagged the passenger traffic growth," added Shah. The main reason for this is the collapse of several carriers.Pragya Priyadarshini, Vice President at Primus



Partners, said that in the past, airlines worked hard to attract passengers, but now they are struggling to add more capacity, which has led to high fares. Most airlines are already operating at 85% and above passenger load capacity, indicating the need for increased capacity to meet demand, added Priyadarshini.

#### The big misses

While the government's ambitious regional connectivity scheme (RCS) - Ude Desh Ka Aam Nagrik (UDAN) and privatization of highly loss-making Air India are touted as the big positives for the industry, the collapse of numerous airlines in a tough regulatory environment remains a big concern. Despite a lengthy bankruptcy process, Jet Airways 2.0 is yet to take off and hopes of crashed. Further, the credit profile of a few existing players remains weak. 'While some airlines have adequate liquidity and/or financial support from a strong parent, supporting their credit profiles, the credit metrics and liquidity profile of others will remain under stress over the near term, despite some improvement relative to the last few years," said Shah of ICRA.Even the much-applauded UDAN scheme has its shortcomings.

The Comptroller and Auditor General (CAG) in August 2023 had said that only 54 routes or 7% of all awarded routes under UDAN have managed to sustain operations beyond the three-year concession period. CAG had flagged that out that 52% (403 out of 774 routes) of the awarded routes were unable to commence operations. Additionally, the scheme's main goal to provide tickets at affordable prices has been questioned.

Further, the most populous nation's ambition to become a global aviation hub remains a project on paper and more than 55% of its International travel is still catered by foreign airlines. The recent effort by IndiGo and Air India to induct more wide-body aircraft is likely.

## Nishant Pitti withdraws bid for bankrupt Go First

NEW DELHI: EaseMyTrip's chief executive officer Nishant Pitti on Saturday said he is withdrawing the bid for the bankrupt airline Go First.

After careful consideration, I have decided to withdraw from the GoAir bid in my personal capacity.

This decision allows me to better focus on other strategic priorities and initiatives that align with our longterm vision and growth objectives,' said Pitti, Founder & CEO of the travel port EaseMyTrip.

More than three months back, Busy Bee Airways, majority-owned by Pitti, along with SpiceJet Chief Ajay Singh, had put in a bid for Go First, which is undergoing an insolvency resolution process. It is not immediately known whether Singh would go ahead or withdraw his plans

The latest move by Pitti comes less than a month after the Delhi High Court

allowed lessors to take back 54 planes Meanwhile, Pitti's announcement about leased to Go First. This order, according to experts, has the capability to derail



the revival process of airline as it would leave minuscule assets for the bidders who have shown interest in acquiring the airline. Following this order, Pitti had said he will consider any necessary adjustments to its proposed offer for the grounded airline after reviewing the

the withdrawal of the bid also comes a day after EaseMyTrip on Friday

reported a consolidated loss of Rs 15.07 crore for the March quarter and a full-year profit after tax of Rs 103.46

Go First stopped flying on May 3, 2023, and its plea for voluntary insolvency resolution proceedings was admitted by the NCLT on May 10 last year. Apart from Ajay Singh-Busy Bee Airways, Sharjah-based Sky One FZE had submitted a bid

On April 8, the National Company Law Tribunal (NCLT) again extended the deadline to complete Go First's insolvency resolution process by 60 days to June 3. Prior to this extension, the deadline was April 4.

#### Markets to Track Global Cues, May Witness Gradual Upmove Ahead of **Lok Sabha Poll Results: Analysts**

Equity markets may witness a gradual up-move this week with some volatility as both election and earnings season are nearing their end, analysts said, adding that global trends and trading activity of foreign investors would hold significance in dictating investors' sentiment.

Benchmark indices, which had a record-breaking rally last week, would also track global oil benchmark Brent crude and the rupee-dollar trend. The monthly derivatives expiry on Thursday may also fuel volatility in markets.

We have reached the final curtain for the Q4 earnings season. Many companies, including names like Tata Steel, will release their financial results this week. Positive earnings from the final quarter could provide strength to the market to continue its bullish momentum.

We are very close to the Lok Sabha election results, and the election verdict will give a boost to FII flows," said Pravesh Gour, Senior Technical Analyst, Swastika Investmart Ltd.



### Assam small tea growers facing uncertainty as factories to stop production over quality regulations have not received any response yet,"

GUWAHATI. Small tea growers in Assam, who account for nearly half of the tea grown in this North Eastern state, are staring at uncertainty with the bought leaf tea factories (BLFs) to stop procuring their green leaves from next month over quality compliance regulations. The Assam Bought Leaf Tea Manufacturers Association (ABLTMA) had announced shutting down its factories from June 1 as it is not possible to produce FSSAIcompliant teas from untested green leaves provided by small growers.

A Team Board India notification earlier this year made it mandatory for manufacture of only compliant tea by the BLFs. With no testing done of the green leaves, if the made tea is found non-compliant when sent for mandatory public auction, the failed teas will be destroyed with penal action against the BLFs, as per the notification. The small-scale planters, on their part, maintained that they are working on cent per cent compliance by all their members, while urging for more time to ensure it and seeking government intervention in the matter. 'We have written to the state government

and Tea Board to intervene. But we

working president of All Assam Small Tea Growers' Association (AASTGA) Karuna Mahanta told PTI.



Referring to the notification which also made routing of 100 per cent dust teas through public auctions mandatory, he said it was decided last month to maintain status quo till elections are over."The BLFs were to continue procuring green leaves as earlier. But this sudden decision by the factories has taken us aback," Mahanta said.

The AASTGA has dashed off separate letters to the state government and Tea Board, seeking their intervention while also expressing concern that this unilateral decision of the ABLTMA

was a ploy to lead to drop in prices of green leaves. Expressing similar concern, Jatin Chandra Bora, advisor of Lakhimpur district committee of AASTGA, said, "This is a strategy to

bring down the prices of the green leaves as such a decision creates pressure on the grower to sell off at whatever price is given."He maintained that the small growers are now aware of harmful effects of pesticides and are ensuring on producing safety standards-compliant leaves."We have been On the March quarter results front, LIC, NMDC. demanding for facilities for testing the green leaves in the

factories itself. Currently, we have to send the samples to Kolkata and it takes long to get the results. By that time, the leaves have to be sold off already," Bora said. The ABLTMA had last week said its member factories will not operate until compliant green leaves are provided, which is nearly impossible for the small growers in the absence of testing facilities in the state."The BLFs do not use any chemical in the manufacturing process. But we are being made to pay for noncompliance by the growers," ABLTMA president Chand Gohain told PTI.

The results of the ongoing general elections will be declared on June 4.On the global front, the upcoming economic data from Japan and the US, along with movement in the global currency market, will also be important factors to consider, he added. This week, attention will remain on elections, global cues, and the final phase of the earnings season, Ajit Mishra, SVP, Research, Religare Broking Ltd. said.

IRCTC, and MMTC will announce their earnings this week. Overall, we expect the market to witness a gradual up-move and see some volatility this week as both election and earnings season are nearing the end," said Siddhartha Khemka, Head, Retail Research, Motilal Oswal Financial Services Ltd.From the domestic macroeconomic data, GDP growth rate for the January-March quarter of FY24 will be announced on Friday. Last week, the BSE benchmark zoomed 1,404.45 points, or 1.89 per cent, while the NSE Nifty climbed 455.1 points, or 2 per cent. The 30-share BSE Sensex hit its alltime intra-day high of 75,636.50 on Friday. The NSE Nifty breached the 23,000 mark for the first time on that day. During the day, the benchmark hit its lifetime peak of 23,026.40.

## Will Mumbai's infra boom make the city more liveable?

neglected, is experiencing a renewed infrastructure boom. After frenetic construction activity, the city has just seen the inauguration of the coastal road. Built at a huge cost of Rs 13,000 crore, the part-underground, 11-kilometre channel connects the extreme south of the island city to midtown Worli, and then onwards to suburban Bandra via the sealink. This allows car traffic to bypass the worst snarls during peak hours. The Dharavi slum project, awarded to the Adani Group, is finally seeing movement. If it goes through, the 640acre slum sprawl will be the city's new Manhattan with high-rise commercial buildings, and residences for over 60,000 families. The Mumbai Trans Harbour Link (MTHL), now christened 'Atal Setu', India's longest 22-km sea bridge, is commissioned, while dozens of glitzy flyovers are promising to make life easier in the megalopolis. There is stout opposition too. Planners and environmental activists point to lopsided development favouring the top 10% carusing, creamy layer. For the average Mumbaikar, the living densities, the shrinking open spaces and the worsening public transport, has made things more difficult.Development trigger

Mumbai. our financial capital, long A recent brainstorming session led by newly appointed Municipal Commissioner, Bhushan Gagrani, along with retired IAS officer who helmed the Mumbai-Pune Expressway, R.C. Sinha, and architect-activist P K Das, generated important pointers. Making a presentation at the Mumbai Press Club, Bhushan Gagrani said the slew of infrastructure projects taking off in the city not only aid urban mobility but over time will trigger a socio-economic transformation. What would have happened had the Mumbai-Pune Expressway, built in the teeth of opposition in 2002, not been constructed? he questioned. Today, because of its connectivity, Pune has transformed into a hub for IT, R&D and the auto industry.

> Drawing a similar parallel, Gagrani predicted the Coastal Road and the MTHL would "transform the real estate market over the next five to ten years, bringing equilibrium to both residential and commercial sectors." The bureaucrat was arguing by connecting the island city to its hinterland, the city's footprint would expand, thereby cooling high real

estate prices that are currently riding on

the shortage of buildable land.On the

other hand, the approach of another panelist at the discussion, retired IAS officer R C Sinha, was of the hard-nosed bureaucrat. His focus was entirely on project completion, with little stomach for considering social costs or environmental damage. While leading the charge for early completion of the Mumbai-Pune Expressway, he revealed how the Dukes Hotel in the Khandala Hills tried to block the work by moving the Bombay High Court against the blasting endangering the hotel structure. "In reply, I gave the hotel notice that we would acquire the hotel property under the Land Acquisition Act, Sinha said. "The hotel owner was on his knees

#### petition.' Sustainable growth

This brainstorming reflects the continuing, sharp debate between development and sustainable growth. Providing more and wider channels for movement of passenger cars does not reduce traffic snarls. It only ensures more cars come on the road, at the expense of public transport. The coastal road, and the burgeoning number of flyovers are examples of supporting increasing private transportation at the expense of buses and train traffic that carry 20 times

apologizing; and he withdrew his

the passenger load.P K Das, planner and architect, underlined that in a time of heightened climate change, Mumbai was hurtling towards disaster. The unbridled construction and high density of buildings had turned Mumbai into a 'heat island' significantly lowering the quality of life of ordinary people. The current philosophy was to "build more ...and more", a mania that seemed to think that the more you build, the faster will the city solve its problems of housing and crowding. This has led to planning and development entirely focused on the 240 sq km of high-density, buildable areas. What is neglected is the city's ecological infrastructure. The failure to integrate the 140 sq kms of waterfronts, mangrove outcrops, and other wetlands and creeks into urban planning "could lead to a bleak future and existential crisis for both the people and the city." Among the many debates that followed, the big one was on the 'slow death' of the municipalized bus service run by the Brihanmumbai Electricity Supply & Transport Undertaking (BEST). Once the lifeline of Mumbai, the BEST provided efficient and cost effective last-line connectivity to commuters between home and train junctions, and then finally to their place

## Severe Cyclone Remal to hit Bengal coast tonight, flights suspended in Kolkata

Bay of Bengal intensified into severe cyclonic storm Remal and is expected to make landfall between the coasts of West Bengal and Bangladesh at midnight on Sunday, the India Meteorological Department (IMD) said.Remal, which means sand in Arabic, is the first premonsoon cyclone in the Bay of Bengal this season. The name was provided by Oman, following the regional naming system for cyclones in the north Indian Ocean. According to the weather department, extremely heavy rainfall has been predicted in the coastal districts of West Bengal and north Odisha on May 26 and 27. Parts of northeast India may also witness extremely heavy rainfall due to the impact of Remal on May 27 and 28.In its latest bulletin on Sunday morning, the IMD said Remal moved nearly northwards at a speed of six km per hour and intensified into a severe cyclonic storm. It lay centred about 290 km south-southwest of

Khepupara (Bangladesh), 330 km south of Mongla (Bangladesh), 270 km southsoutheast of Sagar Islands (West Bengal), 390 km south-southeast of Digha (West Bengal) and 310 km south-southeast of Canning (West Bengal) as of 5:30 am today. With a wind speed of 110-120 km per hour, gusting to 135 kmph, Remal is expected to cross the West Bengal and adjoining Bangladesh coasts between Sagar Island and Khepupara on Sunday midnight, the Met Department said. At the time of the landfall, a storm surge of up to 1.5 metres is expected to inundate lowlying areas of coastal West Bengal and Bangladesh.In view of the cyclone, the coastal districts of North 24 Parganas and South 24 Parganas in West Bengal are under red alert on May 26 and 27 as extremely heavy rainfall is predicted in some areas. An orange alert was issued for Kolkata, Howrah, Nadia, and Purba Medinipur districts, with the weather office warning of wind speeds touching between



80 and 90 kilometres per hour, gusting to 100 kilometres per hour. Heavy to very heavy rainfall was predicted in a few places on May 26 and 27.

The National Disaster Response Force (NDRF) has deployed 12 teams and five additional teams have been kept on standby in West Bengal ahead of the cyclone's landfall. The rescue and relief teams of the Indian Army and the Indian Navy have been kept in readiness. The IMD has warned of localised flooding and

significant damage to vulnerable structures, power and communication lines, unpaved roads, crops, and orchards in South and North 24 Parganas districts. People have been asked to remain indoors and not venture outside, particularly near the sea.On the other hand, the coastal districts of Balasore, Bhadrak, and Kendrapara in north Odisha could receive heavy rainfall on May 26-27, while heavy rainfall was likely in Mayurbhanj on May 27. The Indian Coast Guard (ICG) said nine at Haldia and Fraserganj in West Bengal, and Paradip and Gopalpur in Odisha. It said all pre-emptive measures were taken to ensure there was no loss of life or property at sea. In a statement, the ICG said that its remote operating stations at Haldia and Paradwip have been alerting fishing vessels and merchant ships about the cyclone through VHF (very high frequency) broadcasts. All its ships and aircraft were kept on standby for search and rescue operations. Meanwhile, the authorities of Kolkata's Netaji Subhas Chandra Bose International Airport have decided to suspend flight operations for 21 hours from Sunday noon as the state braces for Cyclone Remal.All cargo and container handling operations at the city's Syama Prasad Mookerjee Port will be suspended for 12 hours from 6 pm on Sunday till 6 am on Monday due to the cyclone. Fishermen have been warned to stay out of the north Bay of Bengal until the morning of May 27.

### Leh-bound SpiceJet flight makes emergency landing in Delhi after bird-hit

New Delhi: A Leh-bound SpiceJet flight made an emergency landing in Delhi shortly after take-off after one of the aircraft's engine was hit by a bird, an airline spokesperson said. Flight SG123 took off at 10.29 am before making an air turn back and landing safely at around 11am. An airline spokesperson said, "SpiceJet B737 aircraft operating SG-123 from Delhi to Leh returned to Delhi after suffering a bird hit on engine 2. The aircraft landed safely in Delhi and passengers deplaned normally."Last week, two flights -- Air India



and Air India Express -- were forced to make emergency landings due to technical errors.

On May 19, the Air India Express flight, travelling from Bengaluru to Kochi with 179 passengers and six crew members on board, made an emergency landing at the Bengaluru airport after a fire was reported in the right engine. Just two days earlier, on May 17, the Air India flight, which took off from Delhi with 175 passengers, turned back and landed in the national capital after a fire in its air conditioning unit.n May 1, a New Delhi-bound Vistara flight from Bhubaneswar returned minutes after takeoff and made an emergency landing after the aircraft was caught in a hailstorm and suffered damage.

### **Food Safety Body Cracks Down On Commercial** Sale Of Human Milk

New Delhi: The country's food regulator has warned against the unauthorized commercialization of human milk, stating that its rules do not permit the sale of such products.n an advisory dated May 24, the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) has advised all activities related to human milk sales to be stopped."FSSAI has not permitted the processing and/or selling of human milk under FSS Act, 2006 and rules/regulations made there under. Therefore, it is advised that all such activities related to the commercialization of human milk and its products should be immediately stopped," read the advisory.

Any violation of the rules will lead to action against the food business operators (FBOs), the FSSAI said in its advisory. The FSSAI, which regulates the



manufacturing and sale of food items in the country, has also called on state and central licensing authorities to ensure licenses are not given to food businesses involved in processing or selling human milk.

he online sale of human milk has boomed with milk banks set up as non-profits collecting milk from lactating mothers and selling them at a profit. A simple Google search shows the numerous options one has to buy such products online, including Instagram handles and milk

banks. Milk banks usually process the milk collected from healthy donors (lactating mothers) and check contamination and nutrient contents before freezing and storing them. Most milk banks, which are attached to government hospitals, usually provide it for free, according to The Times of India.

## "Grew Up Washing Cups And Plates As A Child": PM Modi At Mirzapur Rally

Mirzapur: Prime Minister Narendra Slamming the SP chief Akhilesh Modi said on Sunday that he grew up washing cup plates and serving tea, adding that the relationship between Modi and tea is very deep."I grew up washing cups and plates as a child. I have grown up serving tea. The relationship between Modi and tea is also very deep," PM Modi said while addressing a rally in Mirzapur today.

No one wants to waste their vote on Samajwadi Party. No one will vote for someone who is drowning. The common man will vote only for the one whose government is certain to be formed. The country has come to know the people of the INDI alliance very well. These people are deeply communal. These people are extreme casteists. These people are extreme familyists. Whenever their government is formed, these people take decisions on this basis," he

Yadav, the Prime Minister said that there are so many promising people in the Yadav community but he (Akhilesh) gave tickets only to his family members."These SP people used to release even those terrorists who were caught. The SP government used to suspend any police officer who was reluctant in this. They had made the entire UP and Purvanchal a haven for the mafia. Be it life or land, no one knew when it would be snatched away and in the SP government, the mafia was also seen as a vote bank," PM Modi said.He further asserted that CM Yogi is carrying forward the 'Swachhta Abhiyan' very bravely. The public was at the mercy of the SP government but now the mafia is trembling in the BJP government.

"The sacred Constitution of our country is also on their (INDI alliance) target. They want to loot the reservation of SC-ST-OBC. Our Constitution clearly says that there cannot be reservation based on religion.

Samajwadi Party had released its manifesto during the Uttar Pradesh Assembly elections in 2012. Then SP had said in its manifesto, just as Dalits and backward classes have got the reservation, similarly, Muslims will also be given rservation," he added.

"SP had said that it would even change the Constitution for this. SP had announced that 15 per cent reservation will be given to Muslims in police and PAC also. How these people were bent on snatching away the rights of SC-ST-OBC to please their vote bank," the Prime Minister said in Mirzapur.PM Modi also emphasized that he is dedicated to the poor, Dalits and backward people.

### **J&K Lok Sabha Election** Over, Next Step Assembly Election: Amit Shah

New Delhi:Union Home Minister Amit Shah has said that the Modi government's Kashmir policy has been vindicated by the successful polling in Jammu and Kashmir, where even separatists have voted "overwhelmingly", as he assured that the assembly elections in the region will be held before September 30. Once the elections are over, the government will start the process of restoring statehood to the Union Territory, Amit Shah said in an interview to PTI late Saturday.

'I have said in Parliament that we will give the statehood after the assembly elections," he said, adding that everything is going according to plan, such as the surveys of the backward classes and delimitation exercise of the Assembly and Lok Sabha constituencies."We have completed the delimitation process. Because the reservation can be given only after the delimitation process is completed. Because we have to know about the status of various castes (to give reservation). That has been done. Lok Sabha election is also over (in Jammu and Kashmir). Next is the assembly election which will also be held. We will complete the process before the Supreme Court deadline," he said. On December 11, 2023, the Supreme Court had directed the Election Commission of India to conduct elections in Jammu and Kashmir by September 30, 2024.

Commenting on the relatively high polling percentage in the Kashmir valley in the Lok Sabha elections, Amit Shah said he believed that there has been a big change in attitudes there."Voting percentage has increased. Some people used to say that people of the valley do not believe in the Indian Constitution. But this election was held under the Indian Constitution because Kashmir's Constitution is no longer there. It was scrapped. Election was held under Indian Constitution. People who sought a separate country, those who want to go with Pakistan -- even they cast their votes overwhelmingly, both at the organisation level as well as individual people," he said

Amit Shah said "it was a very big victory for the democracy and a big success of the Narendra Modi government's Kashmir policy, which it has been pursuing for the last 10 years." The three seats in the Kashmir valley -- Srinagar (38.49 per cent), Baramulla (59.1 per cent) and Anantnag-Rajouri (53 per cent) -- have recorded the highest voter turnout "in many decades", the Election Commission said on Saturday When asked why the BJP did not field any candidate in the Lok Sabha elections in the Kashmir valley, he said the party was still working on strengthening its organisation in the valley.

## 'Saw death up close': Assistant engineer with PWD department is first Goan to summit Everest

overnment's Public Works Department, was descending after summiting Mount Everest, an icy ridge collapsed near The Hillary Step in the "death zone", considered the most technically difficult part of the climb. Within seconds, two climbers were dragged down the side of the mountain."I was standing on the edge of the cliff when a cornice collapsed. It happened right in front of me. Two of those climbers are now presumed dead. At that moment, my only thought was whether I would be able to reach home safely. The oxygen supply was also limited," he recalled.Narvekar, 41, scripted history when he summited Mount Everest

New Delhi: When Pankaj Narvekar, an around 5.30 am on May 21 and Kamet (7,756 metres) in Uttarakhand, first Goan to scale the world's tallest peak at an altitude of 8,848 metres."Mountain climbing is my



passion," Narvekar told The Indian Express over the phone from Kathmandu.Hailing from Porvorim near state capital Panaji, he describes himself as an explorer and traveller. He has successfully climbed Mount

assistant engineer with the Goa unfurled the Tricolour, becoming the Mount Kun (7,077 metres) in Ladakh and Mount Kang Yatze (6,400 metres) in Ladakh. For Everest, Narvekar's first summit above 8,000 metres, he trained for the past two years.

Last year, his daughter Gunjan, aged

12, had successfully climbed three peaks above 6,000 metres in the Markha Valley in Ladakh."Climbing is about endurance. While summiting, you have to often walk for 18 hours in a day where oxygen levels are low. Typically one has to train daily for five-six hours. I have travelled half of the country. I started with trekking first and gradually got into mountaineering in 2012. This year, I climbed with supplemental oxygen. In the future, my plan is to scale Everest without any oxygen.

## Culprits Will Not Be Spared": Delhi Minister On Children Hospital Fire

According to the officials, 12 children were rescued from the incident site where one was already dead before the fire call was made.

New Delhi: After seven newborns lost their lives in a tragic fire incident at a New Born Baby Care Hospital in Delhi's Vivek Vihar, Delhi Health Minister Saurabh Bharadwaj assured of strict action in the case. According to the officials, 12 children were rescued from the incident site where one was already dead before the fire call was made.Six newborn babies lost their lives after the fire broke out and five others have been admitted to the hospital," Delhi Police Saurabh Bharadwaj, in a post on X, said, "Very unfortunate incident reported. I have asked the Secretary (Health) to update me about the current situation. Culprits will not be spared. Strictest punishment will be ensured for those found negligent or involved in any wrongdoing.'

Appropriate legal action is being taken against the owner of the hospital namely Naveen

Kichi. Atul Garg, Director of Delhi Fire Department told ANI that the operation was very tough as there was a blast of cylinders."It was a very tough operation. We made two teams. One team started firefighting because there was a blast of cylinders, we can say the My brother's child was admitted here on chain of blast of cylinders. So we had to save ourselves also. We started rescue operations for babies as well. Unfortunately, we could not save all the



children. We removed all the twelve babies from the hospital. But after arrival, they declared that 6 were dead. That is a regrettable incident," Mr Garg said. A relative of a newborn who died in the incident said that strict action should be taken in the matter.

May 20. We went to the police station and asked them for information, they asked us to go to the hospital for information. We were not allowed to

stay here. Strict action should be taken in this matter," Sumit, a relative of a newborn baby admitted at the hospital said.he rescued newborns were shifted to East Delhi Advance NICU hospital.

All of them are on oxygen suport and treatment is underway. While speaking to ANI, East Delhi Advance NICU Director Ramji Bhardwaj said that after the accident last night, 12 children

came to them, out of which seven were dead.

The police took the children to GTB Hospital for post-mortem. The remaining five are admitted to us. Out of the five children, one child is very weak whose weight is around 800 grams. He has been kept on a ventilator and his condition is critical. Rest four are stable and their treatment is underway," he said.

## British Climber And Nepali Guide

### Feared Dead After Reaching Mount **Everest Summit**

WORLD. A British man and his Nepali guide are believed to be dead after reaching the summit of Mount Everest on Tuesday. According to the BBC, Daniel Paterson, 39, from Wakefield, and guide Pastenji Sherpa, 23, did reach the top of the mountain but later "fell towards the Tibet side through a very vertical steep."

The area that the two men fell from is known as the "death zone." As per Fox News, the "death zone" is the area on the mountain above 26,000 feet, where low oxygen levels can cause impaired judgment, severe altitude sickness and death after an extended period. The duo were part of a group of 15 who reached the summit of the world's highest mountain at 29,032 feet.

Mount Everest adventure company 8K Expeditions, which organized the expedition, said they were "caught by a sudden snow cornice collapse that affected the climbing group.""Despite exhaustive search efforts, we regret to confirm that Daniel and Pastenji were unable to be recovered from the following incident", the company wrote in an Instagram post. The company said retrieving their bodies was difficult because rescuers could not access that side of the mountain and helicopters could not be flown there."On May 21st, at 4:40 AM, Daniel Paterson successfully reached the summit of Mount Everest — a monumental achievement and a testament to his strength and determination. Tragically, during his descent, Daniel went missing, and there has been no contact or sighting of him since," his partner, Becks Woodhead, wrote on a crowdfunding page this week.

#### Donald Trump's Historic Hush Money Trial Ends, Verdict Out Soon

New York: The historic trial of Donald Trump enters its final act Tuesday, with closing arguments to the jury who must then decide whether to hand down the firstever criminal conviction of a former US president.

Less than six months before American voters choose whether to return Trump to the White House, the stakes riding on the verdict are hard to overstate -- for the 77year-old personally, but also for the country as a whole.

Trump is accused of falsifying business records to buy the silence of porn star Stormy Daniels about a 2006 sexual encounter between them that could have damaged his 2016 presidential bid.If convicted, he faces up to four years in prison on each of 34 counts, but legal experts say that as a first-time offender he is unlikely to get jail

Crucially, a coniction would not bar Trump from appearing on the ballot in November as the Republican presidential challenger to Democrat Joe Biden.It has taken nearly five weeks, the testimony of more than 20 witnesses and a few courtroom fireworks to reach closing arguments -- the last chance for the prosecution and defense to impress their case on the anonymous, 12-member jury. As expected, Trump chose not to testify in his defense -- a move that would have exposed him to unnecessary legal jeopardy and forensic cross-examination. For a man who has always prided himself on being in charge and in control, the role of silent, passive defendant did not come easily. At times it has been downright excruciating, especially when Trump was forced to sit and listen while Daniels recounted their alleged encounter in sometimes graphic detail.

Speaking to reporters before and after each day in court, Trump launched regular tirades against Judge Juan Merchan -- calling him "corrupt" and a "tyrant" -- and condemned the whole trial as "election interference" by Democrats intent on keeping him off the campaign trail.

The politics of the case were in full view in the final days when a coterie of leading Republicans -- including several vice-presidential hopefuls -- came to the court and stood behind Trump in a gesture of support as he

#### Rapper Nicki Minaj briefly detained at Amsterdam airport for 'carrying drugs

WORLD. Rapper and singer-songwriter Nicki Minaj, who was detained by police in the Netherlands on suspicion of exporting "soft drugs", has been released. She has been fined and allowed to proceed on her journey, the Dutch Police said."Following consultation with the Public Prosecutor's Office, the suspect received a monetary fine and is now permitted to continue her journey," the Royal Netherlands Marechaussee said in a statement.

She was detained while she was travelling to Manchester, England, for a concert on her 'Pink Friday 2 World Tour'. The entire incident was live-streamed on her Instagram account. In the viral video, police officers can be seen surrounding Minaj and asking her to sit in their car.

Robert van Kapel, a spokesman for the Royal Netherlands Marechaussee, told NBC News that the Dutch police arrested a 41-year-old American woman at Schiphol Airport because of possession of soft drugs, adding it was prohibited to take such substances out of the Netherlands. Police did not confirm the suspect's name, but said she was still in custody pending an investigation. Multiple reports suggested that marijuana was found in one of Nicki Minaj's bags upon her arrival in Amsterdam. However, the rapper claims that the pre-rolls discovered in her bag actually belonged to her security team. In the Instagram Live video now viral on social media, the Grammynominated rapper can be heard asking an officer, "Oh, so I'm under arrest?", to which he says, "Yes ma'am, you have to go inside". In the video, the rapper refuses to go to the police precinct without her lawyer.

Nicki Minaj live-streamed the entire incident on Instagram and kept her fans updated on X, describing it as an attempt to 'sabotage' her tour. The incident occurred at the airport as the 'Super Freaky Girl' rapper was preparing to board her flight to Manchester.

They've been trying to stop me from coming to every show. They took my bags before I could see them. Put it on the plane. Now saying they're waiting on

This is what it looks like when people are paid big money to try to sabotage a tour after all else failed. Everything they've done is illegal," the singer can be heard in one of her videos. The rapper also said during her Instagram Live stream that she was asked to board a police van "and go into the precinct withno lawyer present"."They've been trying everything they possibly can to TRY to stop this tour," she said in a post

'They're being paid big money to try to sabotage my tour b/c soooooo many ppl are mad that it's this successful & they can't eat off me. They got caught stealing money from my travel/jets. Got fired. Got mad. Etc, another post of hers read.

## Israeli protesters demanding Benjamin Netanyahu's resignation clash with police

and protesters erupted in Tel Aviv on Saturday after thousands gathered to demonstrate against the government and demand that it bring back the hostages being held by Hamas in Gaza. Meanwhile, a small US military vessel and what appeared to be a strip of docking area washed up on a beach near the southern Israeli city of Ashdod, not far from the US-built pier on which the Israeli military said humanitarian aid is moving into the Palestinian territory.

Some protesters in Tel Aviv carried photos of the female soldiers who appeared in a video earlier in the week showing them soon after they were abducted during the Hamas attack on Israel on October 7, 2023, which started the war between Israel and Hamas.Some held banners reading "Stop the war" and "Help". They called on the government to reach a deal to release the dozens of hostages still in captivity. The protesters also called for the resignation of Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu and demanded new elections."We all saw the video, we could not stay at home after the government abandoned all these people," said Hilit Sagi, from the group "Women Protest for

among Israelis have deepened over how Netanyahu has handled the war against Hamas after the attack that killed about 1,200 people and saw 250 others taken hostage. Israel says around 100 hostages are still being held in Gaza, along with the bodies of around 30 more."Basically they are not doing enough in order for the hostages to come back, either with military force, with (a) hostages' deal, negotiating. Nothing is being done," said Snir Dahan, uncle of hostage

Carmel Gat, still in captivity in Gaza. arlier in the week, the bodies of three hostages killed were recovered from Gaza, Israel's army said Friday.he army said they were killed on the day of the attack and their bodies were taken to Gaza. The announcement came less than a week after the army said it found the bodies of three other Israeli hostages killed on October 7.round half of the 250 hostages taken by Hamas and other militants have been freed, most in swaps for Palestinian prisoners held by Israel during a weeklong cease-fire in November.

Netanyahu's government has faced increasing pressure, both at home and

abroad, to stop the war and allow humanitarian aid into the enclave that is home to 2.3 million Palestinians, almost 80 per cent of whom have been displaced. Also, this week, three European countries announced they would recognise a Palestinian state, and the chief prosecutor



for the International Criminal Court requested arrest warrants for Israeli leaders, along with Hamas officials.On Friday, the International Court of Justice ordered Israel to end its military offensive in the southern Gaza city of Rafah and to open the nearby border crossing for

court also said Israel must give war crimes investigators access to Gaza. However, the judges stopped short of ordering a full cease-fire across the entire Palestinian territory, and Israel is unlikely to comply with the court's ruling.

South Africa accuses Israel of committing genocide against the Palestinians during the war in Gaza, which Israel vehemently denies."We were hoping the war would end," said Islam Abu Kamar, who moved from Gaza City to Rafah following the ground operation launched by Israel

after the Hamas attack in October.

In the past two weeks, more than a million Palestinians have fled Rafah as Israeli forces pressed deeper into the city. Israel's takeover this month of the Rafah border crossing, a key transit point for fuel and supplies for Gaza,

has contributed to bringing aid operations to near collapse, the UN and relief groups say. Israel says it needs to invade Rafah to destroy Hamas' last stronghold. Egypt said it agreed to send UN humanitarian aid trucks through the Kerem Shalom border crossing, Israel's main entry point into southern Gaza.

## Israel rejects Hamas's claim of capturing its soldiers in northern Gaza

Cairo. A spokesman for Hamas's armed wing said on Sunday its fighters had captured Israeli soldiers during fighting in Jabalia in northern Gaza on Saturday, though the Israeli military denied the claim. The Hamas armed wing spokesman did not say how many

soldiers had been abducted and showed no proof of the claim."Our fighters lured a Zionist force into an ambush inside a tunnel. The fighters withdrew after they left all members of the force dead, wounded, and captured," Abu Ubaida, the spokesman for Al Qassam Brigades, said in a recorded message broadcast by Al Jazeera early on Sunday. The Israeli military on Sunday

denied the claim by Hamas's armed wing."The IDF (Israeli Defence Forces) clarifies that there is no incident in which a soldier was abducted," the military said in a statement.amas released a video that appeared to show a bloodied person being dragged along the ground in a tunnel and photos of military fatigue and a rifle. Reuters could not independently verify the identity of the person shown in the video nor his or her condition. The comments by Abu Ubaida came hours after prospects for a resumption of mediated Gaza A Hamas official later denied Israeli



ceasefire talks grew on Saturday.An official with knowledge of the matter said a decision had been taken to resume the talks next week after the chief of Israel's Mossad intelligence agency met the head of the CIA and the Qatari Prime Minister. The source, who declined to be identified by name or nationality, said it had been decided that "in the coming week negotiations will open based on new proposals led by the mediators, Egypt and Qatar and with active US involvement"

> media reports the talks would resume in Cairo on Tuesday, and told Reuters, "There is no date."After more than seven months of war in Gaza, the mediators have struggled to secure a breakthrough, with Israel seeking the release of hostages held by Hamas and Hamas seeking an end to the war and the release of Palestinian prisoners in Israel.

Nearly 36,000 Palestinians have been killed in Israel's offensive, Gaza's health ministry says. Israel began the operation in response to Hamas-led fighters attacking southern Israeli communities on October 7, 2023, killing around 1,200 people and seizing more than 250 hostages, according to Israeli tallies.

#### Tesla shareholders asked to reject Elon Musk's 'excessive' 56 billion pay

**Austin.** Proxy advisory firm Glass Lewis said on Saturday it has urged Tesla shareholders to reject a \$56 billion pay package for Chief Executive Officer Elon Musk, which if passed would be the largest pay package for a CEO in corporate America. The report cited reasons like the "excessive size" of the pay deal, the dilutive effect upon exercise and the concentration of ownership. It also mentioned Musk's "slate of extraordinarily time-consuming projects" which have expanded with his high-profile purchase of Twitter, now known as X.

The pay package was proposed by Tesla's board of directors, which has repeatedly come under fire for its close ties with the billionaire. The package has no salary or cash bonus and sets rewards based on Tesla's market value rising to as much as \$650 billion over the 10 years from 2018. The company is currently valued at about \$571.6 billion, according to LSEG data.

In January, Judge Kathaleen McCormick of



## North Korea accuses US, South Korea of flying spy planes, ships

defence ministry accused the United States and South Korea of ramping up reconnaissance activities around the inter-Korean border, warning that it will act if its sovereignty and security is violated, state media KCNA said on Sunday.North Korea's vice defence minister Kim Gang Il said the US had flown at least 16 of its

RC-135 and U-2S strategic reconnaissance planes and RQ-4B drones over the Korean peninsula between May 13 and 24.Kim also criticised propaganda leaflets sent in balloons from South Korea, calling it a "dangerous provocation."



North Korean defectors and activists in South Korea regularly send balloons containing anti-Pyongyang leaflets, alongside food, medicine, money, mini radios and USB sticks loaded with South Korean news and dramas.

"Even now, the US and South Korean puppet air forces are continuously with little or no time gap throughout the day, carrying out aerial reconnaissance activities at a level comparable to wartime situations," Kim said in a statement published by KCNA.

Those activities seriously infringe on North Korea's national sovereignty and security, and will not be met with "offensive' countermeasures, he said.

"We will act immediately when the nation's sovereignty and security interests are violated," Kim added.e also accused South Korea's navy and coast guard of stoking military tension by stepping up patrol activities and increasingly breaching the maritime Delaware's Court of Chancery voided the original pay package. Musk then sought to move Tesla's state of incorporation to Texas from Delaware. Glass Lewis also criticised the proposed move to Texas as offering "uncertain benefits and additional risk" to shareholders.

Tesla has urged shareholders to reaffirm their approval of the compensation. In an interview this month, Tesla's board chair Robyn Denholm told the Financial Times that Musk deserves the pay package because the company hit ambitious targets for revenue and its stock price.usk became Tesla CEO in 2008. In recent years, he has helped improve results, taking the company to a \$15 billion profit from a \$2.2 billion loss in 2018 and seven times more vehicles have been produced, according to an online campaign website, Vote Tesla. The proxy advisor also recommended shareholders vote against the reelection of board member Kimbal Musk, the billionaire's brother, while former 21st Century Fox CEO James Murdoch's re-election was recommended.

## 6 killed, dozens injured as Russia strikes hardware store in Ukraine's Kharkiv

Kharkiv, Russian strikes on a crowded DIY hardware store and a residential area in the Ukrainian city of Kharkiv on Saturday killed at least six people and injured dozens, local officials said.Six people were killed after two guided bombs hit the DIY hypermarket in a residential area of the city, Regional Governor Oleh Syniehubov said on national television.

At least two of the dead were store employees. Forty people were injured, with at least three in serious condition. Sixteen people were still unaccounted for, Syniehubov said."The attack targeted the shopping centre, where there were many people - this is clearly terrorism," Terekhov said. The past week has seen an uptick in strikes on the city after Russian troops stormed across the border, opening a new front north of the city.Russia has bombarded Kharkiv, which lies about 30 kilometres (20 miles) from its border, throughout the war, having reached its outskirts in a failed bid to capture it in 2022. Just over the border, in Russia's Belgorod region, the regional governor said four residents died in Ukrainian attacks on Saturday. President Volodymyr Zelenskiy issued a plea to Ukraine's Western allies to help boost air defences to keep the country's cities safe. French President Emmanuel Macron, writing on several recent Russian attacks.

attack on the store as "unacceptable." separate early evening missile strike hit a residential building in the centre of the city of 1.3 million, injuring 18 peple, Syniehubov said. The missile left a crater several metres deep in the pavement at the foot of the building, which also housed a post office, a beauty salon and a cafe.Emergency workers ushered away residents of nearby apartment buildings. Some of the injured had blood on their faces. Andriy Kudinov, director of the suburban shopping centre, told local media the hardware store

was full of shoppers buying items for their summer cottages. Huge clouds of dark smoke billowed into the sky over the shopping centre. Firefighters battled many small blazes. Within 90 minutes, most were brought under control.Rescuers, medics and journalists rushed away from the scene of both strikes and lay on their stomachs, fearing a second strike, as has occurred during

social media platform X, denounced the "I was at my workplace. I heard the first hit



and ... with my colleague, we fell to the ground. There was the second hit and we were covered with debris. Then we started to crawl to the higher ground," said Dmytro Syrotenko, 26, who had a large gash on his face.

Syrotenko told Reuters he was taken to safety by a rescue worker who helped him, shoppers. Zelenskiy, in his nightly video address, denounced the strike as "yet another example of Russian madness. There is no other way to describe it."

'When we tell world leaders that Ukraine needs sufficient air defences, when we say we need real decisive measures to enable us to protect our people, so that Russian terrorists cannot even approach our border, we are talking about not allowing strikes like this to happen," he said.

Writing later on Telegram, Zelenskiy noted air raid alerts had been in effect in Kharkiv for more than

12 hours and 200 emergency workers and 400 policemen remained at the scene dealing with the aftermath of the attacks. Moscow denies deliberately targeting civilians, but thousands have been killed and injured during its 27month invasion of Ukraine.

#### **NEWS BOX**

#### KKR vs SRH: Harshit Rana focusing on assesing conditions ahead of IPL

New Delhi. KKR pacer Harshit Rana believes that assessing the conditions will be key to winning the Indian Premier League 2024 title. Rana, who has been a key figure in KKR's death over bowling, will hope to win his first IPL title after what has been a really strong season for him. Speaking ahead of their clash vs SRH, Rana told Wisden India about his focus in the match. The fast bowler, who has been banned for a match due to his exaggerated celebrations, said that it has been intense for a bowler throughout the tournament."The situations are extremely intense when we are playing on the ground. The earlier you assess the conditions and the wickets, the more advantageous it is for me. So, my first focus and priority are to find out what will work on this wicket," Harshit Rana told Wisden India. Asked about his training, Rana said that he has put himself under pressure and tried to simulate match situations so that he can excel under pressure. Rana has 17 wickets from 12 matches at an enviable economy of 9.41. Considering the amount of runs that have been scored in Kolkata this season, an economy of 9.4 and strike rate of 13.47 does not sound bad at all. It is tough but I have been working hard on these. I keep working on these in the practice sessions, and it becomes easier for me to implement them during the game. It is tough but as I have worked hard on it during training, I know exactly what to bowl when -I have put that pressure on myself to excel in various situations," Rana said.

IPL 2024 Final: KKR vs SRH Match Preview KKR have reached the final by beating SRH in the Qualifier 1 at Ahmedabad. KKR would hope to beat SRH the third time in a row this season and clinch their third title in the

#### Rishabh Pant posts photo with India players before flying out for T20 World Cup

New Delhi. India wicketkeeper batter and DC captain Rishabh Pant flew out with a part of the Indian team for the T20 World Cup 2024 on Saturday, 25 May. Pant, alongside Rohit Sharma, Suryakumar Yadav, Mohammed Siraj, Shivam Dube, Jasprit Bumrah and Rahul Dravid were among the first members of the contingent to leave for the tournament. This was the first time that Rishabh Pant was seen alongside India players since his road accident in December 2022.

Rishabh posted a photo on his social media account before leaving and captioned the photo - back with the blues. Pant was selected for the Indian after he was able to prove his fitness in the Indian Premier League 2024. Not only did Rishabh bat well, he showed promising signs with his keeping and captaincy as well. The Board of Control for Cricket in India took to Twitter as well to post photos of India players waiting in the Mumbai airport lounge for their flights. Amongst the notable absentees from the Indian squad were Virat Kohli and Hardik Pandya. Sports Tak's Vikrant Gupta reported that Virat was stuck due to paperwork, while other media reports suggested that Hardik Pandya was in London and would join the India squad directly in the USA India play their first match on June 5 against Ireland at the Nassau County International Cricket Stadium in New York. The stadium was recently built from scratch specifically for the T20 World Cup 2024.

WHEN WILL REST OF THE INDIAN TEAM FLY OUT?

Sanju Samson, Yuzvendra Chahal, Avesh Khan and Yashasvi Jaiswal will leave with the second batch of Indian cricketers. Chahal, Jaiswal, Avesh and Samson recently ended their Indian Premier League (IPL) 2024 campaign after RR lost to SRH by 36 runs in the Qualifier 2 on Friday, May 24 at the MA

#### LaLiga: Tonis Kroos in tears at emotional Real Madrid farewell

Chidambaram Stadium in Chennai.

Madrid Toni Kroos bade an emotional farewell to Real Madrid fans at a sold-out Santiago Bernabeu on Saturday as the German midfielder played his final home game after a remarkable decade with the Spanish giants.

A goalless draw with Real Betis was largely irrelevant with Real confirmed as LaLiga champions and all the European qualification and relegation spots decided, so the evening was about celebrating the 34year-old Kroos.ne of Real's most successful ever players after making 464 appearances and helping them win more than 20 major trophies including four European Cups, Kroos announced that he will retire after this year's European Championship on home soil.He fought back tears as walked on to the pitch through a corridor formed by his team mates, who were wearing his number eight jersey as the fans held up a giant flag with his face and the words "Thank you, legend" which covered the south stand. In the 85th minute, Kroos broke down in tears when, after receiving another standing ovation as he was substituted, he embraced his three children who were crying on the sidelines.

The game was stopped for several minutes as Kroos hugged each of his team mates and his coach. After the referee blew the final whistle, Kroos, his family and team mates did a lap of honour as the fans serenaded him for almost 30 minutes."I can only say thank you to all the Madridismo, to the club, to my team mates, to the stadium," Kroos told reporters."I've always felt at home during these 10 years. I couldn't ask for more. They have been 10 unforgettable years.

## IPL Final, KKR vs SRH: Pat Cummins looks to emulate MS Dhoni with prized trophy double

**New Delhi** . Pat Cummins, the serial trophyhunter, is back in the spotlight as the SunRisers captain has an opportunity to add another glittery silverware to his decorated trophy cabinet. It's the biggest domestic T20 title that is up for grabs when the SunRisers take on the Knight Riders in the IPL 2024 final in Chennai on Sunday, May 26.

On Sunday, Cummins can become only the second captain after MS Dhoni to complete the World Cup-IPL double. MS Dhoni went on to win the IPL trophy with the Super Kings, months after leading India to their historic ODI World Cup triumph in 2011. In fact, Dhoni is the only captain so far in cricket history to have won the IPL and the ODI World Cup.Social media is abuzz about Pat Cummins standing to the left of the trophy during the mandatory pre-final photoshoot. During the World Test Championship final in London and the ODI World Cup final in Ahmedabad last year, Cummins stood to the left of the trophy and walked away with the coveted prize on both occasions. Call it the luck factor, or a lazy way to define someone's success, Cummins's serial winning ability has left the world in awe.In 12 months, Cummins

Championship, and the ODI World Cup and retain the Ashes Urn in England. Not many modern-day captains have had such success. Cummins's elite pack will be complete if he leads the SunRisers to glory on Sunday. Having started his career as a prodigiously talented and express fast bowler, Cummins had to overcome injury setbacks early in his journey. The setbacks did not deter him as he went on to become one of the finest fast bowlers of this era. The 31-year-old has become that rare bowling captain with an incredible success rate. He has changed the fortunes of the Australian Test side since taking over from Tim Paine, who had an unceremonious exit. Australia weren't the favourites at the ODI World Cup last year, but they stunned in-form India to win the big trophy, thereby ending the 12year-long streak of home teams winning the 50-over top prize. When SunRisers spent a record sum of Rs 20.50 crore, eyebrows were raised as the Australian superstar was an unproven commodity in the IPL despite his incredible success at the international level. In fact, Cummins never led a T20 team at the senior level in his career before



he was named as SunRisers captain.

SRH TURNAROUND UNDER CUMMINS However, the punt from the SRH management seems to have worked wonders. Cummins, along with head coach Daniel Vettori, seem to have unlocked the incredible potential in the squad. SRH finished with the wooden spoon in 2023, not because of lack of talent, but lack of focus and direction. That's exactly what Cummins has been able to provide to the SunRisers side in 2024. With the likes of some of the hardest hitters of the cricket ball in the team - Travis Head, an in-form Abhishek Sharma, Heinrich Klaasen, and Aiden Markram -SRH shifted from a bowler-dependent team to a batting powerhouse in 2024. SRH,

revolution in 2024 - a season which has seen the most number of 250-plus scores in the tournament's history -8."I think at the start of the season you map out the style that you want to play to give yourself the best chance to win. Obviously, along the way you're allowed to adapt and maybe change the personnel," Cummins said on the eve of the IPL final."But we were

pretty strong with how we wanted to play super-aggressive - and in a 14 game-season, you're not going to win every single game, but we think if we play that way, you're going to win most of them," he said.SunRisers will meet the best team in the tournament in the final. Despite their success, SRH have not been able to beat KKR so far, having lost to them by the barest of margins in a run-fest in Kolkata and then in the Qualifier 1 in Ahmedabad.

Can Cummins repeat what he and his team achieved on November 19, 2023 - beat the best team of the tournament? Well, Australian captains have had success in the past with Hyderaebad-based IPL teams. It was Adam Gilchrist in 20090..

## Jacks, Salt would have been better off in IPL: Vaughan's dig at Pakistan

New Delhi. Former England cricketer Michael Vaughan has taken a sly dig at Pakistan after their meek display in the first T20I against Jos Buttler's side. England had called back all of their players from the Indian Premier League for their T20 World Cup preparation, which included the crucial T20I series against Babar Azam's Pakistan.

After Pakistan lost the second match at Edgbaston on Saturday by 23 runs, Vaughan said that some of the players might have been better off in the IPL 2024. Speaking at the Club Praire podcast, Vaughan felt that England missed a trick by not letting

some of their players play in the IPL 2024."I think you're going to miss the trick by sending all their players home. You know, I think Will Jacks, Phil Salt, Josh Butler, in particular, playing in the IPL in the eliminators, pressure, crowd, expectation. I would argue that playing here is better



preparation than playing a T20 game against Pakistan," Vaughan said in the podcast. Vaughan said that some of the England batters like Phil Salt and Will Jacks could have been better prepared in the highpressure IPL rather than playing Pakistan at home. England will go into the tournament as the defending champions. The team did not have a good outing in the ODI World Cup 2023 and will be desperate to change their fortunes this time around."I'm all for international cricket, but now and again, this tournament in particular, it's so exposed to pressure. These players are under a huge amount of pressure from fans, owners, and social media. It's massive. I just felt particularly those two, and Butler, probably not as much, but I still think he could have stayed here,' Vaughan said."But Will

Jacks and Phil Salt, I think they'd have been better prepared staying here playing in the IPL, then going back to head and let's play a game," Vaughan concluded the former captain. England play a total of 4 T20Is vs Pakistan. The first match of the series was abandoned due to rain.

### **Clash of Mentality Monsters:** Gautam Gambhir, Pat Cummins face off in IPL Final showdown

Chennai.It's time for the ultimate showdown! The Indian Premier League (IPL) 2024 final between the Sunrisers and the Knight Riders on Super Sunday has all the ingredients to be a jaw-dropping affair. Although the legendary MS Dhoni and the Super Kings aren't a part of the IPL anymore, the MA Chidambaram Stadium in Chennai is expected to be buzzing with cheers for KKR and SRH.It goes without saying that they have been the standout teams in the tournament by quite some distance. And it does not spring a surprise that the Sunrisers and the Knight Riders are in the final, especially because of the presence of two individuals, who have thrived under pressure over the years in crunch matches - Gautam Gambhir and Pat Cummins.

Gambhir brings back fortunes for KKR.

Gambhir and knockout matches share a romantic relationship and their bonding has never weakened. The architect of India's World Cup wins in 2007 and 2011, Gambhir knows how to up his game in big matches. He did not win the Player of the Match awards in the finals at the Wanderers and Mumbai, but that does not undermine the importance of the

Gambhir brought the legacy to KKR after he led them to victory in 2012 and 2014. Before Gambhir joined them, the Knight Riders did not have an identity, having not qualified for the playoffs even once. From 2011 to 2017, Kolkata made the playoffs 5 times. When Gambhir was not there with them for 6 seasons, they tried multiple captains, but none of them could win the title for them.

When Gambhir returned to KKR, this time as a mentor, fans could see a glimmer of hope after a couple of lacklustre seasons where they failed to go through to the playoffs. Albeit not as a player, Gambhir was expected to make an impact and bring a change to the team management and he hasn't let the Knight Riders down by any means. There is now a realistic chance for him to win the IPL both as a player and mentor.

Cummins with the Midas Touch

Cummins, on the other hand, is going through a purple patch. Master of his own destiny, Cummins has flourished regardless of the teams he has played for. The Sunrisers had faced flak for naming him as their skipper for the 2024 IPL edition despite him not captaining a single T20 team earlier at any level. But he has made captaincy look like child's play. He has made his own luck, so much so that someday, he may magically even

## Reunion of Champion Knights': Gautam Gambhir catches up with Manvinder Bisla at Chepauk

**NEW DELHI.** Former KKR captain and champions CSK in their own den. The off the final over. However, Manoj Tiwary current mentor Gautam Gambhir was seen catching up with his old teammate Manvinder Bisla ahead of the Indian Premier League 2024 final. KKR will be locking horns with SRH in the final on Sunday, May 26 at the MA

Chidambaram Stadium in Chennai. Ahead of the big game, Gambhir was seen catching up with Bisla, who played a major role in Kolkata's first IPL victory way back in 2012

Notably, The Haryana-born cricketer played a match-winning innings of 89 (48) with the help of eight fours and five sixes to help KKR chase down 191 and clinch their first IPL trophy in Chennai. Hence, the duo was seen catching up after a long time reminiscing their memories at the venue. KKR's X handle shared

the image of their catchup with the caption, "The reunion of our champion Knights."During the IPL 2012 final, KKR faced an uphill task of chasing down a massive score of 191 against the defending

situation got tense after captain Gautam Gambhir returned to the pavilion in the very first over itself. However, Bisla made sure to keep his team's current run rate in check KKR one step awayfrom third IPL title



The right-handed batter got involved in a crucial 136-run stand off 82 balls with Jacques Kallis (69 off 49) and brought KKR into ascendancy. The game went down the wire with Kolkata needing nine runs to win

held his nerve against Dwayne Bravo and guided his team home with back-to-back boundaries.

As a result, KKR won the match by five

wickets and two balls remaining as they clinched their first IPL trophy. Two years later, the Kolkata-based franchise added second trophy to their cabinet under the leadership of Gambhir by emerging victorious in the IPL 2014.Ten years after their second triumph, KKR once again find themselves on the verge of lifting their third trophy as they make their fourth IPL final appearance. Under the mentorship of their former captain, Kolkata have made a massive improvement from their seventh-placed finish last season and are just one step away from attaining glory. The two-time

champions will be eager to replicate their performance in the 2012 final at the same venue and take down SRH in the summit

pick up 5-wicket hauls as a left-arm spinner or score a hat-trick in a FIFA World Cup match. After winning the World Test Championship and ODI World Cup in the last 12 months has sky-rocketed his confidence.

## Shreyas Iyer hilariously charges Pat Cummins Rs 20 crore for autorickshaw ride

KKR captain Shreyas Iyer and SRH captain Pat Cummins were seen being involved in a hilarious banter ahead of the allimportant Indian Premier League **2024 final.** 

**NEW DELHI.** Ahead of the all-important Indian Premier League 2024 final between KKR and SRH, two captains Shreyas Iyer and Pat Cummins were seen in a jolly good mood as the duo got involved in a hilarious banter. Notably, KKR and SRH will take on each other in the final on Sunday, May 26 at the MA Chidambaram Stadium in Chennai. Ahead of the big game, the two captains did a mandatory photoshoot with the IPL trophy at Chepauk beach. The duo

exhibited their unfiltered self in a fun video released by the IPL where they pulled each other's legs. The REMIER LEAG video captures fun banter between the two captains as Iyer joked about riding an autorickshaw in his early days and hilariously charged the SRH skipper INR 20 crore for a ride.During their conversation, Iyer also asked Cummins about his IPL triumph in his debut season playing for KKR in 2014. Notably, Cummins was a part of KKR's squad during their second IPL triumph under the leadership of Gautam Gambhir.

However, the right-arm seamer only featured in one game where he also picked a wicket. The towering seamer was a part of KKR for the 2015 season as well and further returned to the franchise in 2020 after playing for DD (now DD) in 2017.Captain



Cummins continuing his Midas touchHowever, he was bought by SRH in the mini auction ahead of the ongoing season for a whopping INR 20.50 crore and immediately took up the captaincy of the side. Despite having no experience of leading a T20 team before, the 31-year-old

has continued his 'Midas Touch' and led SRH to their first IPL final after six years. Captain Cummins has been the secondhighest wicket-taker for his team with 17 scalps to his name in the ongoing season and played a few quick cameos with the bat as well.On the other hand, Shreyas has also done a remarkable job after returning to his side following his last season's absence due to a back injury. The 29-year-old has played a pivotal role in his team's victories in the

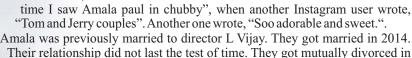
season with 345 runs to his name from 13 innings at an average of 38.33 and a strike rate of 146.18. Iyer will be eager to help his team win their third IPL title as they look to replicate their success of the IPL 2012 final



mala Paul, known for her role in the film Mynaa, is a South actress who appears mostly in Tamil, Telugu, and Malayalam films. She made her debut in the Malayalam film Neelathamara (2009). She played a minor supporting role in the film. She has worked with multiple stars from the industry. She was seen in the film Thalaivaa with actor Thalapathy Vijay; Deiva Thirumalai with Vikram; and Unemployed Graduate with Dhanush. She also appeared in Pasanga 2, opposite Suriya. Some of her famous movies are Pasanga 2, Bhaskar Oru Rascal, and Christopher. Amala Paul's husband, Jagat Desai, recently shared a video on Instagram that is going viral. Her baby bump is clearly visible in the video. In the clip, she is seen talking to her husband and hitting him playfully. Amala is seen wearing a yellow printed

Desai was seen wearing a white T-shirt and a silver chain. She added a Harry Styles song called As It Was to the video.

In the comment section of the video, her fans have commented on their wishes for the couple. A fan wrote, "First ever



Their relationship did not last the test of time. They got mutually divorced in 2017. After her divorce, Amala became busy doing movies. She led a single life until she met her current Jagat Desai. Amala Paul has also appeared on television. She was seen in Kudi Yedamaithe, Ranjish Hi Sahi, Raju Vootla Party, and Victim: Who is Next?. She has received multiple awards through her acting career till now. Edison Awards in 2011, 1st South Indian International Movie Awards in 2012, Times of India Most Desirable Married Women of Kollywood in 2015, and Tamil Cinema Journalist Dailies Association Awards



Reveals There Is A 'Celebrity Ration Card', Paparazzi Get Paid Per Photo Of Star

anhvi Kapoor recently opened up about the paparazzi culture in tinsel town. In a new interview while promoting her film Mr. and Mrs. Mahi, the actress stated that the paparazzi get paid based on the photos they click.n an interview with the Lallantop, Janhvi shared that there is a 'celebrity ration card'. She added, "Jaise abhi film ka promotion chalra hai toh, unhe bulaya gaya tha airport. Meri tasveer khichne. Lekin jab film ki promotion nahi hori hai, jab shoot mein nahi jaari hoon, jab gayab hona chahti hoon, tab woh, agar woh extra effort longe, aur aisa kahi baar hua hai woh gaadi follow karte hai, kyunki har picture ka, har image ka unhe paise milte hai. Har celebrity ka ek ration card hota hai. Inki picture itne mein bikti hai. Agar aapka price ho, toh aphuch jaate hain, gaadi follow kar lete hai. Agar price itna high nahi hai, toh bulaya jaata hai."



The Roohi actress was asked about celebrities who call the media personnel to spot them and then act surprised. The actress shared that it varies from celeb to celeb. She added that when she is promoting a film, the paps are invited. She further commented that often paps chase the car of a celebrity, as their picture has a certain value.

> In the same interview, the Mili actress mentioned that for Mr and Mrs Mahi's promotions, she has taken 25-30 flights, but the media has been able to spot her just 5-6 times only. She further disclosed that she has requested the paps to not

click her outside the gym as she does not want to be snapped in "tight" gym clothes. She said, "Main nahi chahti hoon ke woh log mujhe gym ke tight tight kapdo mein dekhen. Aur jab woh photo aate the baahar to bolte the ke jaan boojh kar ye tight kapde pehan kar dikhna chah rahi hai. To usse acha mat kheencho, main to nahi bulati wahaan gym ke baahar. (I don't want them to snap in tight gym clothes. When those pictures come out, they say that she loves to get herself clicked in tight-fitted clothes. So, they shouldn't click me. I did not ask them to come outside my gym). She also added that she requested them politely and now they do not come. On the work front, Janhvi Kapoor will be sharing the screen with Rajkummar Rao for Mr and Mrs Mahi which is slated to hit the theatres on May 31. She is also gearing up for her Telugu debut opposite Jr NTR in Devara.



### Kartik Aaryan Breaks His No-Sugar Policy After 2 Years. Courtesy: Suniel Shetty And Madhuri Dixit



artik Aaryan is currently on a promotional spree for his much-awaited project Chandu Champion. Set to hit theatres on June 14th, the film required the actor to undergo a significant body transformation for his lead role. Kartik Aaryan's dedication was evident as he maintained a strict no-sugar diet for the past two years. However, during his appearance on the Colors reality show Dance Deewane, Kartik indulged in a delicious sweet Rasgulla, all thanks to Suniel Shetty and Madhuri Dixit.In a promo released by the makers, Kartik Aaryan can be seen attending the finale episode of the dance reality show. Upon his arrival on the show, he receives a warm welcome from the Hum Aapke Hain Koun actress who is one of the judges in the show. Madhuri, while welcoming the Bhool Bhulaiyaa 2 actor, says, "You have come to the grand finale party of the family today our champion is to be declared here. And Chandu Champion, you have also come; the party is going to be superhit today."

Proceeding further, Suniel Shetty, another judge on the show, hails the actor for his dedication and sincerity while filming for his upcoming release. Showering praises on Kartik, the Hera Pheri actor says, "He has been through everything. Body transformation is done by many, but you have done it with dedication. I think you must not have eaten sweets since a few years."

The kind words of Shetty prompted the Satyaprem Ki Katha actor to unveil that he considered sugar "poison" for him and has not consumed the same for at least two years. Following his response, Shetty urged him to break his no-sugar policy on Dance Deewane 4. In the end, we can see Madhuri Dixit lovingly feeding him a Rasgulla while also extending wishes for Chandu Champion.Chandu Champion, helmed by Kabir Khan, is inspired by the life of India's first Paralympic gold medallist, Murlikant Petkar. Earlier, the makers unveiled the trailer of the film. Packed with intensified action sequences, emotional depth and a heartwrenching war scene, the trailer struck a chord with the audience, creating hype ahead of the film's release.

### **Dirty Fellow Review: Internet Calls It An Action**packed Mafia Drama With **Intriguing Twists**



he new Telugu film Dirty Fellow, starring Shanti Chandra, revolves around a soldier who serves in the Indian Navy. The teaser and trailer have received a good response from the audience. So far, good promotions have created hype around Dirty Fellow. The film was released yesterday, May 24.JP (Nagineedu) and Shankar Narayana (Satya Prakash) are two mafia dons and close friends. One fine day, Satya Prakash hatches a plan to eliminate JP so that he can become the undisputed mafia don. He arranges things in such a way that the cops are after JP but in a tragic turn of events, Shankar Narayana's son gets killed. Shakar Narayana is upset by this and declares war on JP, stating that he will kill his son Satru (Santi Chandra) at any cost.

As time passes, Shanti Chandra has plans to deal with Shankar Naraya and his gang. How this all unfolds is the main story of the film.Dirty Fellow has been directed by Adari Murthy Sai and he sets a good tone right from the start. He starts the film with the character of Dirty Fellow and slowly unleashes the mafia war. Once this is done, the character of Siddhu is introduced, which piques the interest in the

The promos may look a little odd, but once you accept the new faces, things start looking pretty good for the viwer. The interest is piqued when the main villain comes to know that Siddhu and Dirty Fellow are the same person, and they have the villain and his gang in their hands. The film has a decent glamour, and the makers have used it in a very sensible way.

The first half has action and romance but is boring when it comes to emotions. The makers should have handled this aspect a little better.